Hi-Tech University in Central India

SHRI KRISHNA UNIVERSITY

CHHATARPUR, MADHYA PRADESH (INDIA)

Approved By UGC & Madhya Pradesh Government

वार्षिक प्रतिवेदन

01 जुलाई 2021 से 30 जून 2022 तक

+91 6262180303 www.skuindia.ac.in info@skuindia.com

कुलाधिपति का संदेश

मेरे प्रिय आत्मीय जन्..........

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में वचिंत वर्गो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य रखा गया है। निःसंदेह जब तक ग्राम के जन-जन तक शिक्षा का प्रसार नहीं होगा, बापू का सपना अधूरा रहेगा। ज्ञानदीप की उज्जवलता की प्रभा रश्मि हमें सुदूर ग्रामांचलों तक पहुचाँना है। उच्च शिक्षा राष्ट्र का आधार स्तम्भ होती है। युवा राष्ट्र का सर्वस्व होता है। उनके सबल कंधो पर राष्ट्र का भविष्य निर्भर करता है। शिक्षा का जीवन स्तर जितना ऊँचा होगा राष्ट्र उतना ही स्वावलम्बी होगा। इसलिये ज्ञानार्जन ही राष्ट्र की बहुमूल्य सम्पत्ति है। ''न हि ज्ञानेन संदृशं पवित्रमिह विघत'' ज्ञान के समान पवित्र अन्य कोई विषयवस्तु नहीं है। ज्ञान का केन्द्र अच्छी शैक्षणिक संस्थाएँ होती है और शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन भी एक राष्ट्रीय दायित्व है। इन्ही पवित्र उद्देश्यों के वरण हेतु स्व. श्री बलबीर सिंह गौतम शिक्षा प्रसार एवं जन कल्याण समिति की स्थापना वर्ष 2008 में की गयी तथा समिति के उद्देश्यों के अनुसार संस्थापकों द्वारा विश्व गुरू ''(योगेश्वर श्री कृष्ण)'' की शिक्षाओं को अपने अन्तःकरण में धारण कर बुन्देलखण्ड और आस-पास के छात्र/छात्राओं को ज्ञानगंगा के अवगहन के अनवरत अवसर प्रदान करने का शुभ संकल्प समिति के संस्थापकों ने लिया है। प्रारम्भ से ही हमें प्रतिकूल हवाओं के तेज झंझावातों का चारों तरफ से सामना करना पड़ा है। किन्तु आप जैसे शुभेच्छुओं की शुभकामनाएं ही हमारा सम्बल है। श्री कृष्णा के जयघोष के साथ ही ऊँची आवाज में यह कहना चाहते हैं कि अंतिम विजय हमारी ही होगी। जब श्री कृष्णा जिनके साथ हो भला वे कभी पराजित हो सकते हैं? कदापि नहीं। इस आस्था के साथ समिति ने म.प्र. के अत्यंत पिछड़े क्षेत्र बुन्देलखण्ड के छतरपुर जिले में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना की जो म.प्र. के साथ-साथ सम्पूर्ण भारतवर्ष में अपनी नई पहचान स्थापति करेगा तथा शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में नित नये अवसर उपलब्ध करायेगा। यह कहना अप्रासंगिक नहीं होगा कि बुंदेलखण्ड के छात्र/छात्राओं को शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में नित नई ऊँचाइयों के अवसर सुलभ होंगें जो वर्तमान युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। छात्र/छात्राओं को चाहिए कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और शिक्षा जगत मे मजबूती से खड़े होने की योग्यता हासिल करें तथा ज्ञान की प्रज्जवलित मसाल को अपने हाथों में लें।

श्री कृष्ण आपके सहाय हो........ अस्तु।

डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम
कुलाधिपति

चेयरमैन का संदेश

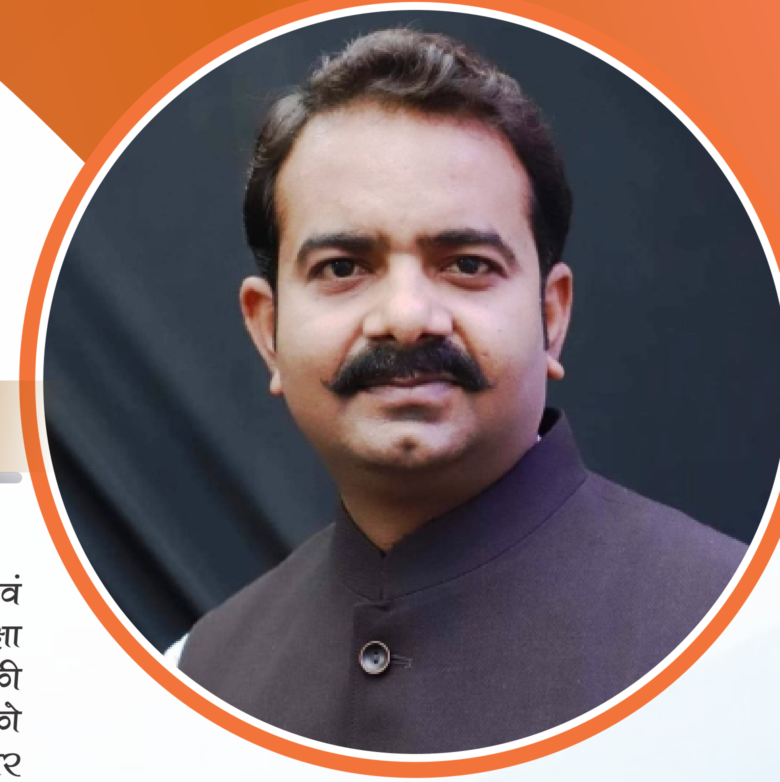

प्रिय आत्मीय जन.....................

विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का केन्द्र होता है। राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक स्तर पर समस्त देशवासियों के लिए समुचित शिक्षा का विकेन्द्रीकरण करते हुये विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी है। शिक्षा के प्रसंग में प्रादेशिक स्तर पर बुंदेलखंड को समुन्नत बनाने के लिए मध्यप्रदेश के राजपत्र में प्रकाशानुसार दिनांक 28 जुलाई 2018 को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर की स्थापना की गयी है। विश्वविद्यालय में शिक्षा का मूल प्रयोजन समाज को दिशा देना और युवाशक्ति को सकारात्मक और सृजनशील ढंग से ऊर्जान्वित करना है। क्षेत्र की आवश्यकताओं एवं पर्यावरणीय संकटों को देखते हुये हमारा यह प्रयास है कि शासन द्वारा स्थापित सभी विश्वविद्यालयों से बेहतर शिक्षा व रोजगार की व्यवस्था की जाये तथा क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए जल, ऊर्जा, एवं यातायात के मामले में विश्वविद्यालय आत्मनिर्भर हो तथा विश्वविद्यालय में संचालित समस्त पाठ्यक्रम व्यावसायिक एवं रोजगारोन्मुखी हो। वर्तमान की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए प्रासंगिक क्षेत्रों में उच्च अध्ययन और शोध के लिये सतत् प्रयास किये जायेंगे। विश्वगुरू श्री 'कृष्ण' की शिक्षाओं को अपने अन्तः करण में धारण कर विश्वविद्यालय को आधुनिक, तकनीकी के पुस्तकालय, उन्नत प्रयोगशालायें, आवास व्यवस्था, विशाल विश्वविद्यालय भवन, खेल के मैदान के साथ सुसज्जित किया गया है और इसे उत्कृष्ट बनाने के लिए सभी शिक्षक और सहकर्मी तत्पर हैं। आज के बदलते समय में मीडिया और वैश्वीकरण हमारे अनुभव का हिस्सा बन चुके है। अतः यह कहना आवश्यक होगा कि युवापीढ़ी इस दृष्टि से उपयोगी कौशलों से युक्त हो। इसे ध्यान में रखकर कंप्यूटर विज्ञान, मातृभाषा, विदेशी भाषा, संचार, साहित्य, फिल्म तथा थियेटर, कृषि विज्ञान, कौशल विकास और संस्कृति से जुड़े अनुशासनों में शिक्षण और शोघ पर यहाँ विशेष ध्यान दिया जायेगा। यहां पर ऐसे अनेक विषयों जैसे दलित तथा जनजाति अध्ययन, मानव विज्ञान, शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, सामाजिक शिक्षा, चिकित्सीय शिक्षा डायस्पोरा अध्यय, अहिंसा और शांति अध्ययन, बौद्ध अध्ययन तथा अध्यात्म जैसे पाठ्यक्रम चलाये जायेंगे जो महत्वपूर्ण तो हैं ही परन्तु प्रायः उपेक्षित रहे हैं। मध्यप्रदेश तथा बुंदेलखंड के विद्यालयों के लिये ये विषय अनेक संभावनाओं के द्वार खोलेंगें। तथा प्रत्येक वर्ष क्षेत्र, समाज व छात्र उपयोगी पाठ्यक्रमों को विश्वविद्यालय में जोड़ा जायेगा। जिससे छात्रों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा के साथ-साथ उन्हें कौशलयुक्त एक अच्छा मनुष्य बनने के लिए प्रेरित किया जा सके। मैं विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत करता हूँ, और उनसे यह आग्रह करता हूँ कि वे इस शिक्षा केन्द्र को अपनी योग्यता और क्षमता के विस्तार के लिए माध्यम बनायें। मैं और विश्वविद्यालय के अध्यापक तथा कर्मचारीगण सभी आपकी जीवन यात्रा के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर आपके साथ हैं। मेरा विश्वास है कि आपकी उपस्थिति और आपका योगदान इस विश्वविद्यालय को नई ऊँचाई पर ले जायेगा।

श्री कृष्णा आपके सहाय हों....................अस्तु।

डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम
चेयरमैन

www.skuindia.ac.in

कुलपति का संदेश

मेरे प्रिय आत्मीय जन्..........

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 में वचिंत वर्गो को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य रखा गया है। निःसंदेह जब तक ग्राम के जन-जन तक शिक्षा का प्रसार नहीं होगा, बापू का सपना अधूरा रहेगा। ज्ञानदीप की उज्जवलता की प्रभा रश्मि हमें सुदूर ग्रामांचलों तक पहुचाँना है। उच्च शिक्षा राष्ट्र का आधार स्तम्भ होती है। युवा राष्ट्र का सर्वस्व होता है। उनके सबल कंधो पर राष्ट्र का भविष्य निर्भर करता है। शिक्षा का जीवन स्तर जितना ऊँचा होगा राष्ट्र उतना ही स्वावलम्बी होगा। इसलिये ज्ञानार्जन ही राष्ट्र की बहुमूल्य सम्पत्ति है। ''न हि ज्ञानेन संदृशं पवित्रमिह विद्यत'' ज्ञान के समान पवित्र अन्य कोई विषयवस्तु नहीं है। ज्ञान का केन्द्र अच्छी शैक्षणिक संस्थाएँ होती है और शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन भी एक राष्ट्रीय दायित्व है। इन्ही पवित्र उद्देश्यों के वरण हेतु स्व. श्री बलबीर सिंह गौतम शिक्षा प्रसार एवं जन कल्याण समिति की स्थापना वर्ष 2008 में की गयी तथा समिति के उद्देश्यों के अनुसार संस्थापकों द्वारा विश्व गुरु ''(योगेश्वर श्री कृष्ण)'' की शिक्षाओं को अपने अन्तःकरण में धारण कर बुन्देलखण्ड और आस-पास के छात्र/छात्राओं को ज्ञानगंगा के अवगहन के अनवरत अवसर प्रदान करने का शुभ संकल्प समिति के संस्थापकों ने लिया है। प्रारम्भ से ही हमें प्रतिकूल हवाओं के तेज झंझावातों का चारों तरफ से सामना करना पड़ा है। किन्तु आप जैसे शुभेच्छुओं की शुभकामनाएं ही हमारा सम्बल है। श्री कृष्णा के जयघोष के साथ ही ऊँची आवाज में यह कहना चाहते हैं कि अंतिम विजय हमारी ही होगी। जब श्री कृष्णा जिनके साथ हो भला वे कभी पराजित हो सकते हैं? कदापि नहीं। इस आस्था के साथ समिति ने म.प्र. के अत्यंत पिछड़े क्षेत्र बुन्देलखण्ड के छतरपुर जिले में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना की जो म.प्र. के साथ-साथ सम्पूर्ण भारतवर्ष में अपनी नई पहचान स्थापति करेगा तथा शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में नित नये अवसर उपलब्ध करायेगा। यह कहना अप्रासंगिक नहीं होगा कि बुंदेलखण्ड के छात्र/छात्राओं को शिक्षा व रोजगार के क्षेत्र में नित नई ऊँचाइयों के अवसर सुलभ होंगें जो वर्तमान युग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। छात्र/छात्राओं को चाहिए कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और शिक्षा जगत मे मजबूती से खड़े होने की योग्यता हासिल करें तथा ज्ञान की प्रज्जवलित मसाल को अपने हाथों में लें।

श्री कृष्ण आपके सहाय हो........ अस्तु।

डॉ.अनिल कुमार धगट
कुलपति

कुलसचिव का संदेश

प्रिय आत्मीय जन....................

बडे उत्साह से इस विश्वविद्यालय को विकास पथ पर ले जाने की जिम्मेदारी ली है अपने इस संकल्प में मैं समर्पित भाव से लगा भी हूँ।शिक्षण शैली से कठिन से कठिन विषय को सहज, सुगम्य और रुचिकर बनाकर गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना हमारे विश्व विद्यालय का प्रमुख उद्देश्य रहेगा जिससे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सकें।विश्वविद्यालय की प्रगति और पहचान ही हमारे अस्तित्व का आधार है। अपने विश्वविद्यालय के समर्थ एवं विद्वान प्राध्यापकों से भी यही आशा रखते है कि उनके संरक्षण में रहकर छात्र छात्राएं पूर्ण मनोयोग से अपने सद्गुणों का विकास करने के लिए सतत प्रयासरत रहें।अपनी अनन्त ऊर्जा श्रेष्ठ कौशलता को देश और समाज के विकास में लगायें एवम् इस दिशा में निरन्तर जागरूक रहें।

शिक्षा मनुष्य के अंदर अच्छे विचारों का निर्माण करती है मनुष्य के जीवन का मार्ग प्रशस्त करती है। बेहतर समाज के निर्माण में योग्य शिक्षित युवाओं की अति आवश्यकता होती है। हमारा संस्थान ऐसे ही युवाओं का निर्माण उचित शिक्षा देकर करता है। विभिन्न पाठ्यक्रमों का संचालन श्रीकृष्णा विश्वविद्यालय में हो रहा है जो रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के अवसर प्रदान करता है। बेहतर व्यक्तित्व निर्माण और छात्र-छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना ही हमारे विश्वविद्यालय का एकमात्र उद्देश्य है।

समय-समय पर शोध कार्य के लिए राष्ट्रीय गोष्ठियों, संगोष्ठियों एवं व्याख्यान मालाओं का भी आयोजन किया जाता है जिसमें युवाओं को आधुनिक शिक्षा के बारे में संपूर्ण जानकारी मिल सके। इस संस्थान आप शिक्षा ग्रहण करेंगे तो आपको रोजगारनहीं खोजना पड़ेगा बल्कि, रोजगार आपकी तलाश करेगा।...................अस्तु।

श्री विजय सिंह
कुलसचिव

www.skuindia.ac.in

Our Vision

Shri Krishna University aspires to be one of the most vibrant, dynamic, universities of India. University will actively promote and preserve moral values, ethics in higher education. Courses offered will be in accordance to socio-economic scenario of the state. University provide a transformative educational experience for students focused on deep disciplinary knowledge; problem solving; leadership, communication, and interpersonal skills; and personal health and well-being.

Four basic principles shall guide the Shri Krishna University: Our research, education and cooperation shall be characterised by a quest for high quality; our standpoints and decisions shall be based on a clear responsibility for the development of society; our work shall be guided by a global engagement that constantly reminds us of our role in the world; and an inspiring work environment is an important prerequisite.

Our Vision Will Set The Direction

- Becoming a vibrant knowledge Centre and a Centre of Excellence in teaching, research and extension activities.
- Bringing about conservation, creation advancement and dissemination of knowledge.
- Creating technologically equipped thought and action leaders in a wide range of spheres by providing value-based and high quality education.
- Generating cutting edge research and innovations and enabling empowerment through social and regional inclusion.
- Increasing global linkages by attracting international students and establishing collaborative programmes with educational institution of repute.

A Quality-Driven University

Shri Krishna University is characterised by innovative multidisciplinary research based on strong individual disciplines. All education is research based; as part of their studies, our students are put in contact with active researchers and highly advanced research. The quality of our research and education is strengthened through close contacts with the world around us.

Strong Civic Responsibility

Shri Krishna University in various disciplines are contributing to solutions of both regional and global problems. Our programme catalogue is very broad, reflecting not only the needs of students and the surrounding world but also our responsibility for lifelong learning and promoting the general level of knowledge in society. We are engaged in close cooperation with the surrounding society, work for sustainable development and are an active and appreciated provider of knowledge.

Global Engagement

Shri Krishna University is characterised by global perspectives and attracts leading researchers from around the world. All programmes offer international outlooks and student exchange opportunities. Attractive highly advanced programmes attract students from all over the world. The University is a prioritised cooperation partner in international initiatives.

Inspiring Work Environment

Shri Krishna University is characterised by a stimulating and dynamic work environment where respect for everybody's equal value is completely natural. The University is an attractive employer and the study environment provides optimal work conditions for students. The organisation is characterised by effective information provision and qualified support functions

Our Mission

The mission of the Shri Krishna University is to provide superior education and exceptional knowledge to its students, not only in terms of their intellectual growth and development, but also in terms of growth and development of their human qualities and ethical values, and inspiring their wish and inclination to be leaders, moving the boundaries of knowledge and higher education, promoting intellectual surroundings which cherishes and honors true values, respect and accepting people's differences and devotion to knowledge, development and human values.

Our Mission Statement

- **Strengthening the academic advancement with the global competitiveness.**
- **Be the most preferred choice of students, faculty and industry.**
- **Have an ethical attitude and approach, and activities characterised by equal opportunities**
- **Bringing about conservation, creation, advancement and dissemination of knowledge.**
- **Imparting need based updated curriculum.**
- **Provide congenial ambience on the campus.**
- **Provide Industry/Corporate exposure to the students.**
- **Establishing the strong research practices among faculty and students.**
- **Encouraging students for field based learning and also to address the social issues with the help of soft skills more rationally.**
- **Develop the determination to achieve a sustainable development in the areas of social justice, equity and access.**

Our Strategy sets out goals and actions that target areas of challenge while laying the foundations for on-going success into the future. Informed by analysis, reflection and broad engagement we have determined we need to consolidate and enhance our position as a world-leading University and:

- **Strengthen and enrich our core activities of Education and Research**
- **Address the changing expectations of our students**
- **be an integrated educational and research environment.**
- **Target investment in research strengths**
- **Focus on enhancing quality**
- **Continue to differentiate The Shri Krishna University on the basis of an outstanding student experience and our distinct approach to education.**

First-class education

Education at Shri Krishna University is characterised by its association with research. Students acquire up-to-date knowledge as well as the skills and capacity for independent and critical thinking.

Attaining excellence and benefiting society

Shri Krishna University's endeavour to combine academic excellence with providing benefit to society will be grounded in integrity, collegiality, quality and openness. Education and research will be developed in open dialogue and multi-faceted cooperation with the wider community.

www.skuindia.ac.in

SKU at a Glane

Shri Krishna University is to provide superior education and exceptional knowledge to its students, Our Strategy 2020 sets out goals and actions that target areas of challenge while laying the foundations for on-going success into the future. Informed by analysis, reflection and broad engagement we have determined we need to consolidate and enhance our position as a world-leading University. Established Under the provisions given in Section 4 of the Madhya Pradesh Private Universities Sthapana Avam Sanchalan Adhiniyam 2008

- **Industry Based Curriculum**
- **Our Faculty**
- **Teaching Methodology**
- **Imparting updated curriculum**
- **Vibrant Campus Student Life**
- **Strengthen of our core activities**
- **Industry Mentoring Programs**
- **Excellent Career Paths**

SKU University campus is a diverse, sociable community, where imagination thrives and ambitions are realized. The University is committed to providing a positive learning environment free from any form of discrimination, harassment and bullying, where all students are treated with respect and dignity.

- **Career Development Service**
- **Conference Services**
- **Counselling (Students)**
- **Health Centre**
- **Postal and Courier Services**
- **Procurement Unit**
- **Recruitment**
- **Student Learning Development**
- **Web Centre**

Late Shri Balbeer Singh Gautam

Our Inspiration

Late Shri Balbeer Singh Gautam was always conscious and aware fo the education deprived Bundelkhand area and had a dread t develop an educational hub in Chhatarpur, Madhya Pradesh. Late Shri Balbeer Singh Gautam JI was MA in Political Science, MA in English and Law graduate. Immense need of higher education in Bundelkhand region gave birth to Krishan Group of Education in the year 1999 at Chhatarpur MP. For running institutions properly a society Late Shri Balbeer Singh Gautam Shiksha Prasar Evam Jankalyaan Samiti Chhatarpur (M.P.) was established in year 2008. At present Krishna Group of Education hs separate identity and well renowed name in whole central part of India. Group is also planning to establish a world class hospital in central part of Bundelkhand i.e. Chhatarpur.

The name "Krishna" is derived from its etymology signifying the "darkness" from which the perfect manifestation of the University and Divinity can be visualized. The energy of light can be absorbed into "Krishna which embodies comic consciousness. Founder members always believe in Lord Shri Krishna. They never forget that during Periods of Struggle in their life, when there was no hope from anywhere, it is name of Lord Shri Krishna which always provided moral and mental support.

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय के प्रमुख

माननीय श्री मंगू भाई पटेल
महामहिम राज्यपाल
म.प्र. शासन

श्री शिवराज सिंह चौहान
माननीय मुख्यमंत्री
म.प्र. शासन

डॉ. भरत शरण सिंह
चेयरमैन, म.प्र. निजी वि.वि.
विनियामक आयोग, भोपाल

डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम
चेयरमैन
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.

प्रतिवेदन अवधि में विश्वविद्यालय अधिकारी

डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम
माननीय कुलाधिपति
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.

डॉ. अनिल कुमार धगट
द्वितीय कुलपति
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.

श्री गिरीश त्रिपाठी
उप कुलपति
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.

श्री विजय सिंह
कुलसचिव
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर, म.प्र.

वार्षिक कार्य/ गतिविधियाँ विवरणिका

1. प्रशासनिक कार्य/गतिविधियाँ
1.1 विश्वविद्यालय की स्थापना।
1.2 संस्थागत कुलपति।
1.3 शासी निकाय।
1.4 प्रबंधन बोर्ड।
1.5 विद्या परिषद्

2. अकादमिक कार्य/गतिविधियाँ
2.1 अध्ययन मंडल का गठन।
2.2 प्रवेश प्रक्रिया।
2.3 परीक्षा का आयोजन।
2.4 परीक्षाओं के लिये उड़नदस्ता का गठन।

3. विकासशील कार्य/गतिविधियाँ
3.1 विश्वविद्यालय की प्रारंभिक व्यवस्था।
3.2 विश्वविद्यालय के अधोसंरचना के निर्माण की स्थिति।
3.3 विश्वविद्यालय की वाहन व्यवस्था।
3.4 विश्वविद्यालय में आद्यतन तकनीति संसाधन एवं प्रयोग।

4. सांस्कृतिक एवं नवाचार के कार्य/गतिविधियाँ
4.1 रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर हुआ व्याख्यान
4.2 अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर बेवीनार का आयोजन
4.3 नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती
4.4 हरियाली महोत्सव का आयोजन
4.5 फिटनेस की डोज आधा घंटा रोज
4.6 ऐसा काम करें कि आपके काम से आपको दुनिया पहिचाने
4.7 विधिक सहायता शिविर एवं वृक्षारोपण का भव्य आयोजन
4.8 राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर बेवीनार आयोजित
4.9 ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन सिनेरियो पर वेबीनार आयोजित
4.10 लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित बुंदेला का एन.सी.सी. पर व्याख्यान
4.11 ग्रीन कॉरीडोर में औषधीय पौधों का अवलोकन
4.12 केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार को किया सम्मानित
4.13 डॉ. जे.पी. मिश्रा को म.छ.बु. विश्वविद्यालय के कुलसचिव बनने पर ...
4.14 ग्राम गोद चौका में वैक्सीनेशन
4.15 फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 का आयोजन
4.16 शिक्षा और शिक्षक राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं
4.17 कैरियर काउंसिल कार्यक्रम का आयोजन
4.18 अंग्रेजी भाषा और उसके भविष्य पर हुई ऑनलाइन चर्चा
4.19 हिन्दी दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन
4.20 नई शिक्षा नीति में ग्रंथालय की भूमिका पर वेबीनार
4.21 नेताजी सुभाषचंद्र बोस के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रतियोगिता
4.22 गणित विभाग द्वारा शोध परख वेबीनार
4.23 छात्रों द्वारा जैविक कीटनाशक दवाओं का किया गया छिड़काव
4.24 ड्रग एंड डिसीज इनफॉर्मेशन सेंटर का हुआ उद्घाटन
4.25 परिस्थितियों ने मानव को सिखाया प्रकृति का महत्व
4.26 संविधान में लोकतंत्र विषय पर हुआ राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन
4.27 भूगोल विभाग, शोध केन्द्र एवं जनसंख्या वृद्धि
4.28 नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जीवनी पर आधारित
4.29 खादी प्रदर्शनी पर भव्य आयोजन
4.30 ग्वालियर सहित 9 संस्थानों के बीच हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध
4.31 विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम
4.32 विश्वविद्यालय में एन.सी.सी. की भर्ती
4.33 ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में प्रबंधन विभाग के
4.34 राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक
4.35 वनस्पति शास्त्र की पुस्तकें केन्द्रीय पुस्तकालय को दान की
4.36 सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती
4.37 विश्वविद्यालय में मनाया गया विधिक सहायता दिवस

4.38 अर्पित साहू तबला वादन में उत्कृष्ट रहे
4.39 विश्वविद्यालय में वैक्सीनेशन कैम्प हुआ आयोजित
4.40 भाषण प्रतियोगिता
4.41 विधि विभाग द्वारा मनाया गया संविधान दिवस
4.42 राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस ऑल इंडिया गर्ल्स ट्रेकिंग के कैडेट्स हुये
4.43 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ
4.43.1 दो पारियों में क्रिकेट का आयोजन
4.43.2 विना विकट खोये मैच किया अपने नाम
4.43.3 मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स तथा बी.एस.सी.ए.जी. टीम के मध्य
4.43.4 तूफानी बल्लेबाजी करते हुये 100 रन पर की पारी घोषित
4.43.5 पैरामेडीकल तथा बी.एस.सी.ए.जी. टीम के मध्य खेला गया
4.43.6 कला संकाय तथा कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग टीम के मध्य
4.43.7 स्व. श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट ट्रॉफी मैनेजमेंट
4.43.8 महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला
4.44 विधि विभाग द्वारा मनाया गया अधिवक्ता दिवस
4.45 चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल पर व्याख्यान का आयोजन
4.46 जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता
4.47 शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से बाल यौन शोषण पर दिया संदेश
4.48 शिक्षक को चाणक्य एवं विद्यार्थी को एकलव्य की तरह होना
4.49 किचन गार्डन के पौधों का किया वितरण
4.50 एन.सी.सी. बटालियन में किया किचन गार्डन तैयार
4.51 महिला यौन उत्पीड़न पर सेमीनार का हुआ आयोजन
4.52 राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन
4.53 तीन दिवसीय कैम्पस प्लेसमेंट
4.54 कृषि संकाय द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया गया
4.55 एन.सी.सी. 25 बटालियन ने जीता मैत्री क्रिकेट मैच
4.56 विभाग द्वारा मनयाय गया उपभोक्ता दिवस
4.57 सुभाषचंद्र बोस के व्यक्तित्व पर हुआ नाट्य मंचन
4.58 भारत देश के सभी नागरिकों को सैनिक शिक्षा अनिवार्य
4.59 कृषि संकाय द्वारा किया गया फ्रेशर पार्टी का आयोजन
4.60 मैडल फॉर पैडल का आयोजन
4.61 15 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों का हुआ वैक्सीनेशन
4.62 फार्मेसी विभाग द्वारा मनायी गयी फ्रेशर पार्टी
4.63 नेताजी सुभाषचंद्र बोस विषय पर भाषण प्रतियोगिता
4.64 विश्व हिन्दी दिवस पर हुआ व्याख्यान माला का आयोजन
4.65 सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर अवस्थी ने विधि की...
4.66 स्वामी विवेकानंद की मनायी गयी जयंती
4.67 नेताजी सुभाषचंद्र बोस पराक्रम दिवस पर काव्य गोष्ठी
4.68 रोको-टोको जागरूकता अभियान
4.69 मशरूम उत्पादन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन
4.70 बड़े हर्षोउल्लास से मनाया गया 73 वां गणतंत्र दिवस
4.71 आजादी के अमृत महोत्सव पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन
4.72 विश्वविद्यालय ने मनाया माँ सरस्वती प्राकट्योत्सव दिवस
4.73 मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती
4.74 गूंजे हरे रामा हरे कृष्णा की धुन
4.75 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया
4.76 विश्वविद्यालय एवं खजुराहो एग्रो एण्ड फाईन आर्टस्.....
4.77 राष्ट्रीय अंग एवं प्रत्यारोपण का एकीकृत दृष्टिकोण पर किया गया वेबीनार
4.78 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर निकाली जागरूकता रैली
4.79 फार्मेसी विभाग में नवसुस्जित केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला
4.80 कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन
4.81 शहीदी दिवस पर बेवीनार का हुआ आयोजन
4.82 परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन
4.83 युवा संवाद का सीधा प्रसारण
4.84 विश्व स्वास्थ्य दिवस पर कैंप का हुआ आयोजन
4.85 दो दिवसीय रोजगार मेला संपन्न

www.skuindia.ac.in

4.86 प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग द्वारा कराया गया ऐड मेनिया
4.87 पृथ्वी ग्रह में निवेश करें विषय पर हुआ सेमिनार
4.88 भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष बने डॉ. ....
4.89 गोद ग्राम चौका में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन
4.90 मेंहदी प्रतियोगिता क आयोजन
4.91 पर्यावरण एवं पक्षी संरक्षण पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन
4.92 विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस
4.93 पक्षियों के लिये रखे जगह जगह सकोरा
4.94 एस.के.यू. टाइम्स ई-न्यूज बुलेटिन मासिक पत्रिका का विमोचन
4.95 संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में किया विश्वविद्यालय का नाम रोशन
4.96 दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट का आयोजन
4.97 दो दिवसीय जूडो कराटे प्रशिक्षण
4.98 साइकिल रैली एवं वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस
4.99 सॉफ्टवेयर ऐप्लीकेशन एण्ड रिसर्च फार्माकोलॉजी के......
4.100 एन.सी.सी. कैडेट्सों का हुआ इंटर डायरेक्ट्रेड स्पोर्टस शूटिंग
4.101 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन
4.102 संयुक्त तत्वाधान में मेधावी छात्र सम्मान समारोह

5. करार (एमओयू)

6. विश्वविद्यालय को विभिन्न संस्थानों से प्राप्त सम्मान।

7. विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियाँ।

8. संकाय।

9. गैलरी।

www.skuindia.ac.in

1. प्रशासनिक कार्य / गतिविधियाँ

स्व. श्री बलवीर सिंह गौतम शिक्षा प्रसार एवं जनकल्याण समिति द्वारा आवेदित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की स्थापना मध्यप्रदेश **विधानसभा अधिनियम दिनांक** 23 जुलाई 2018 को राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त के उपरांत म.प्र. शासन द्वारा दिनांक 28 जुलाई 2018 को प्रकाशित राजपत्र (असाधारण) क्रमांक 421 के द्वारा स्थापना की गई। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली, मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउन्सिल, भोपाल, म.प्र., सह चिकित्सीय परिषद्, भोपाल, फार्मेसी कांउसिल ऑफ इंडिया एवं भारतीय विधिज्ञ परिषद्, नई दिल्ली के द्वारा मान्यता प्राप्त है।

भवन का फोटो

1.2 कुलपति

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के संस्थापक कुलपति डॉ. गोविन्द सिंह के कार्यपाल पूर्ण होने के उपरांत कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया द्वारा डॉ. अनिल धगट को कुलपति नियुक्ति किया गया है उन्होंने पदभार 01 दिसंबर 2020 को ग्रहण कर लिया है। डॉ. धगट रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग के चेयरमैन रह चुके हैं। उनकी इस नियुक्ति पर विश्वविद्यालय परिवार ने शुभकामनायें प्रेषित की हैं।

1.3 शासी निकाय

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में शासी निकाय के पदाधिकारी एवं धारा 22 (1) (ड.) के प्रावधान अनुसार राज्य सरकार का एक प्रतिनिधि शामिल किया गया है, जो निम्नानुसार है।

क्र.	नाम	पद
1	डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम (कुलाधिपति)	चेयरमैन
2	डॉ. अनिल कुमार धगट (कुलपति)	सदस्य
3	श्री ऋषि प्रकाश विरथरे (अधिवक्ता)	सदस्य
4	श्री आशीष खरे (वरिष्ठ पत्रकार)	सदस्य
5	श्री शिव प्रताप सिंह बुन्देला (प्राध्यापक ललितकला)	सदस्य
6	श्री विजय सिंह (कुलसचिव)	सदस्य सचिव
7	डॉ. जे.पी. मिश्रा (प्राध्यापक) (शासन द्वारा नामित)	सदस्य
8		शासन द्वारा प्रक्रियाधीन
9		शासन द्वारा प्रक्रियाधीन

1.4 प्रबंधन बोर्ड

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में प्रबंधन बोर्ड अधिनियम 2007 की धारा 23 (1) (ग) के प्रावधानुसार निम्नानुसार सदस्य है।

क्र.	नाम	पद
1	डॉ. अनिल कुमार धगट (कुलपति)	अध्यक्ष
2	श्री विजय सिंह (कुलसचिव)	सदस्य सचिव
3	डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम (शिक्षाविद)	सदस्य
4	श्री गिरीश त्रिपाठी (फार्मासिस्ट)	सदस्य
5	डॉ. अनुज कुमार भदौरिया(प्राध्यापक वनस्पतिशास्त्र)	सदस्य
6	डॉ अश्वनी कुमार दुबे(प्राध्यापक जन्तुविज्ञान)	सदस्य
7	श्री चन्द्रकुमार सिंह परिहार(प्राध्यापक शिक्षाशास्त्र)	सदस्य
8	डॉ. आकाश सिंह (प्राध्यापक कृषि विभाग)	सदस्य

1.5 विद्या परिषद

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विद्या परिषद में म.प्र. निजी विश्वविद्यालय द्वारा विनियामक आयोग द्वारा निम्नलिखित सदस्यों को नामांकित किया गया है-

प्रो. यशवंत सिंह ठाकुर विभागाध्यक्ष, बिजनेस मैनेजमेंट विभाग डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर	डॉ. एस.एस. संधु प्राध्यापक, बायोलॉजिकल साइंस रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

2. अकादमिक कार्य/ गतिविधियाँ

2.1 अध्ययन मंडल का गठन
विश्वविद्यालय में सत्र 2020-21 के दौरान छात्र/छात्राओं के लिये प्रमाण पत्र/ डिप्लोमा/ स्नातक/ स्नातकोत्तर/एमफिल/ पीएच.डी./ डी.एससी./ डी.लिट. पाठ्यक्रमों के निर्माण/संसोधन हेतु **64 विषयों** के अध्ययन मण्डल का गठन कर समय सीमा में बैठक आयोजित की गई।

2.2 प्रवेश प्रक्रिया
विश्वविद्यालय द्वारा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रक्रिया की जा रही है।

2.3 परीक्षा का आयोजन
श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में अकादमिक कलैण्डर के अनुसार सेमेस्टर एवं वार्षिक परीक्षाओं का संचालन किया गया एवं शासन के निर्देशानुसार ऑनलाईन प्रवेश पात्रता परीक्षा संबंधित विषय में आयोजित की गई।

2.4 परीक्षाओं के लिये उड़नदस्ता का गठन
प्रतिवेदन अवधि में परीक्षाएँ सुचारू रूप से सम्पन्न कराने एवं नकल प्रकरण पर रोक लगाने के लिए कुलपति महोदय के संयोजन में विश्वविद्यालयीन उड़नदस्ते का गठन किया गया।

3. विकासशील कार्य/ गतिविधियाँ

3.1 विश्वविद्यालय की प्रारंभिक व्यवस्था
विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 30 एकड़ भूमि चिन्हित करते हुए उसमें 2 लाख 10 हजार वर्गफिट का निर्माण आरंभ से ही कराया जा चुका है। इसके साथ रोड, गार्डन एवं मुख्य द्वार का निर्माण पूरा हो चुका है।

3.2 विश्वविद्यालय के अधोसंरचना के निर्माण की स्थिति
विश्वविद्यालय के मुख्य भवन के पीछे तीन लाख पचास हजार वर्गफिट का भवन का कार्य पूर्ण है। आठ एकड़ भूखण्ड में स्टेडियम का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

3.3 विश्वविद्यालय की वाहन व्यवस्था
विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को आवागमन हेतु शहर के सभी स्थानों से दस बसों की सुविधा उपलब्ध है, इसके अलावा स्टाफ के लिए 3 वाहनों तथा कुलपति एवं कुलसचिव के लिये 1-1 वाहन उपलब्ध है।

4. सांस्कृतिक एवं नवाचार के कार्य/गतिविधियाँ

4.1 रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर हुआ व्याख्यान

श्री ओमप्रकाश सकलेचा, माननीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथाविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री म.प्र. शासन शुक्रवार को छतरपुर के श्री कृष्णा विश्वविद्यालय पधारे , जहां पर उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर राजेश प्रजापति चंदला विधायक, प्रद्युमन सिंह लोधी बड़ामलहरा विधायक, मलखान सिंह जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, मोनू यादव अध्यक्ष जनपद पंचायत छतरपुर, अरविंद पटैरिया महामंत्री भा.जा.पा. के साथ मणिकांत चौरसिया युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष छविलाल पटेल पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष राज गुप्ता, दिनेश अग्निहोत्री, विक्की तोमर युवा नेता एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में माननीय मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा का पगड़ी तथा पुष्पहार के साथ श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनिल धगट द्वारा स्वागत किया गया। माननीय कुलपति ने प्रगति प्रतिवेदन इस अवसर पर उन्होनें बताया कि बुंदलेखण्ड पहले से ही कृषि, शिक्षा एवं उद्योग में पिछड़ा रहा है। इस बात को ध्यान में रखते हुये विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने छतरपुर जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना 2018 में की थी जिसमें विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ने एवं आत्म निर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए सभी मूलभूत पाठ्यक्रमों को आरंभ किया गया। जिसमें प्रमाण पत्र, डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर के साथ शोध कार्य वर्तमान में संचालित है।

माननीय मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा प्राप्त करने के बाद हम अपने सपने एवं उद्द्श्यों की पूर्ति करते है। संस्था के छात्र जितने शिखर पर जायेगें संस्था का नाम उतना ही रोशन होगा। किस पाठ्यक्रम को करने से क्या रोजगार मिलेगा इसका स्पष्ट उल्लेख करके दृश्य पटल पर लगाना चाहिये। जिससे विद्यार्थी अपना चुनाव कर सकें। भारत की 36 सी.एस.आई.आर. लैब के साथ शासन का करार हुआ है जिसमें छात्र-छात्राओं को कार्य करने का मौका मिलेगा। कोरोना ने तीन बातें सिखाई बड़े शहरों से दूर भागना, अपने आप को सुरक्षित रखना और सादा जीवन व्यतीत करना। फूड प्रोसिसिंग यूनिट की बात करते हुये उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में इसकी अपार संभावनायें है हम आत्मनिर्भर भारत के लिए अपने जिला को अग्रणी बनायें और उन्होने विश्वविद्यालय के प्रबंधक डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम एवं डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम को इस उत्कृष्ट कार्य हेतु बधाईयां प्रेषित की हैं।

श्री ओमप्रकाश सकलेचा जी का एवं समस्त अतिथियों का विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट एवं कुलसचिव विजय सिंह द्वारा शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। आभार उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने किया। संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया।

4.2 अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर बेवीनार का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के विधि विभाग द्वारा 17 जुलाई, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस पर ऑनलाइन बेवीनार का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री बृजेश पटेल, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, सहायक प्राध्यापक डॉ. रामसिंह पटेल, सहायक प्राध्यापक श्री अवधेश त्रिवेदी, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे तथा समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, सदस्य एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित हुये। कार्यक्रम का प्रारंभ विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी जी के उद्बोधन से हुआ। कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस की पृष्ठभूमिके संबंध में सहायक प्राध्यापक श्री अवधेश त्रिवेदी, विधि महाविद्यालय, कोरबा, छत्तीसगढ़ द्वारा व्याख्यान माला प्रस्तुत की गई। निर्धन और जरूरतमंदों की न्याय सुलभता पक्ष में व्याख्यान श्री बृजेश पटेल, जिला विधिक सहायता अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया गया। संवैधानिक पहलुओं पर न्याय की अवधारणा का पक्ष विधि के सहायक प्राध्यापक डॉ. रामसिंह पटेल द्वारा व्याख्यान माला प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री शैलेन्द्र सिंह द्वारा, आभार सहायक प्राध्यापक श्री विवेक प्रताप सिंह द्वारा एवं संचालन सहायक प्राध्यापक श्री माधवशरण पाठक द्वारा किया गया।

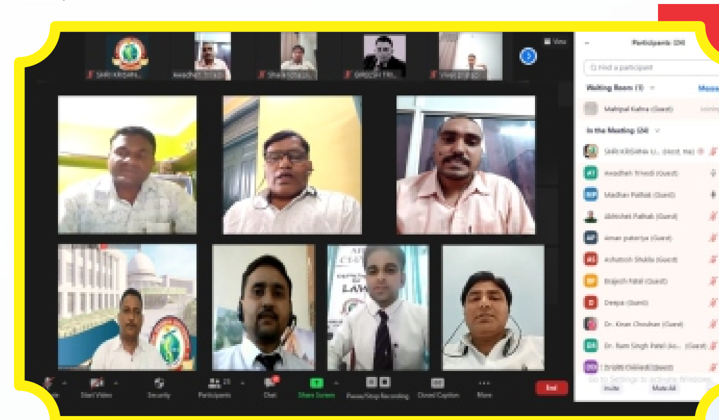

4.3 नेताजी सुभाषचंद बोस की जयंती

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती के उपलब्क्ष मे 'पराक्रम दिवस' के अन्तर्गत दिनांक 21 जुलाई 2021 को विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय द्वारा शीर्षक ''सुभाष चंद्र बोस का भारत'' पर ऑन लाइन एक निंबध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र/ छात्राओं ने भाग लिया।

इस निंबध प्रतियोगिता का निर्णय निर्णायक समिति में श्री शिवराज सिंह सहायक प्राध्यापक कृषि एवं श्री अंशुल प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक कृषि के द्वारा किया गया।

इस प्रतियोगिता में निम्न छात्र/छात्राओं ने भाग लिया जिसका निर्णय, निर्णायक समिति द्वारा निम्न प्रकार प्राप्त किया गया।

इस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर छात्रा प्रिया ओझा, बी. एस सी (आर्नस)कृषि चतुर्थ सेमेस्टर द्वितीय स्थान पर अंजली उपाध्याय बी. एस सी (आर्नस)कृषि चतुर्थ सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान अंशिका चतुर्वेदी बी. एस सी (आर्नस)कृषि द्वितीय सेमेस्टर रही।

4.4 हरियाली महोत्सव का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के सभागार में हरियाली महोत्सव पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें श्री शहनवाज हुसैन, राष्ट्रीय प्रवक्ता भा.ज.पा. एवं उद्योग मंत्री बिहार की धर्म पत्नी कवियत्री श्रीमती रैनु शाहनवाज हुसैन, फातिमा अवद खान, शफराज हुसैन, डॉ.विनोद सिंह प्राचार्य विश्व शांति निकेतन महाविद्यालय गोरखपुर, कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं उनके साथ आये ओम प्रकाश जी, रोहित चौधरी तथा विश्वविद्यालय का समस्त स्टॉफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम कोविड-१९ के प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुये किया गया।

विश्वविद्यालय की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुये श्री गिरीश त्रिपाठी ने तीन वर्ष की उपलब्धियां बताते हुये कहा कि यह विश्वविद्यालय अत्याधुनिक तकनीकि के साथ शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को समय-समय पर कराता रहता है।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एवं वक्ता कवियत्री श्रीमति रैनू हुसैन ने विश्वविद्यालय का भ्रमण कर कहा कि ग्रामीण स्तर पर विश्वविद्यालय स्थापित करना राष्ट्रीय विकास की मानसिकता का परिचायक है। विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम एवं पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने न केवल अपने पिता स्व. श्री बलवीर सिंह गौतम का सपना साकार किया अपितु विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले हजारों छात्रों और उनके अविभावकों के सपनों को भी साकार किया है। उनको करोड़ों लोग दुआयें देगें जिससे गौतम बंधु उत्तरोत्तर प्रगति करते रहेंगे। उन्होंने खजुराहो के इतिहास हेमवती एवं चंदेल राजाओं के बारे में भी प्रकाश डाला। उन्होंने अपनी कविता के माध्यम से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आपने अपनी स्वरचित काव्य संग्रह गुण्टी, घर की औरतें और चांद जैसे, पानी प्यार जैसी समस्त किताबों को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम को भेंट किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अतिथियों को आगामी रूपरेखा के बारे में बताते हुये कहा कि विश्वविद्यालय से ग्रामीण स्तर के विद्यार्थियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जायेगा जो राष्ट्र निर्माण के लिये मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में अतिथियों द्वारा पीपल, बरगद, आम जैसे उपयोगी पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

अतिथियों को शॉल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने आभार व्यक्त किया। संचालन उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया।

4.5 फिटनेस की डोज आधा घंटे रोज

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ पर आजादी के अमृत महोत्सव, फिट इंडिया फ्रीडम इंडिया रन – 2 में फिटनस की डोज आधा घंटा रोज के अंतर्गत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा कोविड नियमों को ध्यान में रखते हुये कैम्पस में दौड़ का आयोजन किया गया जिसमें विश्वविद्यालय माननीय कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया एवं खुद भी दौड़े इस अवसर पर उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, शोध निदेशक डॉ. दीपा सिंह एवं समस्त स्टॉफ शामिल रहा।

डॉ. अनिल कुमार धगट माननीय कुलपति ने सभी को संबोधित करते हुये कहा कि हमें अपने राष्ट्र को स्वस्थ्य रखने के लिये जरूरी है कि प्रात: काल ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सुबह की सैर करें। इससे हमारे समाज में अच्छा संदेश जायेगा और युवाओं को प्रेरणा भी मिलेगी।

श्री गिरीश त्रिपाठी माननीय उपकुलपति ने कहा कि स्वास्थ्य ही समृद्ध भारत का निर्माण कर सकता है श्री विजय सिंह कुलसचिव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि म.प्र. शासन एवं केंद्र सरकार के कार्यक्रम विश्वविद्यालय में आयोजित करना हमारी प्राथमिकता में शामिल है।

डॉ. अश्वनी कुमार दुबे कार्यक्रम प्रभारी ने बताया कि स्वतंत्रता की ७५ वीं वर्षगांठ के अवसर पर वर्ष भर विश्वविद्यालय में कार्यक्रम समय समय पर आयोजित होते रहेंगे जो कोविड- 19 के नियमों को ध्यान में रखते हुये होंगे।

4.6 ऐसा काम करें कि आपके काम से आपको दुनिया पहिचाने

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में स्वतंत्रता दिवस की ७५ वीं वर्षगांठ पर ध्वजारोहण विश्वविद्यालय संरक्षक श्रीमती कुंती सिंह गौतम द्वारा किया गया इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल घगट, कुलससिचव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत सहित शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक कर्मचारी उपस्थित रहे। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, म.प्र.गान एवं कुलगीत के बाद श्रीमती कुंती सिंह गौतम ने सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनायें प्रेषित की एवं अपने अपने कर्तव्यों के निर्वाह से अवगत कराया।

डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने संदेश में कहा कि यह स्वतंत्रता दिवस आज पूरा भारतदेश आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है हमें उन महापुरूषों को भी याद करना चाहिये जो इतिहास के पन्नों में दबे है हमें आजादी बहुत ही मुश्किलों से मिली है हमारे क्रांतिकारियों को कमरे या जेल में बंद करने के बाद भी उन्हें यातनायें देते थे हमें गर्व है कि हम भारतीय है हमें अपने भारतीय होने का अनुभव करना होगा। विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र- छात्रायें नवाचार करें हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों को सादर श्रद्धांजली अर्पित करते है जिनकी वजह से आज हम स्वतंत्र भारत में जन्म ले सके है। चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि कोरोना काल में आज जिस भव्यता के साथ यह पर्व मनाया जाना चाहिये हम नहीं मना पा रहे है। हमें वर्तमान में कोरोना से भी आजादी प्राप्त करना है। हम सभी को भारत सरकार एवं म.प्र. शासन के कोविड नियमों का पालन करना चाहिये। कोविड की तीसरी लहर और भी भयावह हो सकती है इसलिय हमें सतर्क रहने की आवश्यकता है। मास्क लगाना, सामाजिक दूरी बनाना, हाथ सेनीटाइज करने की आज भी आवश्यकता है। स्वतंत्र होने के साथ हमें स्वच्छ भारत की परिकल्पना को साकार करना है। देश की संपत्ति को संरक्षित करें। इस अवसर पर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने एक मंत्र दिया कि अगर अपना परिचय हमें खुद देना पड़े तो समझिऐ कि सफलता अभी थोड़ी सी दूर है थोड़ी और मेहनत करनी है अभी और आगे चलना है कदम लड़खड़ायेंगे, गिरने का डर लगेगा पर रूकना नहीं है क्योंकि अपना परिचय खुद नहीं देना है काम ऐसा करना है कि आपके काम से आपको दुनिया पहचाने। अपने कार्यो से अपनी पहचान बनानी चाहिये। कुलपति डॉ. अनिल धगट ने संदेश में कहा कि स्वतंत्र भारत में महिलाओं को महत्वपूर्ण स्थान मिला है। अंतरिक्ष से लेकर शिक्षा तक महिलायें अग्रणी है। आज हमें आवश्यकता है कि विश्वविद्यालय में जो शिक्षा के वहुआयामी दृष्टिकोण अपनाये जा रहे है और नई शिक्षा नीति के माध्यम से अपने युवाओं को कौशल प्रदान कर रहे है ये ऐसे कदम है जहां जाकर हम आगे कह सकेंगे कि हमारा भारत आत्म निर्भर बनेगा। शैक्षणिक कार्य एवं शोध के माध्यम से हम यह कार्य कर सकेंगे। आपने सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित की।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं उत्कृष्ट विद्यार्थियों के अतिथियों के द्वारा सम्मानित किया गया। कु. अनन्या राजा, कु. कीर्ति राजा, कु. सेजल निगम, कु. अंजली गुप्ता, कु. अंशुल परमार के द्वारा गाया गया गीत हम भारतीय है ने सभी को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। प्रबंधन विभाग की छात्राओं रोनक सक्सेना, सम्कित जैन एवं सचि जैन को उनके इर्ण्टशिप में सराहनीय कार्य हेतु सम्मानित किया गया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित हुये कार्यक्रमों में जिन छात्र छात्राओं ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया है उनके उनको शैक्षणिक कार्यक्रम प्रभारियों के साथ अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम उपरांत सभी को मिष्ठान वितरण किया गया।

आभार एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया।

4.7 विधिक सहायता शिविर एवं वृक्षारोपण का भव्य आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए ग्राम छिरावल में विधिक सहायता शिविर एवं वृक्षारोपण का भव्य आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि राकेश दीक्षित अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ, कार्यक्रम अध्यक्ष विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि ऋषि विलथरे शासकीय अधिवक्ता, मानवेंद्र सिंह परिहार, देवेंद्र सिंह परिहार, प्रकाश बाबू पाण्डेय, अनिल द्विवेदी, तथा विश्वविद्यालय की डॉ. सुप्रिया गौतम, डॉ. निहारिका तिवारी ग्राम छिरावल के गणमान्य नागरिक चंद्रभान सिंह चंदेल, अवधेश प्रताप सिंह, अजय सिंह विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्राध्यापक विवेक प्रताप सिंह, माधव पाठक, राजेंद्र नामदेव एवं ग्राम के वरिष्ठ नागरिक तथा छात्र छात्रायें उपस्थित रहे। विधिक सहायता शिविर का विधिवत उद्घाटन अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर किया गया।

मुख्य अतिथि जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश दीक्षित ने कहा कि हम समस्त ग्राम वासियों को न्याय दिलाने का प्रयास करेंगे। गांव के प्रत्येक नागरिक को कानून के संबंध में जानकारी होना आवश्यक है। विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में समस्त ग्राम वासिंयों को शुभकामनायें प्रेषित करते हुये बताया कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों में गरीबी रेखा से नीचे आने वाले छात्र छात्राओं को शुल्क में छूट दी जायेगी साथ ही कोरोना काल में जिन बच्चों के माता और पिता दोनों नहीं रहे उनकों नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जायेगी। ग्राम का सर्वांगीण विकास करना हमारा कर्तव्य है। पर्यावरण को खुशहाल बनाने के लिये आपने वृक्षों के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि ऋषि विलथरे ने बताया कि विधिक सहायता के माध्यम से गांव के लोगों को आने वाली कानूनी अड़चनों तथा समस्याओं का निराकरण किया जाता है।

इस अवसर पर शासकीय माध्यमिक शाला के कैम्पस में सभी अतिथियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विधिक सहायता केंद्र की जानकारी विस्तार से श्री माधव पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार के विवाद एवं समस्याओं पर आप विश्वविद्यालय के विधिक केंद्र में आकर संपर्क कर सकते हैं। इस केंद्र द्वारा जिले के वरिष्ठ अधिवक्तओं द्वारा समन्वय स्थापित कर समस्याओं का निराकरण किया जायेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा एक मो. न. 6262618023 जारी किया गया है, जिस पर भी ग्रामवासी संपर्क स्थापित कर सकते है। अतिथियों के द्वारा कक्षा ८वीं उत्कृष्ट छात्र दीपेंद्र यादव एवं छात्रा कु. ज्योति अहिरवार को वृक्ष प्रदान कर सम्मानित किया गया। आभार श्री विवेक प्रताप सिंह विभागाध्यक्ष ने तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया।

www.skuindia.ac.in

4.8 राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर वेबीनार आयोजित

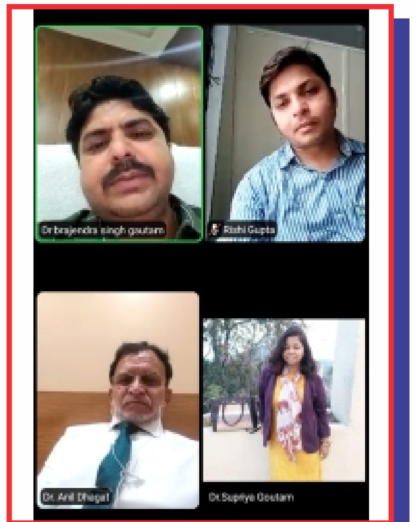

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल एवं प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में वेबीनार का आयोजन उच्च शिक्षा को बदलना विषय पर आयोजित की गयी जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. एच.के.सिंह प्राध्यापक वाणिज्य विभाग बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, मुख्य अतिथि डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार घगट, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे सहित विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टॉफ एवं छात्र छात्रायें ऑनलाइन शामिल रहे। मुख्य वक्ता डॉ. एच.के.सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का कैसे क्रियान्वयन हो पर विस्तार से जानकारी दी। डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने आर्शीवचन में आयोजकों और प्रतिभागियों इस आशय से बधाईयां दी कि वे आगामी समय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन सुचारू रूप से अपने विश्वविद्यालय में कर सकेंगे। डॉ. अनिल कुमार धगट ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली भी समृद्ध रही है जिसमें शैक्षणिक एवं आध्यात्मिक विषयों का समावेश था। वर्तमान समय को ध्यान में रखते हुये शिक्षा प्रणाली में वदलाव करना शासन ने आवश्यक समझा जिसमें युवाओं को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़कर उनके अंदर कौशल विकसित कर आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर करना है। डॉ. सुप्रिया गौतम ने विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। श्री ऋषिकांत गुप्ता ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं जैसे पाठ्यक्रम, विकल्प आधारित शिक्षा प्रणाली पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया।

4.9 ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन सिनेरियो पर वेबीनार आयोजित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय 25 अगस्त 2021 को वेबीनार का आयोजन हुआ जिसके थीम है ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन सिनेरियो जिसके अंतर्गत एजेंडा निम्नलिखित है हॉलिस्टिक अप्रोच ऑफ एजुकेशन ब्रांडेड मोड ऑफ लर्निंग एंड टीचिंग मल्टी डिसीप्लिनरी एजुकेशन इस कार्यक्रम में गेस्ट स्पीकर प्रोफेसर एसके सिंह डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी वाराणसी से थे कार्यक्रम में हायर एजुकेशन के मुख्य बिंदुओं को बताया गया प्रोफेसर सिंह के द्वारा साथ ही साथ विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन एजुकेशन के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया इस कार्यक्रम के कन्वीनर डॉ अश्विनी दुबे डिपार्टमेंट ऑफ जूलॉजी श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी एवं सेक्रेटरी डॉक्टर सुप्रिया गौतम असिस्टेंट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी के द्वारा हुआ कार्यक्रम के अंत में अनेबल चांसलर डॉ बृजेंद्र सिंह गौतम के द्वारा हायर एजुकेशन का भविष्य में होने वाले ट्रांसफॉर्मेशन पर प्रकाश डाला गया जिसमें डिजिटल इंडिया एवं उसके उपयोग का महत्व बताया गया कार्यक्रम के समापन के दौरान छात्र छात्राओं को मल्टीडिसीप्लिनरी एजुकेशन एवं आगे चलकर जॉब ओरिएंटेड एजुकेशन को भी बताया गया कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सुप्रिया गौतम के द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं एवं विश्वविद्यालय के सम्मानीय शिक्षक गण भी मौजूद थे।

4.10 लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित बुंदेला का एन.सी.सी. पर व्याख्यान

नेशनल कैडेट कोर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के तत्वाधान में आज अतिथि व्याख्यान का आयोजन कोविड-१९ के नियमों का पालन करते हुये सभागार में किया गया। माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष कार्यक्रम के मुख्य वक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल श्री रोहित बुंदेला, विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि मानवेंद्र सिंह, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजा अर्चना कर व्याख्यान का शुभारंभ किया।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत किया। आपने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को नेशनल कैडेट कोर एवं देशभक्ति से संबंधित शिक्षा को ग्रहण करने का संदेश दिया एवं कहा कि देश सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता हमें देश सेवा के लिये सदैव तत्पर रहना चाहिये। सैनिकों के लिये यह कार्य नहीं बल्कि सेवा है हमारी भारतीय संस्कृति में कहा भी गया है कि माता और मातृभूमि स्वर्ग से बढ़कर होती है अत: हमारी मातृभूमि की रक्षा कर रहे सैनिकों के प्रति सम्मान का भाव होना चाहिये।

लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित बुंदेला जिनकी पहली सेवायें सूरतगढ़ राजस्थान में हुयी। चीफ ऑफ दी आर्मी स्टॉफ ए.डी.सी., युनाइटेट नेशन मिशन में डिप्लॉमेंट के रूप में सेवायें दी तथा चीफ ऑपरेशनल ऑफीसर के साथ आपके पास दो आर्मी कमाण्डर का रिकम्डेशन है। आपने आर्मी की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला और पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि आर्मी में शामिल होने के लिये विद्यार्थी अपने स्थानीय स्कूल जैसे सैनिक स्कूल, केंद्रीय विद्यालय एवं अन्य विद्यालयों में अध्यापन के साथ खेल में भाग लेकर पहुँच सकते हैं। यहाँ नेशनल कैडेट कोर का महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेल में जीत का एहसास आर्मी के नजदीक होता है। आर्मी में सर्वांगीण विकास का वातावरण होता है जहाँ संगीत एवं कला भी सीखते हैं। हमें अपने क्षेत्र में आर्मी सेवा के संबंध में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। साथ ही आपस में चर्चा कर इस विषय को आगे बढाया जा सकता है। अधिकतम चयन अपने क्षेत्र से होने चाहिये जिससे देश भक्ति का माहौल बन सके। क्षेत्रीय स्तर पर आर्मी ट्रेनिंग एवं कोचिंग संस्थाओं को भी विकसित होना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों को इस सेवा में पहुँचने का मार्ग प्रशस्त हो सके। आर्मी जॉब नहीं है बल्कि यह देश सेवा है जो अन्य पदों से हमें विशिष्ट बनाती है। आर्मी में जाने के लिये लेफ्टिनेंट कर्नल ने विस्तार से ऑनलाइन ऐप्लीकेशन पर चर्चा की। यह भी बताया की नैशनल डिफेंस एकेडमी (एन.डी.ए.) में महिलाओं के चयन का रास्ता भी अब खुल गया है। भारतीय रक्षा बलों में शामिल होने के लिये एन.डी.ए. परीक्षा प्रमुख है यह सेवा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाती है जो छात्रों के लिये भारतीय सेना, वायु सेना और नौ सेना में शामिल होने का प्रवेश द्वार है। यहाँ के छात्र छात्रायें एन.डी.ए्. भारतीय सेना एवं भारतीय नेवी में अपना कैरियर बना सकते हैं। इसके लिये एकाग्रचित्त एवं लक्ष्य को निर्धारित कर, कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने आर्मी सेवा के अनुभव को साझा करते हुये कहा कि मैं जहाँ हूँ, अपने आप को गौरन्वित महसूस कर रहा हूँ। जो हमारे परिवार के लिये भी गौरव की बात है।

विश्वविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, मानवेंद्र सिंह जी एवं विजय सिंह ने लेफ्टिनेंट कर्नल रोहित बुंदेला को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। आभार कुलसचिव विजय सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उप कुलसचिव ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर सीनियर डिवीजन एवं सीनियर विंग 25 म.प्र. बटालियन के कैडेट, आर्मी ऑफीसर शिवेंद्र प्रताप सिंह, कु. आकांक्षा मिश्रा, एन.सी.सी. ट्रेनर गौरव शर्मा, कु. निशा बुंदेला तथा विश्वविद्यालयीन शैक्षणिक स्टॉफ उपस्थित रहा।

www.skuindia.ac.in

4.11 ग्रीन कॉरीडोर में औषधीय पौधों का अवलोकन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों द्वारा ग्रीन कॉरीडोर में लगे "औषधीय पौधों का अवलोकन किया गया जिसमें सभी पौधे स्वस्थ्य पाये गये एवं इनके महत्व को संकाय के प्राध्यापकों ने आपस में साझा किया।

संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, ने हरश्रृंगार के पौधे के औषधीय तत्वों के बारे में प्रकाश डाला। डॉ. सिंह ने बताया कि यह एक पुष्प देने वाला पौधा है। जिसमें अनेक औषधीय गुण मौजूद होते है। इसे प्राजक्ता के नाम से नाम से भी जाना जाता है एवं भारत की पौराणिक और लोक कथाओं में हरश्रृंगार का पेड़ रहस्यमयी महत्व रखता है। डॉ. सिंह ने बताया कि परिजात का पेड़ केवल रात में खिलता है और सुबह होते ही इसके सारे फूल झड़ जाते है। इस वजह से परिजात को रात की रानी भी कहा जाता है। उन्होने बताया कि इसके वानस्पतिक नाम का अर्थ दुख का वृक्ष है। हरश्रृंगार की कठोर छाल होती है जो परतदार और दिखने में भूरें रंग की होती है । हरसिंगार के पत्ते और छाल का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। साइटिका रोग, बुखार, खांसी एवं कब्ज आदि जैसी बीमारियों के इलाज में हरश्रृंगार को सबसे अधिक उपयोगी माना जाता है। पत्तियों से तैयार पेस्ट बुखार, हाईब्लड प्रेशर और डायबिटीज में उपयोगी है। डॉ. सिंह ने सर्पगन्धा के बारे में यह जानकरी दी। उन्होने बताया कि यह कफ और गठिया वात को शान्त करता है। पित्त को बढ़ाता है और भोजन में रुचि पैदा करता है। सर्पगंधा घाव को भरता है और पेट के कीड़े को नष्ट करता है। यह अनेक प्रकार चूहे, साँप, छिपकली आदि पशुओं के विष जाने वाले जहर का एक प्रकार जो धीरे-धीरे असर करता है और उसको खत्म करता है। वात के कारण होने वाले रोग दर्द बुखार आदि को समाप्त करता है। इसकी जड़ अत्यंत तीखी तथा कड़वी हल्की होती है जिसका चूर्ण बनाकर खाने के लिए उपयोग किया जाता है।

संकाय के शिवराज सिंह, सहायक प्राध्यापक ने आंवला एवं नीम के औषधीय गुणों से रूवरू कराया। श्री सिंह ने बताया कि आंवला का फल बीज फूल पत्ते छाल और जड़ें औषधीय रूप से उपयोगी होते है। इसके फल में विटामिन सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। जिसके सेवन से मूत्र संबंधी समस्याओं एनीमिया पीलिया और अपच में भी लाभकारी होता है। इसके फलों से तैयार किण्वित खमीर शराब का उपयोग पीलिया अपच और खांसी में किया जाता है। आंवले के बीजों का उपयोग आंखों की समस्या में किया जाता है एवं नाक से खून बहने को रोकने के लिए इसके बीजों को घी में तलकर पीसने के बाद माथे पर लेप के रूप लगाया जाता है। लू से बचाओ के लिए इसके फलों और पत्तों को कुचल कर बनाया गया पेस्ट पाँच दिनों के लिए दिन में तीन बार दिया जाता है। रतौंधी को ठीक करने के लिए दालों के साथ उबालकर प्रतिदिन दो महीने तक भोजन के रूप में लिया जाता है। ल्यूकोरिया को ठीक करने के लिए इसके सूखे बीजों को कुचलकर बनाया गया चूर्ण सप्ताह में दो बार लिया जाता है। सूखी त्वचा पर लोशन के रूप में आंवला मुंगफली नींबू का रस और गुलाब की पंखुड़ियों से बना पेस्ट लगाया जाता है।

संकाय के शिवम नायक, सहायक प्राध्यापक ने तुलसी के औषधीय प्रयोग में बारे में बताया। श्री नायक ने बताया कि तुलसी सिर दर्द से आराम दिलाती है अगर आप भी अक्सर सिर दर्द की समस्या से परेशान रहते हैं तो तुलसी के तेल की एक दो बूंदे नाक में डालें। इस तेल को नाक में डालने से पुराने सिर दर्द और सिर से जुड़े अन्य रोगों में आराम मिलता है। इसके अलावा तुलसी रतौंधी में लाभकारी है तुलसी का रस, साइनसाइटिस या पीनसरोग में लाभदायक, कान के दर्द और सूजन में लाभदायक, दांत दर्द से आराम, गले से जुड़ी समस्याओं में फायदेमंद होता है। तुलसी के पत्ते के फायदे बुखार दिल से जुड़ी बीमारियां पेट दर्द मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण आदि में बहुत फायदेमंद हैं। तुलसी पीलिया में लाभदायक होती है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मददगार के नियमित सेवन से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है जिससे सर्दी जुकाम और अन्य संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। २० ग्राम तुलसी बीज चूर्ण में ४० ग्राम मिश्री मिलाकर पीस कर रख लें। सर्दियों में इस मिश्रण की १ ग्राम मात्रा का कुछ दिन सेवन करने से शारीरिक कमजोरी दूर होती है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और वात एवं कफ से जुड़े रोगों से मुक्ति मिलती है। संकाय के अंशुल प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक नीम के औषधीय गुणों के बारे में प्रकाश डाला। श्री सिंह ने बताया कि नीम के पत्ते कीटनाशक होते हैं इसलिए इनका उपयोग अनाज में या कपड़ों के बीच भी रखते सकते हैं। नीम के पत्ते से डेंगू मलेरिया से बचाव उसके तेल का दिया जलाने से मच्छर भाग जाते हैं और डेंगू मलेरिया से बचाव में मदद मिलती है। इसके पत्तों के साथ बेर के पत्तों को पानी में उबालें और फिर ठंडा कर इससे बाल धुलने से बालों का गिरना बंद हो जाता है। इससे बाल काले और मजबूत भी हो जाते हैं। फोड़ा फुंसी में भी लाभकारी होता है। इसके तेल में थोड़ी मात्रा में कपूर मिलाकर फोड़ा फुंसी में इस्तेमाल करने से राहत मिलती है।

इसके सामान्य औषधीय उपयोग भी कुछ इस प्रकार है – नीम की २० पत्तियों एक कप पानी में मिलाकर पीने से हैजा ठीक होता है। नीम की छाल जलाकर जो भस्म निकले उसे तुलसी के रस के साथ लगाने से त्वजा के दाग व चर्म रोग ठीक होते हैं। नीम के काढ़े में धनिया और सौंठ का चूर्ण मिलाकर पीने से मलेरिया ज्वर में जल्दी लाभ होता है। नीम की पत्तियां चबाने से रक्त साफ होता है और त्वचा चमकदार होती है। नीम पाउडर में दो गुना मात्रा में सेंधा नमक मिलाकर मंजन करने से पायरिया में लाभ होता है और मुंह की दुर्गंध ठीक होती है।

4.12 केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार को किया सम्मानित

डॉ. वीरेंद्र कुमार सामाजिक न्याय और अधिकारिता केंद्रीय मंत्री एवं टीकमगढ़ लोकसभा सांसद का महाराजा छत्रसाल की नगरी छतरपुर की जन आर्शीवाद यात्रा के दौरान श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलसचिव विजय सिंह ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर विश्वविद्यालय में सम्मानित किया।

4.13 डॉ. जे.पी.मिश्रा को म.छ.बु.विश्वविद्यालय के कुलसचिव बनने पर बधाई

म.प्र. शासन ने म.छ.बु.वि. में डॉ. जे.पी.मिश्रा प्रोफेसर शासकीय महाराजा महाविद्यालय छतरपुर को महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय का कुलसचिव नियुक्त किया है उनकी इस नियुक्ति पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से कुलसचिव श्री विजय सिंह ने महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलसचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया एवं विश्वविद्यालय परिवार ने बधाईयां प्रेषित की।

4.14 ग्राम गोद चौका में वैक्सीनेशन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर एवं स्व. बलवीर सिंह गौतम शिक्षा प्रसार एवं जन कल्याण समिति के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय ग्राम गोद चौका में वेक्सीनेशन हेतु जागरूकता अभियान चलाया गया एवं स्वास्थ्य विभाग जिला छतरपुर की टीम द्वारा किये जा रहे वैक्सीनेशन अभियान में सक्रिय सहयोग किया। वैक्सीनेशन के दौरान राष्ट्रीय कैडेट कोर के विद्यार्थियों एवं समिति के सदस्यों ने गांव में घर- घर जाकर वैक्सीन के फायदे, कोरोना वायरस तथा कोविड-१९ बीमारी के बारे में बताया। साथ ही समूचे गांव में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया जिससे गांव में अच्छा खासा उत्साह देखा गया। कोविड-19 की पहली और दूसरी लहर ने समाज को झकझोर कर रख दिया। कई परिवार ने अपने सदस्यों को खोया। एन.सी.कैडेट ने गांव के लोगों को बताया कि स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा कोविड की तीसरी लहर आने की संभावना है। इससे पहले हम सभी को स्वास्थ्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी निर्देश मास्क लगाना, दो गज की दूरी रखना एवं सेनेटाइजर का उपयोग अपनी सुरक्षा के लिये करते रहना है। कोविड का संकट अभी टला नहीं है इसलिये हमें इसके नये वेरिएन्ट जिसका सबसे ज्यादा संक्रमण बच्चों पर बताया जा रहा है कोविड के प्रति सजक रहने की आवश्यकता है। कोविड एक संक्रामक बीमारी है जो एक दूसरे के छूने से भी फैलती है। तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुये हमें अपने बच्चों को सुरक्षित रखने के लिये स्थानीय सरकार द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना जरूरी है एवं गांव में साफ सफाई रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

वैक्सीनेशन में सरपंच श्रीमती सुषमा सुरेंद्र सिंह परिहार, सचिव छेदी लाल अहिरवार, रोजगार सहायक मलखान सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा सिंह, सहायिका मुलिया यादव, आशा कार्यकर्ता संगीता सिंह ए.एन.एम. मुन्नी अहिरवार, एम.पी.डब्ल्यू अखलेश खरे एवं एन.सी.सी. ट्रेनर गौरव शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर ग्राम सचिव छेदी लाल अहिरवार ने विश्वविद्यालय के कैडेट तथा समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया एवं बताया कि इस गांव में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा हमें म.प्र. शासन एवं राज्य सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु सक्रिय सहयोग मिलता रहता है तथा अभी तक ८१ प्रतिशत वैक्सीनेशन हो चुका है।

www.skuindia.ac.in

4.15 फिट इंडिया फ्रीडम रन २.0 का आयोजन

माननीय केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 की शुरुआत की। श्री ठाकुर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसके उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि देशभर से युवा एक ही संकल्प लेकर जुड़े हैं कि फिट रहना है और फिट रखना है। तन, मन को स्वस्थ रखकर ही हम मजबूत देश का निर्माण कर सकते हैं। आजादी की 75वीं वर्षगांठ से जब 100वीं वर्षगांठ की तरफ चलेंगे तो हम सब पर निर्भर है कि 25 वर्षों में देश को किस दिशा में लेकर जाना है।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव का जश्न मनाने के लिए, हमने देश भर में फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 लांच किया है। इसे आज 75 प्रतिष्ठित स्थानों पर लांच किया गया है। यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा। इसमें देश के प्रत्येक जिले के 75 गांव हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में 2 अक्टूबर तक प्रत्येक जिले और प्रत्येक गांव के लोग इस आंदोलन में भाग लेंगे। पिछली बार 5 करोड़ लोग हमसे जुड़े थे और इस बार 7.5 करोड़ लोग सीधे हमसे जुड़ेंगे। मुझे उम्मीद है कि जैसे-जैसे अभियान आगे बढ़ेगा यह संख्या बढ़ती जाएगी।

फिट इंडिया फ्रीडम रन 2.0 के शुभारंभ पर केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि जब हम अपनी आजादी के 75वें से 100वें वर्ष की ओर बढ़ते हैं तो यह हम सभी पर निर्भर करता है कि हम उन 25 वर्षों में देश को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। यह तभी संभव है जब हम फिट रहें। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की एन.सी.सी. कंपनी के एस.डी.के २१ कैडेट तथा एस.डब्ल्यू के १२ कैडेट ने पं. बाबूराम चतुर्वेदी स्टेडियम पहुंची।

जहाँ जिला कलेक्टर शीलेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में भव्य आयोजन किया गया इसमें विश्वविद्यालय की एन.सी.सी. कैडेट ने हिस्सा लिया तथा स्टेडियम से छत्रसाल चौराहा होते हुये बस स्टेण्ड से पुन: स्टेडियम तक दौड़ में भाग लिया उसके बाद पुरूस्कार वितरण किया गया। इस अवसर पर एस.डी. के अंडर ऑफीसर आदित्य सिंह परिहार ने गार्ड ऑफ ऑनर में भाग लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, एस.डी. के एन.सी.सी. ऑफीसर शिवेंद्र सिंह परमार, एस.डब्ल्यू की एन.सी.सी. ऑफीसर कु. आकांक्षा मिश्रा, ट्रेनर गौरव शर्मा शहर के विभिन्न महाविद्यालयों, स्कूलों के शिक्षक छात्र छात्रायें एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

4.16 शिक्षा और शिक्षक राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में संभागीय संगठन मंत्री भारतीय जनता पार्टी सागर संभाग माननीय केशव सिंह भदौरिया ने भ्रमण किया जहाँ उनका स्वागत कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम और चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने किया। विश्वविद्यालय पहुंचे संगठन मंत्री को शैक्षणिक गतिविधियों और चलाये जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों की जानकारी दी गयी। वहीं उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर और इसके अकादमिक विभागों का भी भ्रमण किया जहाँ उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर और विश्वविद्यालय में चल रहीं विभिन्न अकादमिक गतिविधियों की सराहना की।

विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित स्वागत समारोह में संभागीय संगठन मंत्री केशव सिंह भदौरिया, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व संगठन मंत्री बृजेश चौरसिया, अरविंद तिवारी, विनय पटैरिया भागीरथ पटेल, अरविंद त्रिपाठी, मणिकांत चौरसिया, मानवेंद्र सिंह मंचासीन रहे। अतिथि देवो भव: की परंपरा का निर्वाह करते हुये सभी अतिथियों का पुष्प माला और पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जिसमें सभी सम्मानीय अतिथियों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश कुलसचिव श्री विजय सिंह ने डाला। संभागीय संगठन मंत्री ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा और शिक्षक इस राष्ट्र के निर्माण में अहम भूमिका निभा रहे हैं। शिक्षा ही एकमात्र माध्यम है जो व्यक्ति को संस्कारित बनाती है इस दौरान उन्होंने नई शिक्षा नीति के तहत उपेक्षित स्थानीय इतिहास और गौरवशाली परंपरा को क्रम में शामिल करने की बात कही। विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि भारत सरकार एवं मध्य प्रदेश शासन द्वारा नई शिक्षा नीति लागू करने की मंशा के अनुरूप हम इसी सत्र से इसे लागू करने का प्रयास कर रहे हैं इस हेतु हमारे प्राध्यापकों द्वारा पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है।

विश्वविद्यालय परिवार की ओर से संगठन मंत्री केशव सिंह भदौरिया एवं सभी मंचासीन अतिथियों का सम्मान शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम एवं डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने किया।

इस अवसर पर विक्की सिंह, अशोक दुबे, बॉबीराजा, अशोक रैकवार तथा विश्वविद्यालय के प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। आभार उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने व्यक्त किया एवं कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने व्यक्त किया।

4.17 कैरियर काउंसिल कार्यक्रम का आयोजन

छात्रों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा के मार्गदर्शन हेतु श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा कैरियर काउंसिल कार्यक्रम का आयोजन हायर सेकेंडरी स्कूल अतरार , छतरपुर (म०प्र०) में किया गया। जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग से श्री सचिन व्यास, रसायन विज्ञान विभाग से श्री शिवेन्द्र सिंह परमार तथा अभियांत्रिकी विभाग से श्री आदित्य लखेरा ने छात्रों को उनके कैरियर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी शिवेंद्र सिंह परमार ने फार्मेसी, विधि, कृषि, विज्ञान, पैरामेडीकल, नर्सिंग के क्षेत्र में कैरियर कैसे बनायें इसकी विस्तृत जानकारी दी। सचिन व्यास ने शिक्षा शास्त्र विषय की उपयोगिता का वर्णन किया। आदित्य लखेरा ने वर्तमान परिपेक्ष में अभियांत्रिकी की भूमिका को स्पष्ट किया। छात्रों द्वारा विभिन्न प्रकार के प्रश्न किये गये जैसे सेना में कैरियर कैसे बनायें, डॉक्टर कैसे बने इन प्रश्नों के उत्तर में शिवेंद्र सिंह परमार ने बताया कि सेना में स्थायी कमीशन के लिये एन.डी.ए., एस.एस.बी. और सी.डी.एस. जैसी परीक्षायें होती है एवं डॉक्टर बनने के लिये नीट की परीक्षा एन.टी.ए. द्वारा आयोजित की जाती है जिससे अंको के आधार पर एम.बी.बी.एस., बी.ए.एम.एस., बी.एच.एम.एस., बी.डी.एस., यूनानी चिकित्सा और नैचुरोपैथी में प्रवेश दिया जाता है। छात्रों को विश्वविद्यालय में संचालित हो रहे सभी पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी। विद्यालय प्राचार्य श्री अय्यूब खान जी ने आभार व्यक्त किया।

4.18 अंग्रेजी भाषा और उसके भविष्य पर हुई ऑनलाइन चर्चा

सागर रोड स्थित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में अंग्रेजी भाषा के महत्त्व पर ऑनलाइन चर्चा का आयोजन किया गया। जिसमें भाषा को सीखने की चुनौतियों और इसकी संभावना पर प्रकाश डाला गया। ऑनलाइन हुई इस चर्चा में विषय विशेषज्ञ के रूप में अंग्रेजी विभाग की श्रीमती रेणु झा ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी एक अन्तर्राष्ट्रीय भाषा है, जो दुनिया भर में संचार के लिये आवश्यक बनती जा रही है। इसलिए हमें इसकी महत्वता को देखते हुए अपनी सम्प्रेषण की भाषा के तौर पर अपनाना चाहिए। इस भाषा को सीखने से ही हमें कई बड़े अवसर प्राप्त हो जाते हैं। जो न केवल व्यक्तिगत जीवन में वल्कि प्रोफेशनल लाइफ में भी हमें एक अलग पहचान और मुकाम देते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भाषा के बढ़ते प्रभाव से आज इसे सीखने की आवश्यकता है ताकि सफलता के कई द्वार खोले जा सके।

आपने बताया कि किसी का व्यक्तित्व उसकी भाषा और शब्द ज्ञान से ही निखरता है। जब तक उसे भाषा का सटीक इस्तेमाल करना और शब्दों का सही चयन करना नहीं आता तब तक वह अपने आप को पूर्ण तरीके से व्यक्त नहीं कर सकता। प्रभावी संचार के लिये पहली शर्त है भाषा का ज्ञान। इसके लिये विशाल शब्द भंडार के साथ सही अर्थ का बोध होना भी आवश्यक है। इस दौरान बच्चों ने अंग्रेजी शब्दावली का प्रयोग करना भी सीखा।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों समेत बड़ी संख्या में बच्चे भी शामिल हुए। ऑनलाइन चर्चा का संचालन और आभार अंग्रेजी प्राध्यापक वर्षा बुंदेला ने किया।

4.19 हिन्दी दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

हिन्दी दिवस के अवसर पर आज श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के हिन्दी विभाग द्वारा ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। छात्रा अंजना ने हिन्दी की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दी अब पारस्परिक रीति रिवाज से हटकर विज्ञान, तकनीकी, कम्प्यूटर आदि हर क्षेत्र में अपनी नई पहचान बना रही है। छात्रा अदिति चौरसिया ने अपनी कविता के माध्यम से हिन्दी की प्रासंगिकता को बताया। छात्रा कीर्ति राजा बुन्देला ने बताया कि हिन्दी साहित्य अत्यंत समृद्ध है जिसमें विभिन्न विधाएं है जिनके अध्ययन से हमें मनोरंजन के साथ साथ ज्ञानवर्धक संदेश भी मिलते है। छात्रा अनुष्का उपाध्याय ने कहा कि हिन्दी हमारी राजभाषा है, वह सम्पर्क भाषा है साथ ही साथ वह अधिक से अधिक लोगों द्वारा बोली जाती है इसलिए उसे विश्व भाषा भी कह सकते है।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि विश्विद्यालय के उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सभी को हिन्दी भाषा के प्रति अपनी भावना को सकारात्मक रखना होगा जिससे हम अपनी सभ्यता और संस्कृति को समझ पाएँगे। अपनी हिन्दी भाषा की सहजता और सरलता को समझने के लिए अपने धार्मिक ग्रंथ रामचरित मानस का अध्ययन करना चाहिए।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दी हिंदुस्तान को बांधती है अतः इसके प्रति अपना प्रेम और सम्मान प्रकट करना हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। आइये हम सभी संकल्प लें कि हिन्दी भाषा को एक मूल्य मानकर हिन्दी के उन्नयन के लिए समवेत आवश्यक प्रयत्न करेंगें। जब तक हमारे मन में राष्ट्र के प्रति निष्ठा और भक्ति नही होगी तब तक हम भाषा के प्रति निष्ठावान न बन सकेंगे इसलिए हम हिन्दीनिष्ठ होने का परिचय देना होगा और निष्पक्ष भाव से हिन्दी भाषा की सेवा करने के लिए तत्पर रहना होगा। हमें अपने व्यक्तित्व को हिन्दीमय बनाना होगा।

इतिहास विभाग की सहा. प्राध्यापक कु. अदिति बुन्देला ने कहा कि आज हिन्दी विश्व मंच पर प्रतिष्ठा प्राप्त कर चुकी है भौगोलिक दृष्टि से अधिक से अधिक लोगों द्वारा बोले जाने के दृष्टिकोण से विश्व में हिन्दी भाषा का दूसरा स्थान है।

प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के सदस्य गुंजन निगम सहा. प्राध्यापक, इतिहास विभाग, श्री दिलीप चौरसिया सहा. प्राध्यापक, पत्रकारिता विभाग और कु. वर्षा बुन्देला सहा. प्राध्यापक, अंग्रेजी विभाग की सर्वसम्मति से परिणाम घोषित किया गया। जिसमें प्रथम स्थान- कीर्ति राजा बुन्देला, द्वितीय स्थान- अदिति चौरसिया, संयुक्त रूप से तृतीय स्थान- अंजना पटेल एवं अनुष्का उपाध्याय ने प्राप्त किया।

कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार तिवारी एवं आभार समाजशास्त्र विभाग सहायक प्राध्यापक डॉ. नीना चौरसिया द्वारा व्यक्त किया गया।

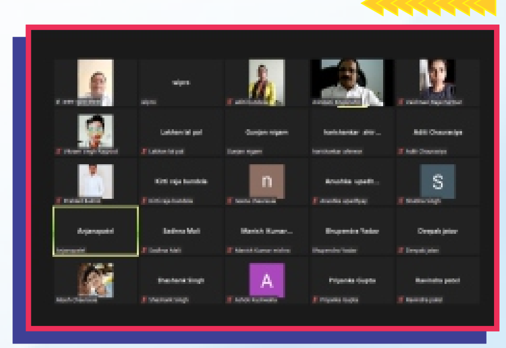

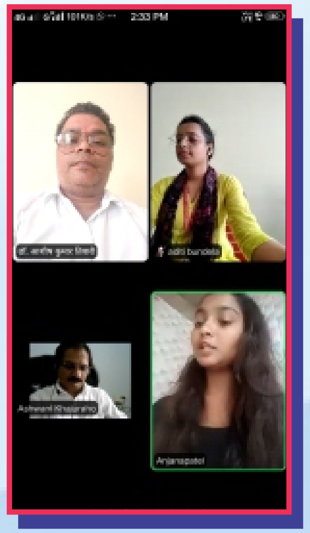

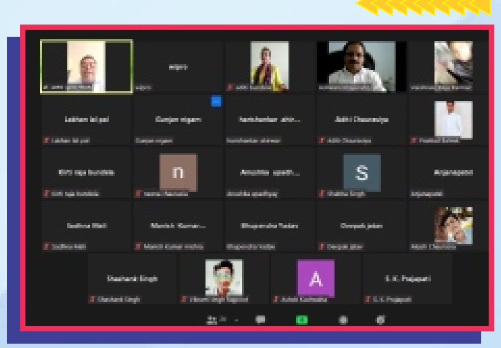

www.skuindia.ac.in

4.20 नई शिक्षा नीति में ग्रंथालय की भूमिका पर वेबीनार

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग द्वारा नई शिक्षा नीति में ग्रंथालय की भूमिका विषय पर वेबीनार का आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, कुलसचिव श्री विजय सिंह, वक्ता डॉ. विशाल चावला, बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी, डॉ. अमित कुमार पाल शिव नादर विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा उ.प्र., डॉ. हृदयकांत श्रीवास्तव, दयानंद वैदिक कॉलेज, उरई उ.प्र. उपस्थित रहे। वेबीनार के प्रारंभ में स्वागत भाषण सहायक ग्रंथपाल डॉ. तोरण साहू ने किया।

वेबीनार में कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुस्तकें ज्ञान का भण्डार होती है पुस्तकालय के अभाव में कोई भी शिक्षण संस्थान पूर्ण नहीं हो सकता अत: छात्र छात्राओं को पुस्तकालय में समय- समय पर जाकर अध्ययन करते रहना चाहिए।

कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने अपने उद्बोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत ग्रंथालय में परिवर्तन की आवश्यकता है ग्रंथालय का आधुनिकीकरण एवं डिजिटलाइजेशन होना बेहद जरूरी है। ग्रंथपाल को चाहिए कि वे अपने पुस्तकालय में समस्त विषयों की पुस्तकों का शीर्षक एवं लेखक के अनुसार सिंगल क्लिक व्यवस्था होना चाहिए। जिससे छात्र आसानी से अपनी संबंधित विषय की पुस्तकों को देख सकेंगे।

वेबीनार के वक्ता डॉ. विशाल चावला ने अपने उद्बोधन में कहा कि ग्रंथालय की प्रमुख भूमिका केवल ज्ञान वर्धन के लिये नहीं वल्कि शोध कार्य में भी महत्वपूर्ण होती है। वर्तमान समय में पुस्तकों के प्रति युवाओं का रूझान करने का हम सबकों प्रयत्न करना चाहिए। शोधपरक एवं गुणवत्ता पूर्ण पुस्तकों का संग्रह करना ग्रंथालय की मुख्य जिम्मेदारी होती है।

डॉ. अमित कुमार पाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पुस्तकालय एक ऐसा माध्यम है जहाँ ज्ञान की निर्मल धारा वहती है पुस्तकों के द्वारा हम किसी महापुरूष को जितना जान सकते है, उतना उनके मित्र एवं पुत्र के माध्यम से नहीं जान सकते। पुस्तकालय सामाजिक महत्वता का एक प्रमुख स्थान होता है अत: हमें पुस्तकालय में नियमों का अवश्य पालन करना चाहिए।

डॉ. हृदय कांत श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि जिज्ञासा मानव की सहज प्रवृत्ति है वह जिस जिज्ञासा को अधिकाधिक शांत करने का प्रयास करता है। बच्चे युवा बूढ़े सभी अपने ज्ञान में वृद्धि कर मानसिक सौदा को शांत करना चाहते हैं। आज के महंगाई के युग में हर कोई व्यक्ति इतना संपन्न तो नहीं होता हे कि वह सभी प्रकार की पुस्तकें खरीद कर उनका अध्ययन कर सकें। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक ग्रंथपाल रोहित कुशवाहा ने एवं आभार सहायक ग्रंथपाल कु. स्वाती अरजरिया ने व्यक्त किया।

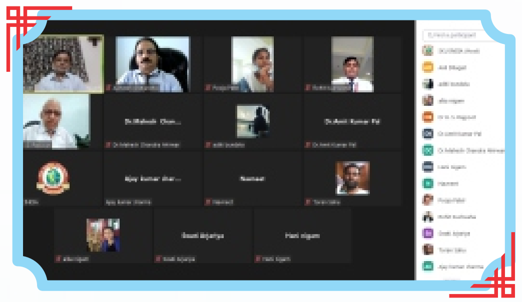

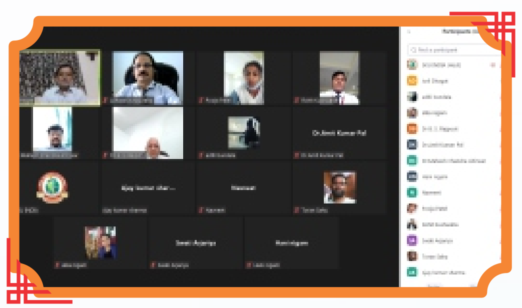

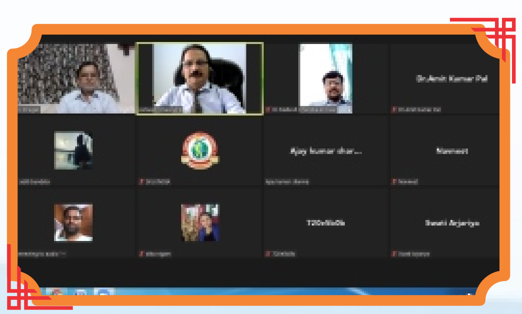

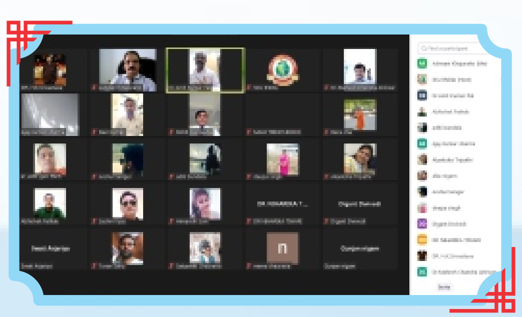

4.21 नेताजी सुभाषचंद्र बोस के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में समाज शास्त्र विभाग द्वारा पराक्रम दिवस के उपलक्ष्य में नेताजी सुभाषचंद्र बोस का व्यक्तित्व और कृतित्व पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें समाजशास्त्र, कृषि, इंजीनियरिंग, कॉमर्स, विज्ञान सहित अन्य विषयों के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगियों के द्वारा नेताजी सुभाषचंद्र बोस के व्यक्तित्व पर सारगर्भित तरीके से प्रकाश डाला गया। प्रतियोगिता सभागार में आयोजित की गई। निर्णायक मंडल में विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष एवं ह्यूमेनिटी संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. बी.एस. राजपूत कृषि संकाय के अध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह एवं प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुप्रिया गौतम रहीं, जिन्होंने भाषण के समय विषय-वस्तु समय सीमा तथा सभागार में उपस्थित सदस्यों पर पड़े प्रभाव के आधार पर प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय स्थान पर रहे छात्र-छात्राओं का मूल्यांकन किया। इसमें प्रथम स्थान कपिल द्विवेदी एम.टेक. द्वितीय स्थान पर अंशुल परमार बी.ए.बी.एड. तथा तृतीय स्थान पर अदिति चौरसिया बी.ए. तथा आदर्श तिवारी इंजीनियरिंग विभाग रहे। प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा डॉ. बी.एस. राजपूत ने करते हुये शुभकामनाऐं दी तथा बताया कि स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में पूरे वर्ष तक नेताजी की जीवनी एवं उनके योगदान पर विभिन्न विभागों के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। मैं छात्र-छात्राओं से अनुरोध करता हूं कि वे इस तरह के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता जरूर सुनिश्चित करें।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने स्थान प्राप्त प्रतिभागियों एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को शुभकामनायें प्रेषित की हैं।

कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र की सहायक प्राध्यापक डॉ. नीना चौरसिया तथा आभार श्री दिगंत द्विवेदी ने किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक एवं विभागों के छात्र एवं छात्राऐं उपस्थित रहे।

www.skuindia.ac.in

4.22 गणित विभाग द्वारा शोध परख वेबीनार का हुआ आयोजन

आज दिनांक २१ सितंबर को गणित विभाग द्वारा शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में वर्तमान प्रगति पर वेबीनार आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय महाराजा महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. ए.के.सक्सेना उपस्थित रहे। जिन्होंने शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में वर्तमान प्रगति का अर्थ समझाते हुए बताया कि शुद्ध गणित का उपयोग गणित से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिये किया जाता है। अनुप्रयुक्त गणित का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों को प्रकट करता है जो भौतिकी, जीव विज्ञान, अर्थशास्त्र आदि से संबंधित प्रश्नों के उत्तर के लिए किया जाता है। शुद्ध गणित को सीधे चुनौती देने वाली समस्याओं और प्रमेय बीज गणित, ज्यामिती संख्या सिद्धांत आदि क्षेत्रों को प्रकट करता है। गणित के बिना न तो भौतिकी न अभियांत्रिकी संभव है। अनुप्रयुक्त गणित के उपयोग में संख्यात्मक विश्लेषण सूचना, खेल सिद्धांत और सूचना सिद्धांत शामिल है। अनुप्रयुक्त गणित की गतिविधि शुद्ध गणित में अनुसंधान के साथ जुड़ी हुयी है और इसे हम गणित के सूत्रों के साथ वास्तविक जीवन में भी लागू कर सकते हैं। अनुप्रयुक्त गणित वास्तविक दुनिया में चीजों की भविष्य वाणी करने और समझाने की कोशिश करता है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने उद्घाटन सत्र में बताया कि गणित का वर्तमान समय में महत्वपूर्ण उपयोग है इस विषय में पढाई करने वाले छात्र – छात्रायें इंजीनियर, प्रोफेसर, व्याख्याता, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान इन सभी क्षेत्रों में आसीन हो सकते है तथा शीर्ष पदों पर नियुक्ति को प्राप्त कर सकते है।

वक्ता के रूप में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. धीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे। जिन्होंने शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित के अंतर को समझाया और दोनों की विशेषता को समझाते हुए बताया कि भविष्य में छात्र छात्राओं के लिए दोनों कैसे महत्वपूर्ण है। साथ ही में उन्होंने गणित विषय पर चर्चा की, गणित क्या है? कैसे हमारे लिए उपयोगी है? शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में मॉडलस को कैसे उपयोग कर सकते है? कार्यक्रम का संचालन करते हुए गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. रिजवान खान ने सर्वप्रथम विश्वविद्यालय के इतिहास और परिसर का परिचय दिया। साथ ही में गणित विभाग की उपयोगिता को बताया, शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित में हो रहे शोध पर चर्चा की। उपयुक्त वेबीनार में गणित विभाग के छात्र छात्रा और समस्त विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक व सहायक प्राध्यापक उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार गणित विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. निहारिका तिवारी द्वारा किया गया।

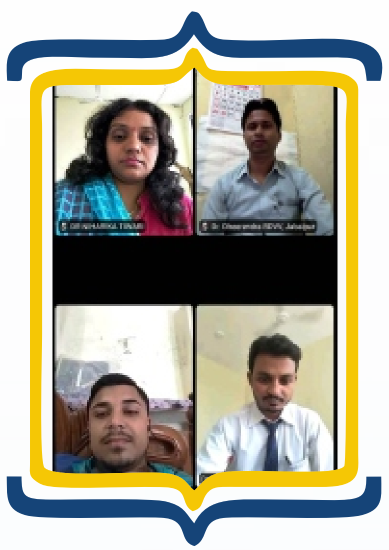
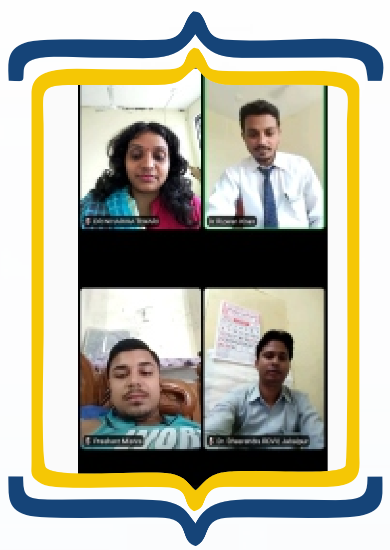
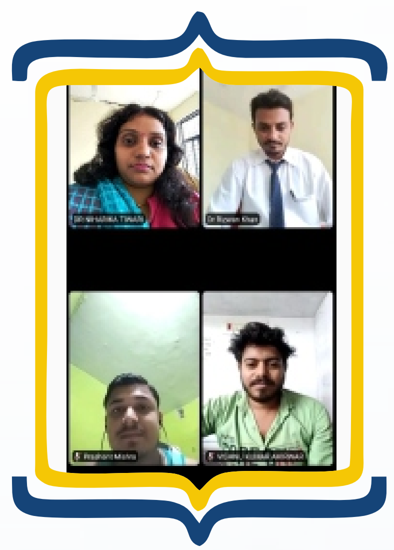

4.23 छात्रों द्वारा जैविक कीटनाशक दवाओं का किया गया छिड़काव

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के कृषि विज्ञान संकाय द्वारा विश्वविद्यालय परिसर के समस्त पौधों में जैविक कीटनाशक दवाओं का छिड़काव प्राध्यापकों की उपस्थिति में छात्र छात्राओं द्वारा किया गया।

संकाय के कीट विज्ञान विभाग के रवि कुमार, सहायक प्राध्यापक ने जैविक कीट नाशक दवाओं का उपयोग व उसको कैसे तैयार करते है यह छात्र- छात्राओं को बताया, उन्होंने बताया कि इल्ली व सफेद मक्खी के नुकसान से बचाव के लिए नीम के फल एवं पत्ती, धतूरे की पत्ती, आक की पत्ती व बेसरम की पत्ती एवं आवश्यकतानुसार लाल-मिर्च का पाउडर व सीताफल के पत्ते, कनेर की पत्तियों को बराबर मात्रा में मिलाकर यह बनाया जाता है।

उन्होंने बताया कि इससे फलदार वृक्षों व फूल वाले पौधों में कीटों से नुकसान होने से बचाया जा सकता है एवं इसका प्रयोग १५ ली. स्प्रेयर टंकी में ५०० एम.एल. प्रति १५ लीटर के हिसाब से यह मिश्रण तैयार किया जाता है।

इस जैविक दवा (कीट नाशक) का छिड़काव, आज दिनांक २३ सितंबर २०२१ को विश्वविद्यालय परिसर में लगे सभी पेड़ पौधों में कीटों के नुकसान से बचाव के लिए छिड़काव किया गया।

इस कार्य में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, संकायाध्यक्ष कृषि विज्ञान संकाय डॉ. आकाश सिंह सहित संकाय के सहायक प्राध्यापक शिवराज सिंह, रवि कुमार रजक, शिवम नायक, आकाश खरे, अंशुल प्रताप सिंह एवं रमाकांत तिवारी सहित समस्त छात्र - छात्रायें उपस्थित रहे।

4.24 ड्रग एंड डिसीज इनफार्मेशन सेंटर का हुआ उद्घाटन

छतरपुर - विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर छतरपुर के श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में फार्मेसी विभाग द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया| कार्यक्रम के आरंभ में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ| दीप प्रज्वलन के पश्चात समस्त आगंतुकों का पुष्प गुच्छ एवं फूल माला के साथ स्वागत किया गया| कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम जी मौजूद रहे| मुख्य वक्ता के तौर पर राम लखन पटेल दवा निरीक्षक जिला छतरपुर मध्य प्रदेश एवं लवलेश चतुर्वेदी सीनियर फार्मासिस्ट जिला अस्पताल छतरपुर, उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी तथा कुलसचिव विजय सिंह की मौजूदगी भी रही| कार्यक्रम में चार प्रकार के आयोजन किये गए जिसमे विश्व फार्मासिस्ट दिवस के अवसर पर संगोष्ठी के अलावा फार्मेसी विभाग में स्थित दवा एवं रोग जानकारी केंद्र का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया गया। दवा एवं रोग जानकारी केंद्र की कार्यविधि एवं तकनीकी व्यवस्था को सभी लोगों ने बहुत प्रभावित किया। इसके पश्चात फार्मेसी विभाग के विद्यार्थियों के द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों तथा रंगोली का पूर्व नियुक्त निरीक्षक दलों के द्वारा आकलन किया गया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान महेश कुशवाहा, नेहा कुशवाहा एवं कामिनी पटेल ने प्राप्त किया जबकि रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान फलक जहाँ, मंजुलता वर्मा तथा दीपक पाठक ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में विश्वविद्यालय द्वारा लिए गए गोद ग्राम छिरावल एक हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में ब्लड शुगर, बॉडी मास इंडेक्स, ब्लड प्रेशर तथा अन्य कई बीमारियों की जांच की गई। हेल्थ चेकअप कैंप पूर्णता निशुल्क रखा गया था। संगोष्ठी के दौरान उपकुलपति गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि इस वर्ष विश्व फार्मासिस्ट दिवस की थीम फार्मेसी ट्रस्टेड फॉर योर हेल्थ रखी गई है। विश्वविद्यालय ने दवा एवं रोग जानकारी केंद्र में आम जनता की दवाओं तथा बीमारियों से संबंधित सभी जानकारियों को प्रदान करने की निशुल्क व्यवस्था की है। जिसके लिए दो हेल्पलाइन नंबरों को भी जारी किया गया। इन नंबरों पर संपूर्ण भारतवर्ष के व्यक्ति अपनी बीमारी तथा दवा से संबंधित जानकारियां नि:शुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राम लखन पटेल एवं लवलेश चतुर्वेदी के अनुसार फार्मेसी के पाठ्यक्रम की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अतः सभी विद्यार्थियों का यह प्रयास होना चाहिए कि वह इन पाठ्यक्रमों को बड़ी संजीदगी के साथ अध्ययन कर अपने पाठ्यक्रम को पूरा करें। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों से आम जनता का फार्मासिस्ट पर भरोसा बढ़ा है। अपनी व्यक्तिगत जिंदगी से संबंधित कुछ प्रेरणादायक घटनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि व्यक्ति को जीवन में कभी हार नहीं मानना चाहिए। सतत प्रयास से कुछ भी प्राप्त करना संभव होता है। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक पाठक सह प्राध्यापक तथा आभार दीपेंद्र सिंह बुंदेला सह प्राध्यापक फार्मेसी विभाग ने किया इस अवसर पर फार्मेसी विभाग के राममिलन विश्वकर्मा, हिमांशी सोनी तथा विश्वविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

फार्मासिस्ट की भूमिका कोविड-१९ की दोनों लहरों में आसानी से देखी जा सकती है : डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम अपने उद्बोधन में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम जी ने कहा की फार्मासिस्ट की भूमिका कोविड-१९ की दोनों लहरों में आसानी से देखी जा सकती है। कोविड-१९ की दोनों लहरों में फार्मासिस्ट और आम जनता के बीच में एक अटूट बंधन महसूस किया गया है। उन्होंने बताया कि आगामी समय में फार्मासिस्ट एवं जनता के बीच में स्वास्थ्य संबंधी भागीदारी की भूमिका बढ़ने वाली है। आपके अनुसार दवा निर्माण में फार्मासिस्ट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है और वही बता सकता है कि एक दवा के निर्माण में विभिन्न प्रकार के मॉलिक्यूल और उनके संयोजन का किस तरह से बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि भारत में स्वदेशी वैक्सीन के निर्माण का श्रेय भी दवा कंपनियों में काम करने वाले हमारे फार्मासिस्ट को ही जाता है। उनके अटूट प्रयास के बाद ही स्वदेशी वैक्सीन को बना पाना संभव हो पाया है। कोविड-१९ ने शोध की महत्वता को भी सबके सामने प्रकट किया है। भारतवर्ष की इसी आवश्यकता को देखते हुए श्री कृष्णा विश्वविद्यालय शोध पर विशेष रूप से ध्यान दे रहा है। हम विश्वविद्यालय के सभी विभाग विशेष तौर पर फार्मेसी में नवाचार पर जोर दे रहे हैं अंत में उन्होंने फार्मेसी विभाग को विश्व फार्मासिस्ट दिवस की ढेर सारी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रदान की।

भारत को विश्व गुरु बनने के लिए हमें उच्च तकनीक आधारित सर्वश्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट शोध करने की आवश्यकता है : डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम जी ने अपने वक्तव्य में कहा विश्वविद्यालय में शोध को आगामी वर्षों में बड़ी गंभीरता के साथ देखा जा रहा है। भारत को विश्व गुरु बनने के लिए हमें उच्च तकनीक आधारित सर्वश्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट शोध करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय सभी प्रतिभाशाली छात्रों के लिए शोध आधारित पाठ्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा विश्वविद्यालय प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए हर संभव प्रयास और मदद करने के लिए अग्रसर रहेगा।

4.25 परिस्थितियों ने मानव को सिखाया प्रकृति का महत्व

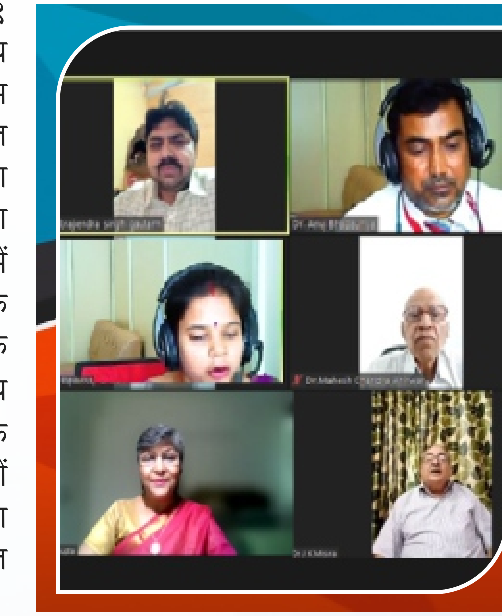

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा कोविड १९ महामारी में पौधों की भूमिका विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम जी ने बताया कोरोना काल में हम सभी ने पौधों के महत्व को भलीभांति समझा है उन्होंने अनेक पौधों के वानस्पतिक नाम सहित उनके सांस्कृतिक एवं दवाओं में इनके उपयोग को समझाते हुये मनुष्य की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में पौधों के योगदान को बताया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय कन्या महाविद्यालय, मुरैना के वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. जे.के. मिश्रा ने कोरोना काल में प्रयुक्त एक – एक वनौषधि का सारगर्भित महत्व बताते हुये विवेचना की। उन्होंने बताया कि इस महामारी में हम सभी ने न सिर्फ पौधों के आर्थिक महत्व को समझा वल्कि इनके संरक्षण के लिए भी सतर्क हुये। उन्होंने नीम, तुलसी, अढ़ूसा, कालीमिर्च, पीपल, दालचीनी, गिलोय आदि के प्रायोगिक महत्व को समझाया। राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के अणुजीव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोजेक्ट साइंटिस्ट डॉ. देवेश शुक्ला ने पौधों के जैव रसायन को समझाते हुये पौधों की उपादेयता पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि पौधों में पाये जाने वाले विविध रसायन हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को किस प्रकार नियंत्रित करते हैं।

जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली की सह प्राध्यापक डॉ. मालती गुप्ता ने कोरोना काल में प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के फलों का शरीर पर प्रभाव समझाया। अपने व्याख्यान में उन्हेंने विभिन्न पोषक तत्वों की शरीर में कमी तथा फलों द्वारा उस कमी की पूर्ति को बताया। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. अनुज भदौरिया ने कोरोना वायरस को समझाते हुये पौधों की उपयोगिता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अभी विश्व भर में हर्बल मेडिसिन पर नित-नये शोध हो रहे हैं। वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थियों तथा शोधार्थियों को इस दशा में अपना भविष्य तलाशना चाहिए। अनेक जंगली प्रजाति के पौधे तथा कृष्य पौधे हमारे जीवन में अनेक बीमारियों में प्राचीन काल से ही प्रयुक्त होते रहे है, इनके संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता है। विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती ऐशान्या खरे ने सभी अतिथियों का आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, डॉ. आशीष तिवारी, डॉ. सुप्रिया गौतम, डॉ. रिजवान अहमद, डॉ. शैलेंद्र राजपूत, अजय शर्मा एवं समस्त विभाग के सहायक प्राध्यापक सहित वनस्पति विज्ञान के स्नातक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के छात्र छात्रायें ऑनलाइन उपस्थित रहे।

4.26 संविधान में लोकतंत्र विषय पर हुआ राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा दिनांक २७ सितंबर २०२१ को संविधान में लोकतंत्र विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में ऑनलाइन माध्यम के द्वारा विश्वविख्यात पत्रकार, बुद्धजीवी एवं दार्शनिक व्यक्तियों ने अपने उपस्थिति दर्ज की। संगोष्ठी में राजेश बादल पूर्व कार्यकारी निदेशक राज्यसभा टेलीविजन नई दिल्ली तथा स्वच्छ भारत अभियान के ब्रांड एंबेस्डर डॉ. भरत पाठक मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुये।

ज्ञात हो कि राजेश बादल पिछले 45 वर्षो से पत्रकारिता में अपना कौशल दिखा चुके है वे एक मझे हुये फिल्मकार भी है उनकी लोकप्रियता यू-टयूब पर ढाई करोड़ से अधिक दर्शक संख्या तथा चालीस लाख दर्शक प्रतिमाह की बढोत्तरी से साबित होती है वहीं डॉ. भरत पाठक गंगा विचार मंच तथा राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के राष्ट्रीय संयोजक पद पर विराजमान है एवं वर्तमान में महात्मा गांधी नैशनल काउंसिल फॉर रूरल ऐजूकेशन हैदराबाद के वाइस चेयरमैन के रूप में अपनी सेवायें दे रहे है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम कुलाधिपति, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम चेयरमैन, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव, विश्वविद्यालय के विधि विभाग के प्राध्यापक विवेक प्रताप सिंह, शैलेंद्र सिंह, माधव पाठक सहित शैक्षणिक स्टॉफ एवं छात्र छात्रायें सम्मिलित हुये।

कार्यक्रम का आरंभ सभी आगंतुकों के स्वागत एवं सम्मान से प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि संविधान में लोकतंत्र इस संगोष्ठी के लिए चुना गया बहुत ही उत्तम विषय है। विधि विभाग के अलावा अन्य विभागों के छात्र-छात्राओं को भी संविधान की समझ होनी चाहिए। उन्होंने सभी वक्ताओं को इस ऑनलाइन संगोष्ठी में पधारने के लिये बहुत बहुत साधुवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम के अंगले चरण में डॉ. भरत पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के इस वर्ष में हम सभी को स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा अपने देश के गौरवशाली इतिहास को पुर्नजीवित करने हेतु हर संभव प्रयास कर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान करना चाहिए एवं उनके त्याग और वलिदान को अपने हृदय में सजोय रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि किसी भी देश के संचालन में संविधान की विशेष भूमिका रहती है ये एक तरह की नियमावली है जिसके तहत किसी देश का विधिवत संचालन निर्भर करता है हमारा लोकतंत्र लोगों के लिए, लोगों के द्वारा, लोगों का शासन है अत: हमें अपने लोकतंत्र तथा संविधान के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहना चाहिए।

मुख्य वक्ता श्री राजेश बादल द्वारा संविधान में लोकतंत्र विषय पर मौलिक अधिकारों संसदीय शासन प्रणाली, राष्ट्रपति शासन, लोकतंत्र, संविधान की उद्देशिका एवं विभिन्न देशों के संविधानों पर विचार व्यक्त किये। उन्होंने अनुच्छेद पर चर्चा करते हुये कहा कि जीवन के अधिकार में मानव गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार सम्मिलित है धार्मिक स्वतंत्रता हमारे भारतीय संविधान की मुख्य विशेषता है तथा हमारा संविधान धार्मिक सहिष्णुता की बात करता है हमारे देश में किसी भी धर्म को अपनाने, प्रचार, प्रसार की स्वतंत्रता प्राप्त है। अपने जीवन के अनुभव को सांझा करते हुये उन्होंने संविधान निर्माण के विषय में दश वोल्यूम की मूवी का जिक्र किया साथ ही राष्ट्रपति शासन के विभिन्न पहलुओं के बारे में संविधान के प्रावधानों का उल्लेख किया साथ ही बताया कि हमारा संविधान विश्व का सबसे विशाल एवं लिखित संविधान है जिसका निर्माण विश्व के अनेक देशों के संविधानों का अध्ययन कर २ साल ११ माह १८ दिनों में हुआ है तथा अनेक विधि शास्त्रियों का मत है कि यदि संविधान का पालन अक्षरश: किया जाता है तो भारत को विश्वगुरू बनने से कोई नहीं रोक सकता वहीं उन्होंने जापान और अमेरिका के संविधानों से तुलनात्मक प्रस्तुति भी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के अंत में राजेश बादल द्वारा किये गये विशेष अनुरोध पर कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने संविधान विषय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के अनुरूप एक ऐच्छिक / वैकल्पिक विषय के रूप मे सम्मिलित करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण सहायक प्राध्यापक शैलेंद्र सिंह, आभार सहायक प्राध्यापक विवेक प्रताप सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक माधव शरण पाठक द्वारा किया गया।

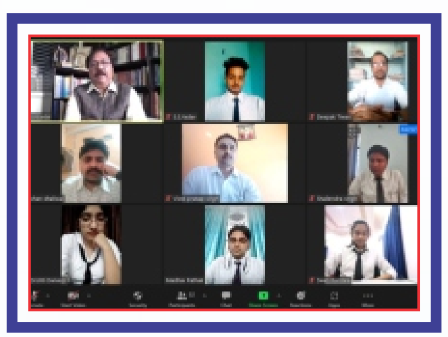
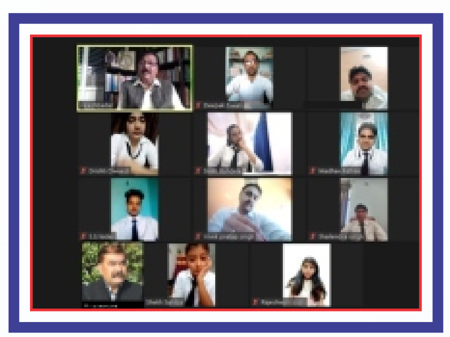
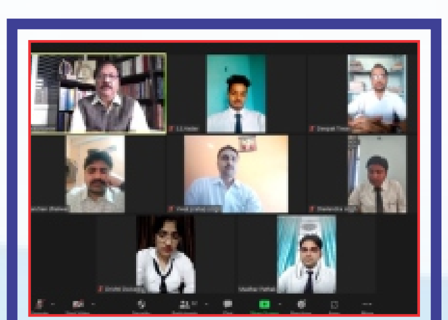
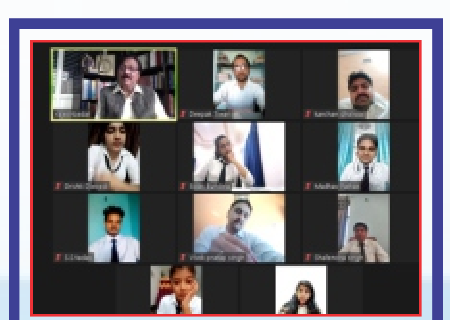

4.27 भूगोल विभाग, शोध केन्द्र एवं जनसंख्या वृद्धि और जनसंख्या नीति पर वेबिनार

छतरपुर/दिनांक.28/09/2021 को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर, (म.प्र.) में स्नातकोत्तर भूगोल विभाग एवं शोध केन्द्र द्वारा जनसंख्या वृद्धि और नीति (भारत के विशेष संदर्भ में) विषय पर ऑनलाइन एक दिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 63 भूगोल विषय के प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों की सहभागिता रही। वेबिनार के सफल आयोजन हेतु कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, एवं उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, की अहम भूमिका रही है। वेबिनार में प्रथम अभिभाषण के लिए शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल की प्राध्यापक डॉ. नीरजा भारद्वाज द्वारा पॉवर पॉइंट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से विश्व में जनसंख्या वृद्धि के आंकड़ों को ग्राफिक विधियों से स्पष्ट किया गया। इसके बाद भारत में जनाधिक्य की समस्या पर प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया कि यदि जनसंख्या एवं खाद्य सामग्री का अनुपात सही नहीं है तथा जनसंख्या वृद्धि के साथ संसाधनों में निरंतर कमी हो रही है तो इसका अर्थ यह है कि भारत में जनाधिक्य है। इन्होंने भारत में अनियोजित रूप से बढ़ रही जनसंख्या वृद्धि पर चिंता जाहिर करते हुए बताया कि आज कि स्थिति में भारत प्रतिवर्ष एक ऑस्ट्रेलिया अथवा श्री लंका की आबादी के बराबर जनसंख्या में वृद्धि कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों की ओर पलायन नगरीय जनसंख्या में निरंतर वृद्धि के कारण अनेक जनांकिकीय समस्याओं ने जन्म लिया है। अतः जनसंख्या को नियोजित तरीके से बढ़ाने के लिए शासकीय प्रयासों के अलावा जनजागरूकता की आवश्यकता है। सेवा निवृत प्राचार्य टीकमगढ़ डॉ. आर. पी. तिवारी ने भारत की जनसंख्या नीति में हुए कालिक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए इस पर बनाये गये जनसंख्या नियंत्रण के कानूनों, नियंत्रण हेतु किये गए प्रयासों, परिवार नियोजन तथा परिवार कल्याण कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए उन्हें प्रभावी तरीके से क्रियान्वित करने की आवश्यकता पर बल दिया और दो बच्चों के सिद्धांत को अपनाने पर वेतन वृद्धि प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त 21 वर्ष में मां बनने पर विशेष प्रोत्साहन की वकालत की। उन्होंने ''पहला बच्चा जल्दी नहीं और एक के बाद कभी नहीं'' जैसे स्लोगन प्रभावी तरीके से लागू करने की बात कही। भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के प्रावधानों को भी प्रदेश की सरकारों को लागू करने के सुझाव दिये। सबसे अधिक अबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में जनसंख्या नियंत्रण हेतु उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों की भी सराहना की।

वेबिनार के संयोजक डॉ. बी. एस. राजपूत, परीक्षा नियंत्रक द्वारा यह कह कर प्रश्न चिन्ह खड़ा किया गया कि क्या भारत में जनसंख्या प्राकृतिक रूप से बढ़ रही है? या नियोजित रूप से? यदि नियोजित तरीके से जनसंख्या वृद्धि नहीं हो रही है तो इसका अभिप्राय है कि भारत में जनाधिक्य है। इसी प्रकार बढ़ती हुई जनसंख्या के अनुपात में यदि संसाधन कम हो रहे हैं या समाप्त हो रहें हैं तो इसका भी अभिप्राय है कि भारत में जनाधिक्य है इसके लिये उन्होंने शासन स्तर पर क्रं◌ातिकारी निर्णय लेने की अपील की और शिक्षण संस्थानों तथा स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से जनजागरूकता के लिए निरंतर प्रयासों की पहल की। सरकार और जनता के◌े द्विपक्षी प्रयासों से ही जनसंख्या नियंत्रण संभव है। भूगोल विषय के सहप्राध्यापक डॉ. महेश अहिरवार द्वारा वेबिनार में जुड़े सभी प्राध्यापकों और विद्यार्थियों एवं अध्येयताओं का आभार प्रकट करते हुए इस बात पर प्रसन्नता जाहिर की कि ऐसे शोधन्मुखी कार्यक्रमों के लिए विश्वविद्यालय प्रबंधन विशेषतः कुलाधिपति, चैयरमैन, कुलपति, उपकुलपति तथा कुलसचिव महोदय की सकारात्मक सोच रही है। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ के सहयोग के साथ-साथ वेबिनार की संगठन सचिव सहायक प्राध्यपक(प्रबंधन) श्री मती अलका निगम के द्वारा किए गये डिजिटल सहयोग की भी सराहना की क्योंकि वेबिनार की सफलता में इनकी अहम भूमिका रही तथा विद्यार्थियों को भी धन्यवाद दिया।

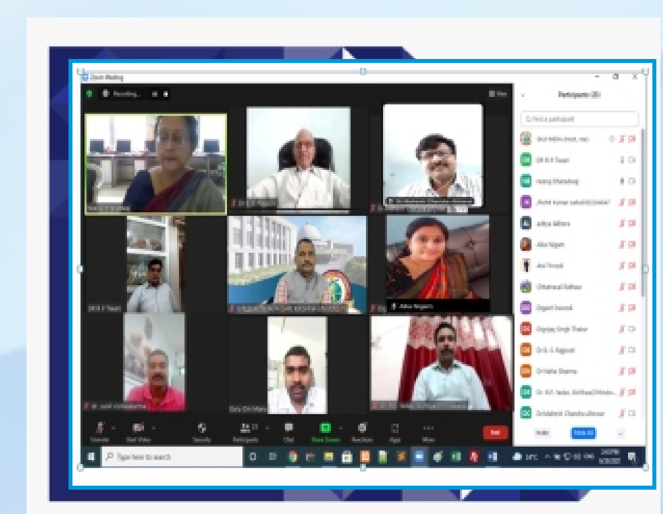

www.skuindia.ac.in

4.28 नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जीवनी पर आधारित ऑनलाइन प्रश्न मंच प्रतियोगिता

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन परिचय पर आधारित ऑनलाइन प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस ऑनलाइन प्रतियोगिता में वनस्पति विज्ञान के साथ – साथ विश्वविद्यालय के अन्य विषयों जैसे – फार्मेसी, नर्सिंग, पैरा मेडीकल, जंतु विज्ञान, गणित, कृषि, वाणिज्य, प्रबंधन, सूक्ष्म जीव विज्ञान, इतिहास, हिन्दी, अंग्रेजी, अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर साइंस, सामाजिक, संस्कृत इत्यादि विभाग के छात्र छात्राओं ने भी गूगल पर दी गयी लिंक के द्वारा ज्वाइन किया। नेताजी की जीवनी पर आधारित प्रश्न जैसे -देशभक्तों में राजकुमार किसे माना जाता है, नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म किस वर्ष में हुआ था, स्प्रिंग टाइगर: ए स्टडी ऑफ ए रिवोल्यूशनरी किनकी जीवनी पर काम है, सुभाष चंद्र बोस ने चितरंजन दास द्वारा स्थापित किस समाचार पत्र में संपादक के रूप में काम किया था, सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार किस केंद्रीय मंत्रालय द्वारा प्रदान किया जाता है, नेताजी सुभाष चंद्र बोस संग्रहालय का हाल ही में किस शहर में उद्घाटन किया गया है, किस देश में "सुभाष चंद्र बोस" ने "टाइगर लीजन" का आयोजन किया था, सुभाष चंद्र बोस द्वारा भारत की अंतरिम सरकार (अरजी हुकुमत-ए-हिंद) का गठन किस वर्ष में किया गया था, नेताओं में से कौन अखिल भारतीय फॉरवर्ड ब्लॉक की स्थापना के लिए सुभाष चंद्र बोस के साथ शामिल हुए और आजाद हिन्द फौज आंदोलन में भी भाग लिया था, नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (राष्ट्रीय खेल संस्थान) एशिया का सबसे बड़ा खेल संस्थान कहाँ स्थित है, जैसे महत्वपूर्ण प्रश्न पूंछे गये।

इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों में से जिन्होंने ५० प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये उनको विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। सफल प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत ने शुभकामनाऐं प्रेषित की। यह प्रतियोगिता श्रीमती ऐशान्या खरे, सहायक प्राध्यापक वनस्पति विज्ञान विभाग के संयोजन से की गयी।

4.29 खादी प्रदर्शनी पर भव्य आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक ०१ अक्टूबर को हुआ खादी प्रदर्शनी, यह प्रदर्शनी आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत कोविड-१९ नियमों को ध्यान में रखते हुये मनायी गयी। जिसका उद्देश्य था "वोकल फॉर लोकल"। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्री दुर्गा प्रसाद आर्य जो कि वर्तमान में मध्य प्रदेश गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष है उनके द्वारा हुआ साथ ही साथ विशिष्ट अतिथि में एस.बी.आई. बैंक छतरपुर के चीफ मैनेजर श्री हिमेंद्र सिसोदिया, जगजीत कुमार मित्तल चीफ मैनेजर सेल्स एंड बिजनेस डेवलेपमेंट रीजनल बैंक ऑफिस छतरपुर, एन.के. भावे ब्रांच मैनेजर कैश एडमिनिस्ट्रेशन सेल एस.बी.आई छतरपुर, नविता सिंह इंटीरियर एण्ड फैशन डिजाइनर नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट एण्ड डिजाईन छतरपुर, श्री बृजेंद्र कुमार गुप्ता प्रेक्टेशनर चार्टेड अकाउंटेंट बृजेंद्र गुप्ता एण्ड कंपनी छतरपुर, माननीय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत जी के कर कमलों द्वारा हुआ।

कार्यक्रम का उद्देश्य वोकल फॉर लोकल था जिसमें छात्रों को उद्मिता के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। जिसमें गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि दुर्गा प्रसाद आर्य ने गांधी के विचारों को अपनाने का सलाह दिया और यह भी बताया कि आजादी की वर्दी खादी ही थी गांधी जी ने खादी को बढ़ावा देने के लिये विदेशी वस्त्र का त्याग करने को कहा देश वासियों से उन्होंने खादी पर प्रकाश डालते हुये यह कहा कि खादी स्वास्थ्य के लिये लाभकारी है चर्म रोग के समाधान में डॉक्टर भी खादी वस्त्र पहनने का सुझाव देते है। खादी के महत्व पर दुर्गा प्रसाद जी ने बताया कि खादी का वर्चस्व देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व में फैलना चाहिए। क्योंकि यह हमें स्वाबलम्बन होने में मदद करता है।

साथ ही साथ आर्य जी ने कहा कि 'आजादी से पहले गांधी जी ने देश के लोगों को रोजगार मुहैया करवाने के लिए खादी की मुहिम चलाई थी। इससे काफी युवा प्रभावित हुए थे। उन्होंने बताया कि जब देश आजाद हुआ और पाकिस्तान बना था उस समय देश की हालत अच्छी नहीं थी। न तो खेतीबाड़ी अच्छी थी और न ही सरकारी नौकरियां थी। ऐसे में खादी ही देश के लोगों के लिए सहारा बनी थी। आजादी के बाद सरकार ने खादी को अपने अधीन ले लिया। बाकायदा खादी कमीशन बन गया था। साथ ही खादी ने अपना काम शुरू कर दिया था। प्रत्येक गांव में खादी सेंटर खोले गए थे। इससे काफी लोगों को रोजगार मिल गया। अन्य ग्रामोद्योग के प्रोडक्ट भी खादी के अधीन आ गए थे। इस दौरान लोगों से खरीदकर वे सामान को शोरूम तक लाते थे।

जगजीत कुमार मित्तल ने अपने उद्बोधन में छात्रों को स्टार्ट अप शुरू करने के लिए एस.बी.आई. बैंक द्वारा लोन व्यवस्था पर प्रकाश डालते हुये यह बताया कि कैसे वह अपने विजनेस प्लान से एस.बी.आई. बैंक द्वारा लोन प्राप्त कर सकते है साथ ही साथ उन्होंने छात्रों को यह भी बताया कि अब लोन की प्रक्रिया सरल हो गयी है। अब आसान किस्तों पर बैंक छात्रों लोन मुहिया कराती है। जिसमें आत्म निर्भर भारत के तहत छात्रों को उनके पैरों पर खड़ा होने के लिये प्रेरित करती है। उन्होंने लघु उद्योग को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न लोन व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को प्रेरित किया कि वे खुद के वस्तुओं का निर्माण करें और अपने व्यवसाय को आगे बढाने के लिये पूंजी के लिये एस.बी.आई के विभिन्न ब्रांच में संपर्क करें ताकि उन्हें लोन आसानी से प्राप्त हो सके।

नविता सिंह ने अपने उद्बोधन में छात्रों को अपने सपनों को नया आयाम देने के लिए विभिन्न कोर्स को चुनने को कहा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि छात्र सिर्फ डॉक्टर या इंजीनियर ही नही अपितु विभिन्न क्षेत्रों जैसे फैशन डिजाइनिंग, इंटीरियर डैकोरेटर, फूड विजनेस जैसे क्षेत्रों में भी अपना नाम कमा सकते हैं और अपना उज्जवल भविष्य भी बना सकते है। नविता सिंह ने साथ ही साथ यह भी कहा कि छात्र अपनी रचनात्मक एवं कलात्मक विधा को अपने तक ही सीमित न रखें अपितु इसको अपने व्यवसाय के रूप में आंगे बढाये छतरपुर जैसे जगह में जब छात्र फैशन जैसी विधा के बारे में सोचते हैं तो उनके पास बहुत कम विकल्प होते है ऐसे में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छात्रों के लिये अपने आप में एक सुनहरा अवसर लाया है जिसमें छात्र अपने शहर में ही रचनात्मक एवं कलात्मक विधा के रूप में अपना सकते है एवं अपने पेशा भी बना सकते है।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि छात्रों को पी.पी. मॉडल के तहत अपने रचनात्मक विजनेस प्लान को आगे लाना चाहिए और अपने भविष्य को और सुरक्षित करना चाहिए। कुलाधिपति जी ने कहा कि विश्वविद्यालय में इनोवेशन को बढावा दिया जाऐगा और छात्र छात्रायें अपने रचनात्मक विजनेस प्लान को बढ़ चढ़ कर आगे लाये और उनके विजनेस प्लान को पेटेंट कराने में विश्वविद्यालय पूर्ण रूप से सहयोग करेगा। छात्रों को उद्मिता के बारे में प्रकाश डालते हुये यह कहा छात्र अपने देश में अपने हुनर के द्वारा अपने भविष्य को उज्जवल कर सकते है और विश्वविद्यालय का सहयोग हमेशा उनके साथ है।

इस अवसर पर प्रदर्शनी लगायी गयी जिसमें मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स विभाग द्वारा अपने लोकल ब्रांड द हाउस ऑफ पिटारा को दर्शाया गया इस प्रदर्शनी में खादी के विभिन्न प्रकार के वस्तु जैसे महिलाओं के वस्त्र धोती, कुर्ता, शॉल, डुपट्टा, साड़ियों का प्रदर्शन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मक अभिव्यक्ति को उजागर करना था एवं भविष्य में अपने पेशे को फैशन डिजाईनिंग जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में आगे ले जा सकते है। प्रदर्शनी की तारीफ सभी अतिथियों ने की और यह भी कहा कि आने वाले समय में छात्र छात्रायें इस प्रकार की प्रदर्शनी से अपने मैनेजमेंट स्किल एवं इन्ट्रोप्रिनियोरसिप स्किल को भी बढ़ावा दे सकते हैं।

समस्त अतिथियों का सम्मान कुलाधिपति महोदय द्वारा शॉल, श्रीफल एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सहायक प्राध्यापक डॉ. सुप्रिया गौतम एवं सहायक प्राध्यापक श्रीमती अल्का निगम ने किया। खादी प्रदर्शनी सहायक प्राध्यापक कु. हर्षिका तिवारी एवं सहायक प्राध्यापक श्री पंकज गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक श्रीमती रेनू झां ने किया एवं आभार सहायक प्राध्यापक प्रबंधन विभाग डॉ. सुप्रिया गौतम ने व्यक्त किया। इसअवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

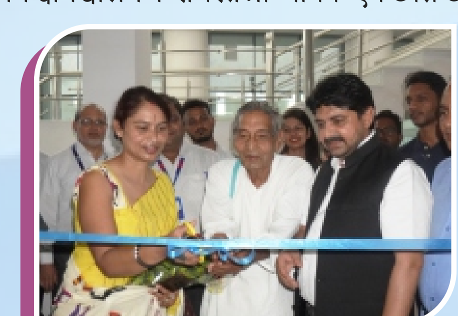

www.skuindia.ac.in

4.30 ग्वालियर सहित 9 संस्थानों के बीच हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध

रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन (आर.एफ.आर.एफ.) नागपुर, अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान ग्वालियर, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर सहित नौ शैक्षणिक संस्थानों के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इस समारोह के माध्यम से आरएफआरएफ ने अपने अकादमिक भागीदारों के साथ तालमेल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ पुष्पेंद्र सिंह गौतम विशेष रूप से मौजूद रहे।

समारोह की शुरुआत कार्यक्रम संयोजक प्रो.कर्मवीर आर्य, एबीवी-आईआईआईटीएम के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद पूजा श्रीवास्तव ने सरस्वती वंदना की। एबीवी-आईआईआईटीएम के विभिन्न प्रोफेसरो ने मेहमानों का स्वागत किया। उसके बाद भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय महामंत्री डॉ. उमाशंकर पचौरी ने समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने आरएफआरएफ, इसके सदस्यों और अकादमिक भागीदारों का परिचय कराया। उन्होंने अनुसंधान समुदाय, समाज और राष्ट्र के लिए इस तरह की अकादमिक बातचीत और भागीदारी के महत्व के बारे में बताया। इसके बाद आरएफआरएफ और नौ शैक्षणिक संस्थानों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। प्रो. भरत शरण सिंह ने जोर देकर कहा कि "शिक्षण" समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी और कर्तव्य के साथ एक महान दायित्व है। उन्होंने विकास, नैतिकता, नैतिक मूल्यों और ज्ञान वाले राष्ट्र के रूप में भारत के महत्व को बताया। भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर ने तालमेल के ऐतिहासिक और रासायनिक महत्व के बारे में बताया। उनके अनुसार तालमेल का सही अर्थ "ऊर्जा को गुणा किए बिना प्रभाव का गुणन" है। आरएफआरएफ मुख्यतः "अनुसंधान" पर जोर देता है और यह मानता है कि अनुसंधान किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने की नींव है। उन्होंने "सीक्रेट ऑफ़ वर्क" पुस्तक का हवाला दिया और कहा कि "पूजा के रूप में काम" सफलता की गारंटी देता है। उन्होंने इस एमओयू के माध्यम से तालमेल उत्पादन के विभिन्न चरणों- (१) कार्यप्रणाली, (२) अनुसंधान परियोजनाएं, और (३) आरएफआरएफ उपग्रह केंद्र की शुरुआत की। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से, आरएफआरएफ का उद्देश्य पारस्परिक लाभ के लिए अपने अकादमिक भागीदारों के साथ मिलकर काम करना है और उसके लिए तालमेल बनाना है। उसके बाद एबीवी- आईआईआईटीएम के निदेशक प्रो. राजेंद्र साहू ने सभी को "ज्ञान" के महत्व से अवगत कराया और यह बताया कि विश्व में किसी भी देश को उनके ज्ञान की स्थिति से पहचाना जाता है। ज्ञान की प्राप्ति से सुख और संतोष मिलता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अकादमिक पेशेवरों के लिए "अनुसंधान" अपरिहार्य है। अनुसंधान केवल परिवेश का अवलोकन नहीं करता है, यह स्वयं का भी विश्लेषण करता है। आरएफआरएफ मुख्यतः "अनुसंधान" पर जोर देता है और यह मानता है कि अनुसंधान किसी भी उद्देश्य को प्राप्त करने की नींव है। उन्होंने "सीक्रेट ऑफ़ वर्क" पुस्तक का हवाला दिया और कहा कि "पूजा के रूप में काम" सफलता की गारंटी देता है। उन्होंने इस एमओयू के माध्यम से तालमेल उत्पादन के विभिन्न चरणों- (१) कार्यप्रणाली, (२) अनुसंधान परियोजनाएं, और (३) आरएफआरएफ उपग्रह केंद्र की शुरुआत की। इस समझौता ज्ञापन के माध्यम से आरएफआरएफ का उद्देश्य पारस्परिक लाभ के लिए अपने अकादमिक भागीदारों के साथ मिलकर काम करना है और उसके लिए तालमेल बनाना है। उसके बाद निदेशक प्रो. राजेंद्र साहू ने सभी को "ज्ञान" के महत्व से अवगत कराया और यह बताया कि विश्व में किसी भी देश को उनके ज्ञान की स्थिति से पहचाना जाता है। ज्ञान की प्राप्ति से सुख और संतोष मिलता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अकादमिक पेशेवरों के लिए "अनुसंधान" अपरिहार्य है। अनुसंधान केवल परिवेश का अवलोकन नहीं करता है, यह स्वयं का भी विश्लेषण भी करता है। यहां तक कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) भी सहयोगी अनुसंधान पर केंद्रित है, क्योंकि ज्ञान दूसरों के साथ साझा करने पर बढ़ता है।

एमओयू समारोह का समापन एबीवी-आईआईटीएम ग्वालियर के प्रो. प्रमोद कुमार सिंह के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) भी सहयोगी अनुसंधान पर केंद्रित है, क्योंकि ज्ञान दूसरों के साथ साझा करने पर बढ़ता है। कार्यक्रम में नौ शैक्षणिक संस्थानों के आरएफआरएफ प्रमुख और कुलपति और रजिस्ट्रार शामिल थे। संचालन के दौरान प्रो. कर्मवीर आर्य ने ऋग वेद के मंत्र के माध्यम से एमओयू की महत्ता पर प्रकाश डालने के बाद नौ शैक्षणिक संस्थानों के अधिकृत अधिकारियों को मंच पर एमओयू के लिए आमंत्रित किया। जिसमे भारतीय शिक्षण मंडल के राष्ट्रीय अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री मुकुल कानिटकर , भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय महामंत्री डॉ. उमाशंकर पचौरी, अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान ग्वालियर के निदेशक प्रो. राजेंद्र साहू , श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के अध्यक्ष डॉ पुष्पेंद्र सिंह गौतम, एकेएस विश्वविद्यालय सतना कुलपति श्री अनंत सोनी, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा के कुलपति डॉ सुरेंद्र सिंह,आईटीएम विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति डॉ. एसएस भाकर, लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन ग्वालियर के कुलसचिव प्रो अरविंद सिंह सजवान, पीके विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ जितेंद्र मिश्रा, राजा मान सिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलपति प्रो साहित्य कुमार नाहर, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर, श्री पंकज नाफड़े, डॉ शिवकुमार शर्मा, डॉ सुरेश गोहे (दिल्ली), डॉ कमलेश, श्री पीयूष तांबे, श्री नवनीत पचौरी, श्री दीप तोमर, डॉ अशोक सिंह चौहान, डॉ वीपीएस जादौन, डॉ एसएस तोमर, डॉ रघुवंशी, मेजर जनरल सुरेश चंद्र जैन, श्री मिलिंद खोट (नागपुर), डॉ राजेश सिंह तोमर, डा रंजीत तोमर, डा दौलत सिंह , नवनीत पचौरी मौजूद थे।

4.31 विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्तमान सत्र में दीक्षारंभ विद्यार्थी उत्प्रेरण कार्यक्रम विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले नवागांतुक छात्र-छात्राऐं एवं पूर्व विद्यार्थी, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत एवं समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कोविड नियमों को पूर्णत: ध्यान में रखते हुये अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर एवं पूजा अर्चना के साथ आरंभ हुआ तत्पश्चात विश्वविद्यालय की छात्राऐं प्रांशी व्यास, गीता साहू, योगिता राजा एवं दीक्षा यादव द्वारा सरस्वती वंदना एवं कुलगीत की प्रस्तुति की गई, जिसका निर्देशन संगीत विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री मृत्युंजय नायक द्वारा किया गया। स्वागत भाषण के बाद वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बी.एस. राजपूत ने दीक्षारंभ पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये कहा कि दीक्षारंभ का केन्द्र बिन्दु विद्यार्थी होता है, गुरू बिना ज्ञान संभव नहीं है, ऐसा हमारे ग्रंथों में उल्लेख है। शिक्षा से व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वागीण विकास होता है, परंपरागत ज्ञान से अधिक विकास नहीं कर सकते हमें प्राध्यापक के सानिध्य में रहकर उचित विषयों का चयन करके पाठ्यक्रम संबंधी पुस्तकों का अध्ययन अवश्य करना चाहिए, क्योंकि पुस्तकें ही ज्ञान दायनी होती हैं। विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सभी छात्र-छात्राऐं नई शिक्षानीति से संबंधित विषयों एवं पाठ्यक्रम की जानकारी संबंधित विषयों के प्राध्यापकों से प्राप्त करें एवं विश्वविद्यालय के नियमों का पालन करते हुये अपनी कक्षाओं में उपस्थित रहें। रिक्त समय पुस्तकालय में जाकर पाठ्यपुस्तकों का अध्ययन करें। कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने नवागंतुक छात्र-छात्राओं का स्वागत करते कहा कि छात्र का आचरण उसके अनुशासन में झलकता है, छात्र की विनम्रता ही ज्ञान के रास्ते खोलती है। सभी छात्र-छात्राऐं अनुशासित होकर अपने गुरूजनों का सम्मान करते हुये, उनसे उचित ज्ञानार्जन करके अपने व्यक्तित्व का विकास करें। विश्वविद्यालय के चेयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य की अंतर्निहित पूर्णता की अभिव्यक्ति करना एवं बालक के सर्वांगीण एवं उत्कृष्ट विकास से है। अत: छात्र-छात्राऐं गंभीरता से अपने विषयों का चयन करें जो उनके लिए रूचिकर एवं रोजगारपरक होगा।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय का वीडियो दिखाया गया जिसके माध्यम से प्रबंधन विभाग, प्रशासनिक विभाग, वित्त विभाग, शोध केन्द्र, स्थापना विभाग, प्रवेश विभाग, परामर्श कक्ष एवं समस्त विभागों के विभागाध्यक्ष और प्राध्यापकों का परिचय बताया गया।

कार्यक्रम का संचालन उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह द्वारा किया गया।

www.skuindia.ac.in

4.32 विश्वविद्यालय में एन.सी.सी. की भर्ती

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में संचालित २५ एम.पी.एन.सी.सी. बटालियन के सीनियर डिवीजन और सीनियर विंग में वर्तमान सत्र के राष्ट्रीय कैडेट कोर का चयन किया गया जिसमें विभिन्न संकायों के प्रथम वर्ष में प्रवेशित छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया।

25 एम.पी.एन.सी.सी. बटालियन से आये लेफ्टिनेंट कर्नल, आर.के.गोयल, नायब सूबेदार परविंदर सिंह, हवलदार ओंकार सिंह, हवलदार जतिन्दर पाल सिंह ने एन.सी.सी. नियमों को ध्यान में रखते हुये छात्र छात्राओं का भौतिक परीक्षण किया जिसमें विद्यार्थियों की लम्बाई, ऊंची कूंद, लम्बी कूंद आदि गतिविधियों को देखा गया जिसमें सैकड़ों छात्र छात्राओं ने भाग लिया जिनमें से स्वीकृत संख्या में महिला विंग में १८ तथा पुरूष विंग में ३९ कैडेट का चयन किया गया। चयन के दौरान विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी लेफ्टिनेंट शिवेंद्र सिंह परमार, महिला एन.सी.सी. अधिकारी कु. आकांक्षा मिश्रा, ट्रेनर गौरव शर्मा एवं कु. निशा बुंदेला आदि उपस्थित रहे।

एन.सी.सी. में चयनित सभी कैडेट को चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत सहित समस्त स्टॉफ ने शुभकामनाऐं प्रेषित की।

4.33 ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में प्रबंधन विभाग के छात्रों का हुआ चयन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल के तत्वाधान में प्रबंधन विभाग के तीन विद्यार्थीयों समकित जैन, तृप्ति चौरसिया, रौनक सक्सेना एम.बी.ए. तृतीय सेमेस्टर का मनी प्लांट इनवेस्टमेंट एडवाइज़री, इन्दौर म.प्र. में बिजनेस डेबल्पमेंट एक्ज्यूकेटिव पद पर हुआ चयन। यह प्लेसमेंट तीन राउंड में हुआ जिसमें प्रथम राउंड में सी.वी. शार्ट लिस्टिंग, द्वितीय राउंड में टेक्निकल सेशन एवं तृतीय राउंड में पर्सनल इंटरव्यू कंपनी के सीनियर एच.आर. द्वारा लिया गया। चयनित छात्रों का तीन लाख वार्षिक पैकेज मिला है। छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर ऑनलाइन कैम्पस ड्राइव में हिस्सा लिया।

विश्वविद्यालय निरंतर प्रयासरत है कि छात्रों को रोजगार परक उच्च शिक्षा मिले एवं उनका सर्वांगीण विकास हो। छात्र छात्राओं के उत्साह वर्धन हेतु विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐं प्रदान की एवं अन्य छात्र छात्राओं को इनसे प्रेरणा लेकर अपने भविष्य को रोजगार युक्त बनाकर सुरक्षित करने के लिये जागरूक किया। उन्होंने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि आने वाला समय टेक्नोलॉजी का है एवं छात्र छात्रायें अपने आप को समय के हिसाब से अपग्रेड करें जिसमें उन्होंने टेक्निकल स्किल, प्रोफेसनल स्किल और कम्यूनिकेशन स्किल पर ज्यादा जोर दिया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिलाया कि बुंदेलखण्ड के विद्यार्थियों को वैश्विक पटल पर जल्द से जल्द अपना नाम दर्ज करायेंगे। साथ ही साथ विश्वविद्यालय के छात्रों के लिये आने वाले समय में पेड इंटरनशिप बिजनेस इंक्यूबेसन सेल एवं इनोवेशन सेल का भी गठन होगा जिसमें छात्र अपने हुनर को निखार सकेंगे।

विश्वविद्यालय का ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल निरंतर रूप से छात्र छात्राओं के इंटरनशिप ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट के लिये समय समय पर रोजगार परक कार्यशाला एवं प्लेसमेंट ड्राइव करवाता रहता है। विश्वविद्यालय भविष्य में भी अपने नवागंतुक छात्र छात्राओं के लिये ऐसी पूल कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन करता रहेगा। और उनके भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेगा।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉ. सुप्रिया गौतम, श्रीमती अल्का निगम एवं श्री विवेक प्रताप सिंह ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की है एवं भविष्य में छात्रों को प्लेसमेंट ड्राइव में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की प्रेरणा भी दी।

4.34 राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना सलाहकार समिति की बैठक विश्वविद्यालय के सभा कक्ष में सम्पन्न हुयी। कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, संयुक्त कलेक्टर श्री पियूष भट्ट, निर्देशक आकाशवाणी छतरपुर श्री शम्भू दयाल अहिरवार, विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी पुरूष इकाई डॉ. महेश अहिरवार एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई कु. वर्षा यादव, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष तिवारी एवं पत्रकारिता विभाग से सहायक प्राध्यापक श्री दिलीप चौरसिया उपस्थित रहे।

सलाहकार समिति में विचारणीय बिन्दु नियमित गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु सुझाव, गोद ग्राम में प्रस्तावित गतिविधियों तथा दिवसीय शिविर, प्रस्तावित ७ दिवसीय विशेष शिविर हेतु स्थल चयन, जैविक कृषि की लोकप्रियता हेतु सुझाव, अभिमुखीकरण कार्यक्रम हेतु विषय विशेषताओं का निर्धारण पर चर्चा की गयी। माननीय श्री पियूष भट्ट संयुक्त कलेक्टर छतरपुर ने ०१ नवंबर को मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाए इसका सुझाव दिया। निदेशक आकाशवाणी द्वारा आश्वस्त किया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा वर्ष में आयोजित की जाने वाली प्रत्येक नियमित एवं शिविर सम्बंधि गतिविधियों की रिकार्डिंग आयोजन स्थल पर पहुंच की जायेगी और उनका प्रसारण आकाशवाणी केंद्र से किया जायेगा। ऐसे विद्यार्थी जो किसी विशिष्ट कार्य में महारत रखते है उनका भी साक्षात्कार भी प्रसारित किया जायेगा।

बैठक में विश्वविद्यालय उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी द्वारा सुझाव रखा गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना कि नियमित गतिविधि हेतु वार्षिक कलेंडर तैयार किया जाए जिसमें स्वास्थ्य, जागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम संपादित किये जाऐं इसके लिये निकटस्थ ग्राम छिरावल को अभिगृहीत कर उसकी समस्याओं का निराकरण किया जाऐ अभिगृहीत ग्राम में जैविक कृषि प्रचार प्रचार हेतु अधिकृत संस्थाओं को आमंत्रित कर ग्राम वासियों को जानकारी दी जाऐ।

सलाहकार समिति की बैठक कार्यक्रम समन्वयक राष्ट्रीय सेवा योजना महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय छतरपुर डॉ. बी. एस. परमार के निर्देशानुसार सम्पन्न की गयी।

आभार डॉ. महेश चन्द्र अहिरवार कार्यक्रम अधिकारी ने व्यक्त किया।

www.skuindia.ac.in

4.35 वनस्पतिशास्त्र की पुस्तकें केंद्रीय पुस्तकालय को दान की

पुस्तकें प्रत्येक छात्र के जीवन में कल्पना की दुनिया से परिचित कराने, बाहरी दुनिया का ज्ञान प्रदान करने, उनके पढ़ने, लिखने और बोलने के कौशल में सुधार करने के साथ स्मृति और बुद्धिमत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पुस्तकों का अध्ययन हेतु वाचनालय में दान करना एक श्रेष्ठ धर्म की तरह है।

डॉ. ए.पी. सक्सेना पूर्व विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, जवाहर लाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांदा सम्बद्ध बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी उ.प्र. के द्वारा लगभग सैकड़ों पुस्तकें एवं शोध पत्रिकाऐं उपहार स्वरूप केंद्रीय वाचनालय, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय को दान की। इन पुस्तकों के अध्ययन से विज्ञान संकाय के छात्र छात्रायें लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय द्वारा डॉ. सक्सेना को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनको सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, मुख्य ग्रन्थपाल डॉ. तोरण साहू, सहायक प्राध्यापक श्री शिवेंद्र सिंह परमार, सहायक ग्रंथपाल कु. स्वाति अरजरिया, सहायक ग्रंथपाल श्री रोहित कुशवाहा, सहायक कम्प्यूटर ऑपरेटर संगीता निगम एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने आभार व्यक्त किया।

4.36 सरदार वल्लीभ भाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्यि में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विविधि कार्यक्रम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-१ एवं इकाई-२ द्वारा सरदार वल्लंभ भाई पटेल की जयंती दिनांक ३१/१०/२०२१ को बाबूलाल स्टेडियम छतरपुर में नेहरू युवा केन्द्र छतरपुर के सौजन्य से मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेशचंद्र अहिरवार (पुरूष इकाई-१) एवं सुश्री वर्षा यादव (महिला इकाई -२) के साथ लगभग दो दर्जन से अधिक राष्ट्री य सेवा योजना के स्वईयं सेवकों ने भाग लिया। मैराथन दौड़ का शुभारंभ डॉ. जे.पी. मिश्रा कुलसचिव, महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्विविद्यालय, छतरपुर द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर जिला मुख्याखलय के अधिकारीगण एवं नेहरू युवा केन्द्र के जिला उपनिदेशक श्री अरविंद सिंह यादव के अतिरिक्तअन्यि महाविद्यालयों, विद्यालयों एवं स्व्यंसेवी संस्थायओं के स्वयं सेवकों की सहभागिता रही। मैराथन दौड़ के पश्चारत उपस्थित प्रतिभागियों ने राष्ट्री य एकता एवं अखंडता की शपथ ली। इसी क्रम में दिनांक ०१/११/२०२१ को मध्यप्रदेश स्थावपना दिवस के कार्यक्रम में भी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमें माननीय कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह, कुलसचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा एवं नेहरू युवा केन्द्र के उपनिदेशक श्री अरविंद सिंह यादव के अतिरिक्ति श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी तथा कुलसचिव ने सहभागिता सुनिश्चित की।

इस दो दिवसीय आयोजन से निश्चित ही लोगों में देश की एकता और अखंडता के प्रति विश्वादस जागृत हुआ, जो अनुकरणीय है। कार्यक्रम के सफल संचालन पर कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वरयं सेवकों को शुभकामना देते हुये भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों के लिए प्रोत्साहित किया।

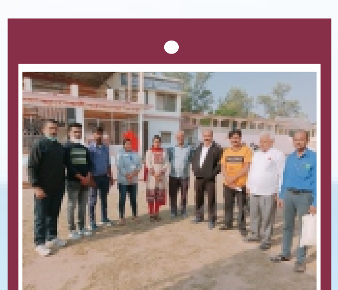

4.37 विश्वविद्यालय में मनाया गया विधिक सहायता दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में विधिक सहायता दिवस के अवसर पर जिला विधिक प्राधिकरण छतरपुर के द्वारा विधिक सहायता दिवस का आयोजन जिला न्यायालय में ०२:०० बजे से ०४:०० बजे के मध्य कराया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के विधि छात्रों की सहभागिता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव माननीय अनिल पाठक द्वारा आदेशित किया गया था। आदेश के अनुक्रम में विश्वविद्यालय से विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक माधव श्रण पाठक, पूनम चौरसिया एवं ३३ विधि छात्र विधिक सेवा प्राधिकरण हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुये।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय ओमप्रकाश सिंह रघुवंशी, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, विशिष्ट अतिथि श्री अखिलेश मिश्रा, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश एवं विशिष्ट अतिथि अनिल कुमार पाठक, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राकेश दीक्षित, न्यायाधीश अधिवक्तागण, अध्यापकगण एवं विधि छात्र मुख्य रूप से उपस्थित हुये। कार्यक्रम में अतिथि गणों द्वारा विधिक सेवा को जन-जन तक पहुंचाने के सम्बंध में विषय रखे गये तथा विधिक सेवा के प्रमुख पहलुओं पर न्यायाधीश गणों एवं विधि छात्र- छात्राओं द्वारा उद्बोधन प्रस्तुत किया गया।

4.38 अर्पित सिंह तबला वादन में उत्कृष्ट रहे

स्वरांज्जली संगीत शिक्षण संस्थान एवं ओंकारेश्वर सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज कानपुर द्वारा आयोजित श्रद्धेया डॉ. गीता मिश्र, स्मृति संगीत प्रतियोगिता में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के बी.एड. छात्र अर्पित सिंह ने वादन तबला प्रतियोगिता में सहभागिता कर उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुये द्वितीय स्थान प्राप्त किया है विश्वविद्यालय परिवार के चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टॉफ अर्पित सिंह की अनंत सफलताओं से पूर्ण दीर्घ जीवन की कामना करते हुये ईश्वर से प्रार्थना करते है कि आप सदा सन्मार्ग पर चलकर राष्ट्र सेवा परायण बनें।

4.39 विश्वविद्यालय में वैक्सीनेशन कैम्प हुआ आयोजित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के कुलसचिव श्री विजय सिंह के निवेदन पर वैक्सीनेशन कार्यक्रम के अंतर्गत उप स्वास्थ्य केंद्र चौका जिला छतरपुर की वैक्सीनेशन टीम सचिव छेदीलाल अहिरवार, गंगेले, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता आशा सिंह, आशा कार्यकर्ता संगीता सिंह, आशा कार्यकर्ता अनीता अहिरवार ने विश्वविद्यालय आकर भारत सरकार एवं म.प्र. सरकार के कोविड गाइडलाइन के तहत छात्र छात्राओं एवं कर्मचारियों का वैक्सीनेशन किया।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने विश्वविद्यालयीन छात्र छात्राओं एवं जनमानस से अपील की है कि जिनका अभी तक वैक्सीनेशन नहीं हुआ है वो वैक्सीनेशन केंद्र में जाकर प्रथम या द्वितीय डोज जो भी हो जरूर लगवायें इससे न केवल समाज अपितु जब तक कोविड का कोई सकारात्मक उपचार नहीं मिलता तब तक वैक्सीनेशन ही एक बचाव है। कैम्प प्रभारी डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने बताया कि इस कैम्प में ५१ लोगों का वैक्सीनेशन किया गया।

4.40 भाषण प्रतियोगिता

आज दिनांक २५/११/२०२१ को महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. प्रकोष्ठ द्वारा नेहरू युवा केन्द्र के तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देशभक्ति तथा राष्ट्र निर्माण थीम पर सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास सबका प्रयास विषय पर विकासखण्ड स्तरीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमे श्री कृष्णा विश्वविद्यलय के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक तौफिक खान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया इस प्रतियोगिता मे राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ महेश अहिरवार की अहम भमिका रही है। विश्वविद्यलय के कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने द्वितीय स्थान पर आए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक को बधाई दी और सभी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों शुभकामनाए देते हुए भविष्य मे होने वाले कार्यक्रमो के लिए प्रोत्साहित किया।

4.41 विधि विभाग द्वारा मनाया गया संविधान दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के विधि विभाग द्वारा आज दिनांक- २६ नवंबर को संविधान दिवस का कार्यक्रम सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन, भारतीय संविधान एवं डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का पूजन अर्चन करते हुए किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलसचिव श्री विजय सिंह विशिष्ट अतिथि उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे विभागाध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह, डॉ सुप्रिया गौतम, ऐशोसियेट प्रोफेसर डॉ विजय चतुर्वेदी, सहायक प्राध्यापक माधव शरण पाठक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में विधिक सहायता क्लीनिक के समन्वयक विधि छात्र कुलदीप पाटकर द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात विधि छात्रों द्वारा संविधान के आधारभूत ढांचे के संबंध में वक्तव्य विधि छात्र स्वाति बुंदेला द्वारा संविधान की उद्देशिका, मौलिक अधिकारों पर दीपक तिवारी द्वारा, राज्य के नीति निर्देशक तत्वों पर चंचल रैकवार द्वारा, मूल कर्तव्यों के बारे में रामबहादुर पटेल द्वारा प्रस्तुत किए गए। मुख्य अतिथि गिरीश त्रिपाठी द्वारा संविधान की उद्देशिका को विस्तार से समझाते हुए छात्रों से कहा गया कि जीवन बिना उद्देश्य के होने संभव नहीं है। इसलिए हर व्यक्ति को अपने जीवन में उद्देश्य बनाकर उसको प्राप्त करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। हम सभी को मौलिक अधिकारों के लिए तो लड़ना ही चाहिए लेकिन मौलिक कर्तव्यों का पालन भी संविधान के भाग-४(क) के अनुसार करते रहना चाहिए। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ अश्वनी कुमार दुबे द्वारा जीवन में अपने से बड़ों का आदर करने संविधान का सम्मान करने अपने देश के आदर्शों को सजोए रखने के संबंध में मौलिक कर्तव्यों का पालन करते रहने का मंच से आग्रह किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ विजय चतुर्वेदी द्वारा मौलिक अधिकारों, नीति निर्देशक तत्वों, मौलिक कर्तव्यों एवं संविधान की उद्देशिका के विषय को विस्तार से कार्यक्रम में रखा गया। इसके पश्चात विधि विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह द्वारा भारतीय संविधान की उद्देशिका का वाचन कर संविधान की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संचालन विधि विभाग के सहायक प्राध्यापिका श्रीमति पूनम चौरसिया द्वारा किया गया। आभार विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक चंद्रदीप सिंह द्वारा किया गया। संविधान दिवस के अवसर पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में ग्रामीण आंचल ईशानगर के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा शैक्षणिक भ्रमण किया गया एवं विश्वविद्यायल में संचालित सभी विभागों की प्रयोगशालाओं मूट कोर्ट, विधिक सहायता क्लीनिक, कृषि प्रयोगशाला आदि का अवलोकन किया गया।

4.42 राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस ऑल इंडिया गर्ल्स ट्रेकिंग के कैडेट्स हुये सम्मानित

आजादी के अमृतमहोत्सव के अंतर्गत एवं राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस के उपलक्ष्य में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन सभागार में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव एवं डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजन कर किया। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना अंशुल राजा परमार एवं कीर्ति राजा बुंदेला ने प्रस्तुत की। इस अवसर पर उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि एन.सी.सी. वाले छात्र छात्राओं को देश भक्ति एवं आर्मी में जाने का मार्ग प्रशस्त होता है। एन.सी.सी. सीनियर डिवीजन महाविद्यालय/ विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए एवं जूनियर डिवीजन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिये है। जो विद्यार्थी एन.सी.सी. में भर्ती होते हे कैडेट कहलाते है। श्री विजय सिंह कुलसचिव ने अपने सम्बोधन में कहा कि एन.सी.सी. के बहुत लाभ है यह देश के नव युवकों को अनुशासित कर्तव्यनिष्ठ और शरीर से योग्य बनाता है। डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने कहा कि सीनियर डिवीजन एक कैडेट को ड्रिल, शस्त्र संचालन, व्यू रचना, आत्मरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा और नागरिकता का प्रशिक्षण दिया जाता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत कीर्ति एवं अंशुल के द्वारा देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किया गया। बुंदेलखण्ड का प्रमुख लोकनृत्य बधाई की प्रस्तुति ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया यह नृत्य योग्यता राजा परमार, दीक्षा यादव, रचना अहिरवार, अनन्या राजा, हर्षवर्धन सिंह, राजदीप सिंह परमार, गजराज प्रजापति एवं संतोष पटेल के द्वारा प्रस्तुत किया गया। देशभक्ति समूह गान संगीत विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री सिमरनजीत सिंह के निर्देशन में शशांक सिंह परमार, कुलदीप विश्वकर्मा, राजदीप सिंह परमार तथा देश प्रेम से ओतप्रोत कविता गजराज प्रजापति, छाया प्रजापति एवं दीपेश राजा परमार ने प्रस्तुत की वहीं ओजस्वी भाषण स्वाती बुंदेला ने प्रस्तुत किया।

११ राजस्थान बटालियन एन.सी.सी. अजमेर द्वारा एक सप्ताह का ऑल इंडिया गर्ल्स ट्रेकिंग एम्सपीडि□शन अजमेर ट्रेक २०२१ आयोजित किया गया था जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. कैडेट मानसी सिंह, स्वाती बुंदेला, लवली राजा, अंशुल परमार, मेघा कुशवाहा, रोशनी साहू, प्रसन्नता यादव, सीमा राजपूत, रश्मी पटेल एवं अनन्या राजा सामिल हुये थे को अतिथियों द्वारा प्रशस्ती पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सह. प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं विभिन्न विभागों के छात्र छात्रायें और एन.सी.सी. कैडेट उपस्थित रहे। आभार महिला ट्रेनर निशा राजा बुंदेला ने किया।

4.43 क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में दिनांक ०२ दिसंबर २०२१ को विश्वविद्यालय के विशाल खेल के मैदान में स्वर्गीय श्री बलवीर सिंह गौतम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट का विधिवत उद्घाटन विश्वविद्यालय की संरक्षक श्रीमती कुंती सिंह गौतम के द्वारा दीप प्रज्ज्वलन एवं फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत समस्त स्टॉफ, छात्र छात्रायें एवं क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

क्रिकेट टूर्नामेंट श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों की दस टीमों के बीच खेला जाऐगा जिसे ग्रुप ए तथा ग्रुत बी के बीच विभाजित किया गया। ग्रुप ए में एग्रीकल्चर संकाय टीम ए, फार्मेसी एण्ड नर्सिंग, पैरामेडीकल, साइंस एण्ड एजुकेशन तथा फैकल्टी ऑफ एस.के.यू. वहीं ग्रुप बी. में एग्रीकल्चर संकाय टीम बी., कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स एवं ह्यूमिनिटीज एण्ड फाइन आर्ट रहेंगी।

क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच दस ओवर के साथ कृषि संकाय टीम ए. एवं फार्मेसी के बीच खेला गया। एग्रीकल्चर विभाग टीम ए. के कप्तान गिरीराज चौरसिया एवं फार्मेसी विभाग के कप्तान आलोक अवस्थी के सामने कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने टॉस किया जिसमें फार्मेसी विभाग की टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। एग्रीकल्चर संकाय टीम ए. की टीम ने ६९ रन का स्कोर दिया जिसे फार्मेसी विभाग की टीम ने तूफानी बल्लेबाजी से मैच ०८ विकट से जीता। मैन ऑफ द मैच विनायक अवस्थी रहे।

वहीं दूसरे मैच में फैकल्टी टीम के कप्तान विवेक प्रताप सिंह एवं पैरामेडीकल टीम के कप्तान कपिल आर्य के सामने टॉस हुआ जिसमें फैकल्टी टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया जहाँ फैकल्टी ने १२३ रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जहाँ पर पैरामेडीकल टीम को ४५ रन पर ढेर कर दिया एवं मैच को ७८ रन से जीतकर परचम लहराया।

इस टूर्नामेंट में स्कोरर शैलेन्द्र वर्मा, प्रशांत मिश्रा एम्पायर की भूमिका में गौरव शर्मा, विकाश शुक्ला एवं आंखो देखा हाल धीरज चौबे ने बड़े ही रोचक ढंग से बताया। इस दौरान डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम कुलाधिपति, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम चैयरमेन ने विजेता टीम को बधाईंया देकर उत्साहवर्धन किया।

www.skuindia.ac.in

4.43.1 दो पारियों में क्रिकेट का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट में दो पारियों में क्रिकेट का आयोजन किया गया। जिसमें पहली पारी में फार्मेसी एण्ड नर्सिंग तथा पैरामेडीकल टीम के मध्य खेला गया जहाँ फार्मेसी एण्ड नर्सिंग टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेते हुये ०४ विकट खोकर ११७ रन का स्कोर रखा। पैरामेडीकल टीम ने बल्लेबाजी कर के १० ऑवर में केवल ९४ रन पर ही सिमट गयी। फार्मेसी एण्ड नर्सिंग टीम से मैन ऑफ द मैच विनायक रहे।

इसी क्रम में दूसरी पारी डिपार्टमेंट ऑफ लॉ की टीम और कलासंकाय के मध्य खेला गया जिसमें डिपार्टमेंट ऑफ लॉ टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये ९४ रन का स्कोर रखा जिसे कलासंकाय की टीम ने दस ऑवर में ०७ विकट खोकर मात्र ६१ रन ही बना पायी और ३३ रन से डिपार्टमेंट ऑफ लॉ ने यह मैच अपने नाम कर लिया जिसमें गजेंद्र सिंह को मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया।

4.43.2 विना विकट खोये मैच किया अपने नाम

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट में दो पारियों में क्रिकेट का आयोजन किया गया। जिसमें पहली पारी में साइंस एण्ड ऐजुकेशन तथा फैकल्टी ऑफ एस.के.यू. टीम के मध्य खेला गया जहाँ साइंस एण्ड ऐजुकेशन टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेते हुये ०६ विकट खोकर ६२ रन का स्कोर रखा। एस.के.यू. टीम ने तूफानी बल्लेबाजी कर के ०५ ऑवर में ही विना कोई विकट खोये मैच जीत लिया। एस.के.यू. टीम से मैन ऑफ द मैच रमेश एवं विवेक प्रताप सिंह संयुक्त रूप से रहे।

इसी क्रम में दूसरी पारी फार्मेसी नर्सिंग टीम और पैरामेडीकल के मध्य खेला गया जिसमें फार्मेसी नर्सिंग टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये ११७ रन का स्कोर रखा जिसे एग्रीकल्चर की टीम ने दस ऑवर में ०७ विकट खोकर मात्र ९४ रन ही बना पायी और २३ रन से फार्मेसी ने यह मैच अपने नाम कर लिया जिसमें विनायक को मैन ऑफ द मैच से सम्मानित किया गया।

4.43.3 मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स तथा बी.एस.सी.ए.जी. टीम के मध्य खेला गया क्रिकेट टूर्नामेंट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स तथा बी.एस.सी.ए.जी. टीम ०२ टीम के मध्य खेला गया जहाँ मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। वहीं बी.एस.सी.ए.जी. टीम बी. ने ०५ विकट खोकर ८१ रन का स्कोर रखा। मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स टीम ने तूफानी बल्लेबाजी कर के ०९ ऑवर में ही ०५ विकट खोकर ही लक्ष्य को हांसिल कर लिया। मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स टीम से मैन ऑफ द मैच अनिरूद्ध रहे।

4.43.4 तूफानी बल्लेबाजी करते हुये १०० रन पर की पारी घोषित

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट में दो पारियों में क्रिकेट का आयोजन किया गया। जिसमें पहली पारी में मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स तथा आर्ट टीम के मध्य खेला गया जहाँ मैनेजमेंट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेते हुये तूफानी बल्लेबाजी करते हुये १०० रन का स्कोर रख कर पारि घोषित की। आर्ट टीम के सामने मैनेजमेंट ने रोमांचक गेंदबाजी के साथ ६० रन पर ही ढेर कर दिया। मैनेजमेंट के प्लेयर राजा परिहार को ४८ रन एवं ०२ विकट हांसिल करने पर मैन ऑफ द मैच से विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम एवं मुख्य अतिथि डायरेक्टर श्रीराम ग्रेनाइट पंकज रिछारिया ने सम्मानित किया।

इसी क्रम में दूसरे मैच में मुख्य अतिथि दैनिक भास्कर समूह के ब्यूरो चीफ धनश्याम पटेल, विशिष्ट अतिथि अमित खरे, अजीत दुबे उपस्थित रहे। दूसरी पारी इंजीनियरिंग एंड कम्प्यूटर साइंस एवं एग्रीकल्चर टीम बी. के मध्य खेला गया जिसमें इंजीनियरिंग एवं कम्प्यूटर साइंस ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये ५८ रन का स्कोर रखा जिसे एग्रीकल्चर की टीम ने पाँच विकट से जीतकर मैच अपने नाम किया। इस मैच में एग्रीकल्चर की टीम बी. से सूरज चौहान ने ३ विकट एवं २४ रन लगाते हुये मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी को अपने नाम किया।

4.43.5 पैरामेडीकल तथा बी.एस.सी.ए.जी. टीम ए. के मध्य खेला गया क्रिकेट टूर्नामेंट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट पैरामेडीकल तथा बी.एस.सी.ए.जी. टीम ए. टीम के मध्य खेला गया जहाँ बी.एस.सी.ए.जी. टीम ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। वहीं पैरामेडीकल टीम ने ०२ विकट खोकर १२४ रन का विशाल स्कोर रखा। बी.एस.सी.ए.जी. टीम ए. ने बल्लेबाजी करते हयु ०६ विकट के नुकसान पर ८२ रन बनाये और मैच पैरामेडीकल के पक्ष में गया। पैरामेडीकल टीम से मैन ऑफ द मैच रोशन मोहम्मद रहे।

4.43.6 कला संकाय तथा कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग टीम के मध्य खेला गया क्रिकेट टूर्नामेंट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में क्रिकेट टूर्नामेंट कला संकाय तथा कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग टीम के मध्य खेला गया जहाँ कला संकाय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेते हुये ०९ विकट के नुकसान पर ६५ रन बनाये वहीं कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुये ०७ ऑवर में ही ०६ विकट खोकर लक्ष्य को हांसिल कर लिया। कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग टीम से मैन ऑफ द मैच कुलदीप सिंह रहे।

4.43.7 स्व. श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट टॉफी मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स टीम के हाँथ

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के विशाल खेल परिसर में स्व. बलबीर सिंह गौतम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स टीम तथा फार्मेसी टीम के बीच खेला गया। जिसमें मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स टीम के कप्तान राजा परिहार ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स की टीम ने १५ ऑवर में १०४ रन का सामान्य लक्ष्य रखा किन्तु फार्मेसी टीम को ८४ रन पर ही ढ़ेर कर दिया एवं मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स टीम ने इस टूर्नामेंट में अपना परचम लहराकर जीत अपने नाम की।

फाईनल मैच के मुख्य अतिथि श्री विनय प्रताप सिंह चौहान कर्नल सी.ओ. 25 एम.पी. एन.सी.सी. बटालियन, अध्यक्ष डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम कुलाधिपति, विशिष्ट अतिथि आर. के. गोयत लेफ्टिनेंट कर्नल, विपिन अवस्थी चैयरमेन एंजेल ग्रुप ऑफ ऐजुकेशन, मानवेंद्र सिंह समाजसेवी, श्री पंकज रिछारिया उद्धमी, श्री सुरेंद्र सिंह परिहार ग्राम चौका, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, राजेंद्र नामदेव सहित विश्वविद्यालय का समस्त स्टॉफ, छात्र- छात्रायें, गणमान्य नागरिक एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। बारह दिन चले इस क्रिकेट टूर्नामेंट में एग्रीकल्चर संकाय टीम ए, फार्मेसी एण्ड नर्सिंग, पैरामेडीकल, साइंस एण्ड एजुकेशन, फैकल्टी ऑफ एस.के.यू., एग्रीकल्चर संकाय टीम बी., कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, डिपार्टमेंट ऑफ लॉ, मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स एवं ह्यूमिनिटीज एण्ड फाइन आर्ट टीम ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री विनय प्रताप सिंह ने खेल के महत्व को बताते हुये कहा कि खेल स्वस्थ्य शरीर एवं तेज दिमाग के लिये खेल अत्यंत आवश्यक है। आप यदि खेल खेलते हैं तो आप किसी भी विषय का आसानी से चिंतन कर सकते है। वहीं विशिष्ट अतिथि आर.के. गोयत ने बताया कि खेल खेलने वाला छात्र की बुद्धि सामान्य छात्र से अधिक होती है खेल से मन तथा शरीर का सामांजस्य बना रहता है। कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि क्रिकेट के अलावा अन्य खेल खो-खो, कबड्डी, फुटवॉल, व्हालीवाल तथा मलखम्भ जैसे खेलों का आयोजन इस विश्वविद्यालय द्वारा शैक्षणिक सत्र के दौरान आयोजित किए जाऐंगे जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकाश में उपयोगी सावित होंगे।

समापन सत्र के अवसर पर मैन ऑफ द मैच में १,१०० रु. तथा मैन ऑफ द सीरीज में २,१०० रु. की सम्मान राशि सहित ट्राफी मैनेजमेंट टीम से अनिरूद्ध प्रजापति, फार्मेसी विभाग की उपविजेता टीम को ५,१०० रु.. सहित उपविजेता ट्रॉफी कप्तान आलोक को एवं विजेता टीम को ११,००० रु. राशि सहित स्व. श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट ट्रॉफी कप्तान अश्वनी परिहार (राजा) को सम्मानित किया गया। विजेता टीम के सभी सदस्य डॉ. सुप्रिया गौतम टीम मैनेजर, अश्वनी परिहार (कप्तान), राव साहब (उप-कप्तान), अनिरूद्ध, राज शर्मा, रवि, अमरचंद, राहुल, दीपक, हर्ष, मृदुल, आदित्य, यशराज, विशाल, अभय, संदीप तथा उपविजेता टीम के खिलाड़ी श्री दीपेंद्र सिंह टीम मैनेजर, आलोक (कप्तान), विनायक (उपकप्तान) अंशुल, अमन, श्रेष्ठ, अंकित, धीरेंद्र, रामअवतार, अजय, हिमांक, रामसहाय, राज, प्रमोद, सुरेश, पुष्पेंद्र, निखिल को मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया। स्कोरर राजवीर द्विवेदी, मोहित प्रजापति, प्रशान्त मिश्रा, कमेंट्रेटर धीरज चौबे, राज वर्मा, शिव कुमार शुक्ला, कुलदीप खरे निर्णायक समिति के सदस्य अम्पायर विकाश शुक्ला, मोहित प्रजापति, शैलेंद्र वर्मा आयोजन समिति के सदस्य विवेक प्रताप सिंह, राजेश विश्वकर्मा, शिव कुमार शुक्ला, सुखदेव राजपूत, गौरव शर्मा, शिवेंद्र परमार, सचिन व्यास, आकाश सेंगर, जयंत कुमार, मोहित कुमार तथा युवराज को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

लीग मैचों के अंतर्गत इस टूर्नामेंट में भाग लेनी वाली टीम में कृषि संकाय टीम ए. तथा फार्मेसी के मध्य खेला गया जिसमें फार्मेसी टीम विजय रही। फैकल्टी ऑफ एस.के.यू. तथा पैरामेडीकल के मध्य खेला गया जिसमें फैकल्टी ऑफ एस.के.यू. विजयी रही। फार्मेसी एंड नर्सिंग तथा पैरामेडीकल के मध्य खेला गया जिसमें फार्मेसी एंड नर्सिंग विजयी रही। साइंस एण्ड ऐजुकेशन तथा फैकल्टी ऑफ एस.के.यू. के मध्य खेला गया जिसमें फैकल्टी ऑफ एस.के.यू. विजयी रही। फार्मेसी एंड नर्सिंग तथा पैरामेडीकल के मध्य खेला गया जिसमें फार्मेसी एंड नर्सिंग विजयी रही। मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स तथा कृषि संकाय टीम बी. के मध्य खेला गया जिसमें मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स विजयी रही। मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स तथा आर्ट टीम के मध्य खेला गया जिसमें मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स विजयी रही। इंजीनियरिंग एण्ड कम्प्यूटर साइंस तथा कृषि संकाय टीम बी. के मध्य खेला गया जिसमें कृषि संकाय टीम बी. विजयी रही। साइंस एण्ड ऐजुकेशन तथा फार्मेसी के मध्य खेला गया जिसमें फार्मेसी टीम विजयी रही। फैकल्टी ऑफ एस.के.यू. तथा कृषि संकाय टीम ए. के मध्य खेला गया जिसमें कृषि संकाय टीम ए. विजयी रही। पैरामेडीकल तथा कृषि संकाय टीम ए. के मध्य खेला गया जिसमें पैरामेडीकल विजयी रही। कला संकाय तथा इंजीनियरिंग एण्ड कम्प्यूटर साइंस के मध्य खेला गया जिसमें इंजीनियरिंग एण्ड कम्प्यूटर साइंस टीम विजयी रही। मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स तथा फैकल्टी ऑफ एस.के.यू. के मध्य खेला गया जिसमें मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स टीम विजयी रही। डिपार्टमेंट ऑफ लॉ एवं फार्मेसी एण्ड नर्सिंग के बीच खेला गया जिसमें फार्मेसी एण्ड नर्सिंग विजयी रही।

आयोजन समिति के प्रमुख गौरव शर्मा ने बताया कि आज से महिला क्रिकेट टूर्नामेंट आरंभ होगा। सभी विजेता एवं उपविजेता तथा खिलाडियों को विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने शुभकामनाऐं प्रेषित की।

4.43.8 महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के विशाल खेल के मैदान में स्व. श्री बलबीर सिंह गौतम स्मृति क्रिकेट टूर्नामेंट के बाद महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की महिला टीम ए. तथा महिला टीम बी. ने भाग लिया। उद्घाटन में मुख्य अतिथि श्रीमती सविता अग्रवाल प्राचार्य शासकीय लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विशिष्ट अतिथि श्रीमती भारती चौरसिया उप-प्राचार्य, श्रीमती कुंती सिंह गौतम विश्वविद्यालय संरक्षक, डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम कुलाधिपति, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव उपस्थितरहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती सविता अग्रवाल ने अपने आर्शीवचन में कहा कि महिलाओं को मायका तथा ससुराल के अलावा अपने प्रोफेसन को भी सम्भालना पड़ता है आज के समय में महिलायें काफी सक्षम हो चुकी है।

खेल आरंभ होने से पहले टीम. ए. की कप्तान अर्चना अहिरवार तथा टीम. बी. की कप्तान लवली बुंदेला की उपस्थिति में टॉस किया गया। टीम बी. ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लेते हुये ०२ विकट खोकर ९७ रन का स्कोर रखा महिला टीम ए. ने बल्लेबाजी कर १० ऑवर में केवल ६५ रन बना पायी इस प्रकार टीम बी. ३२ रन से विजयी हुयी। महिला टीम बी. से २९ रन और एक विकट लेकर मैन ऑफ द मैच मिनी बुंदेला रहीं जिन्हें मैन ऑफ द मैच ट्रॉफी सहित ११०० रू. की प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया गया। उपविजेता टीम को ट्रॉफी तथा प्रोत्साहन राशि २१०० रू. के साथ सभी महिला खिलाड़ियों को मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया। वहीं विजेता टीम बी. के प्रत्येक खिलाड़ी को मैडल के साथ स्व. श्री बलबीरसिंह गौतम महिला क्रिकेट ट्रॉफी तथा ५१०० रू. की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। महिला टीम को तैयार करने में मेघा सोनी महिला खेल अधिकारी, डॉ. सुप्रिया गौतम, पूनम चौरसिया, रैनू झां, अदिति बुंदेला की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम ए. के खिलाड़ी अर्चना अहिरवार (कप्तान), राधा अहिरवार (उपकप्तान), रितु सिंह परिहार, खुशी सिंह गौतम, रीमा अहिरवार, सीमा अहिरवार, संजना साहू, नेहा राय, हेमलता प्रजापति, अनिशा पटेल, रश्मि मिश्रा तथा टीम बी. से लवली बुंदेला (कप्तान), रितु अनुरागी (उपकप्तान), उपमा बुंदेला, मधु सिंह, रोशनी अनुरागी, साक्षी जैन, अंशुल राजा, मानसी, स्नेहा गोस्वामी, खुशनाज, अंशिका चतुर्वेदी रहे।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ने महिला क्रिकेट टूर्नामेंट का आरंभ कर बुंदेलखण्ड में एक मिशाल कायम की है जिससे क्षेत्र की महिला विद्यार्थियों को खेल जगत में अपना नाम रोशन करने का अवसर प्राप्त होगा। खेल बालिकाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। वैसे तो भारत में क्रिकेट 16वीं शताब्दी में आया। पहला क्रिकेट 1721 में खेला गया। 1848 में बंबई में पेरिस कम्यूनिटी ने पहली क्रिकेट क्लब की स्थापना की। भारतीय टीम ने 1932 में इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला। इसी दौरान विश्वभर में महिला क्रिकेट अपनी जगह बना रहा था। भारत में महिला क्रिकेट की शुरुआत 1973 में उस समय हुई जब भारतीय महिला क्रिकेट संघ स्थापना हुई। भारतीय महिला टीम ने अपना पहला मैच 1976 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला। 2006 में भारतीय महिला क्रिकेट संघ को भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड में विलय कर दिया गया।

महिला क्रिकेट टूर्नामेंट को देखने के लिए खेल का मैदान विद्यार्थियों से खचा-खच भरा रहा। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापक, शैक्षणिक, अशैक्षणिक स्टॉफ तथा छात्र – छात्रायें उपस्थित रहे। विजेता एवं उपविजेता टीम के सभी महिला खिलाड़ियों को चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने शुभकामनाऐं प्रेषित की।

4.44 विधि विभाग द्वारा मनाया गया अधिवक्ता दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी के जन्म दिवस एवं अधिवक्ता दिवस के उपलक्ष्य में मूट कोर्ट का आयोजन विधि छात्रों द्वारा किया गया। शासन म.प्र. बनाम फोटोपाल आपराधिक प्रकरण क्रमांक ४८/२०१९ अपराध धारा ३२३, 294, 506 सहपठित धारा ३४ भारतीय दण्ड संहिता १८६० का मंचन विधि विभाग के कोर्ट रूम में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, महात्मा गांधी एवं डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम में न्यायाधीश की भूमिका दृष्टि द्विवेदी द्वारा, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी स्वाती बुंदेला, अभियुक्त अधिवक्ता अनमोल चतुर्वेदी, चंचल रैकवार, आकृति सिंह, शेख साहिबा, राजेश्वरी लोधी, विवेचक विजय पटेल, चिकित्सकीय परीक्षक रामबहादुर पटेल, फरियादी अनिल कुशवाहा, अभियुक्त नीलेश पटेल, कुलदीप पाटकर, लिपिक के रूप में रचना विश्वकर्मा, हरदयाल अहिरवार, संतोष पटेल द्वारा की गयी। कार्यक्रम का निर्देशन विधि विभाग के प्राध्यापक विवेक प्रताप सिंह, माधव शरण पाठक, शैलेंद्र सिंह, राजेंद्र नामदेव, पूनम चौरसिया एवं चंद्रदीप सिंह द्वारा किया गया। मूट कोर्ट के अंत में माननीय कुलाधिपति महोदय द्वारा लोककल्याण में विधिक सेवा प्रदाय करते रहने के लिये विधि छात्रों को प्रोत्साहित किया गया। उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी द्वारा छात्रों को अपनी भाषा शैली एवं विधिक ज्ञान को निरंतर नवीनीकृत करते रहने के लिये प्रेरित किया। कार्यक्रम में आभार विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक विवेक प्रताप सिंह द्वारा किया गया।

www.skuindia.ac.in

4.45 चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल पर व्याख्यान का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनिमायक आयोग के सदस्य एवं चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल के प्रमुख डॉ. सचिन तिवारी जी ने श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर पहुंचकर चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल सैकड़ों छात्र छात्राओं को सम्बोधित किया। विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक भवन में माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, समस्त प्राध्यापक एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

डॉ. सचिन तिवारी जी ने चित्र भारती राष्ट्रीय लघु फिल्म फेस्टिबल पर होने वाले भोपाल में नवनिर्मित रविन्द्रनाथ टैगोर भवन की विस्तृत जानकारी देते हुये अपने व्याख्यान में कहा कि फिल्म समाज का आईना है। कतिपय पुरानी फिल्मों में सामाजिक विघटन को दिखाया जाता है जो भारतीय संस्कृति के अनुकूल नहीं है। समाज में घटित घटनाओं का चित्रण कथानक एवं अभिनय के माध्यम से फिल्मों में दिखाया जाता है। इसके पहले भारतीय चित्र साधना का चित्र भारती फिल्म फेस्टिबल इंदौर, दिल्ली और गुजरात में आयोजित हो चुका है। आगामी फरवरी २०२२ में भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के इस फिल्मोत्सव का यह चौथा संस्करण होगा। भोपाल में होने जा रहे तीन दिवसीय समारोह में देश भर के प्रख्यात फिल्मकार और कलाकार जुटेंगे, फिल्म का प्रत्येक संस्करण सामाजिक और राष्ट्रीय प्रासंगिकता के विषयों पर प्रविष्टियां आमंत्रित करता है। यह वर्ष भारत की स्वतंत्रता को याद करने के लिये "भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष" और 'स्वाधीन भारत के 75 वर्ष" समेत दस विषयों पर प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं, जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय ने भी भागीदारी सुनिश्चित की है।

विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि चित्र भारती फिल्म फेस्टिबल ने भारतीय परम्परा, सांस्कृतिक मूल्यों, लोककला, स्वच्छता को कैम्पस, एनीमेशन एवं शॉर्ट फिल्म के रूप में प्रस्तुत किया है। विश्वविद्यालय चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि चित्र भारती फिल्म फेस्टिबल नवयुवकों को फिल्म में कैरियर बनाने के तमाम अवसर प्रदान करता है जिनमें म्यूजिक कम्पोजर, ऐक्टिंग, स्क्रिप्ट राइटर एवं विज्ञापन के क्षेत्र में अपार संभावनाऐं है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. सचिन तिवारी जी को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने सम्मानित किया तथा आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने किया।

4.46 जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता

श्री कृष्णा विष्वविद्यालय के रा.से.यो. स्वयंसेवक तौफिक खान ने नेहरू युवा केंद्र छतरपुर द्वारा आयोजित संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडर की पुण्य तिथ के अवसर पर देष भक्ति एवं राष्ट्र निर्माण शीर्षक के तत्वाधान में महाराजा छत्रसाल बुदेलखण्ड विष्वविद्यालय छतरपुर के सभागार में - सबका साथ, सबका विकास, सबका विष्वास एवं सबका प्रयास विषय पर आयोजित जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया । उल्लेखनीय है कि तौफिक का चयन राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के लिए भी किया गया है। इस अवसर पर कुल सचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा द्वारा प्रमाण पत्र और शील्ड के साथ 5000 हजार रुपये पुरस्कार की घोषणा की गई जो नेहरू युवा केंन्द्र छतरपुर द्वारा प्रदान किए जायेगे। श्री कृष्णा विष्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेंन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट एवं कुलसचिव विजय सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेष अहिरवार ने भी स्वयंसेवक को प्रमाण पत्र देकर शुभकामनाएं दी रा.से.यो को प्रोत्साहित किया इसके अतिरिक्त सभी स्वयंसेवको को उपकुलपति गिरिष त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत तथा उपकुलसचिव डॉ. अष्विनी कुमार दुबे ने शुभकामनाए दी। इस सफलता पर उपकुलसचिव श्रीमती अल्का निगम ने भी प्रषन्नता व्यक्त की ।

4.47 शास्त्रीय नृत्य के माध्यम से बाल यौन शोषण पर दिया संदेश

कथक नृत्यांगना संचिता लाहोटी ने कर्नाटक से आकर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में कृष्ण आराधना, बाल यौन शोषण नृत्य चित्रण एवं तराना की प्रस्तुति नृत्य के माध्यम से दी। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पूजन से अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि पंकज रिछारिया, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, समस्त स्टॉफ एवं छात्र – छात्रायें उपस्थित रहे।

संचिता लाहोटी ने शास्त्रीय नृत्य कत्थक के माध्यम से पूरे भारत, दुबई, इण्डोनेशिया, अमेरिका, चेकोस्लोवाकिया तथा नेपाल देशों में बेटी बचाओ, बाल यौन शोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चित्रण कर समाज को जागरुक किया। आपकी प्रारंभिक शिक्षा कलकत्ता एवं उच्च शिक्षा कलकत्ता तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में हुयी। आपने वर्ल्ड कल्चर फैस्टिबल, कटक महोत्सव इण्डियन क्लासिकल डांस एवं म्यूजिक फैस्टिबल खजुराहो, आर्ट ऑफ लिविंग, गोवाहाटी, बांसुरी डांस फैस्टिबल में अपनी प्रस्तुति दे चुकी है वहीं आपको राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा नृत्य मयूरी, नृत्य भारती, नृत्य ज्योति, गोदावरी अकादमी, नृत्य शिरोमणी २०२१ से नवाजा गया।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिवार की ओर से चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, विशिष्ट अतिथि पंकज रिछारिया, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, ई. एस. डब्ल्यू प्रबंधन निदेशक श्रीमती वंदना दुबे ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मान किया एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने किया।

4.48 शिक्षक को चाणक्य एवं विद्यार्थी को एकलव्य की तरह होना

भारतीय शिक्षा मण्डल महाकौशल प्रांत एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, छतरपुर के संयुक्त तत्वधान में राष्ट्रीय शिक्षानीति में शिक्षकों की भूमिका विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक ०८ दिसंबर २०२१ को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय परिसर में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता माननीय श्री मुकुल मुकुंद कानिटकर जी, अखिल भारतीय संगठन मंत्री भारतीय शिक्षा मण्डल, विशिष्ट अतिथि माननीय डॉ. भरत शरण सिंह अध्यक्ष, मध्यप्रदेश विश्वविद्यालय विनिमायक आयोग भोपाल, प्रो. टी. आर. थापक कुलपति महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, डॉ. अनिल धगट कुलपति, डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम कुलाधिपति श्री कृष्णा विश्वविद्यालय सहित स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एम्बेसडर डॉ. नंदिता पाठक, कुलसचिव डॉ. जे.पी. मिश्रा एवं शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजा अर्चन के साथ हुआ। अतिथि देवो भव: की परंपरा का निर्वाहन करते हुये माननीय श्री मुकुल कानिटकर जी का पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया एवं सम्मान स्वरूप शौर्य का प्रतीक तलवार एवं शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह से चैयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम ने सम्मान किया। डॉ. भरत शरण सिंह, डॉ. टी.आर. थापक, डॉ. अनिल कुमार धगट, डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम जी का शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर विश्वविद्यालय परिवार की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस व्याख्यान कार्यक्रम में माननीय श्री मुकुल मुकुंद कानिटकर जी के कर कमलों द्वारा डॉ. अश्वनी कुमार दुबे द्वारा लिखित पुस्तक "टूल्स एण्ड टेक्निक इन बायोलॉजी" पुस्तक का विमोचन किया गया एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित लघु फिल्म "पहल", गांव खुशहाल देश खुशहाल के पोस्टर का विमोचन माननीय अतिथिगणों द्वारा किया गया। संगठन गीत, कुलगीत के उपरांत स्वागत भाषण एवं विश्वविद्यालय का परिचय चैयरमेन डॉ. पुष्पेन्द्र गौतम ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्री मुकुल मुकुंद कानिटकर जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कर्म वही है जो बंधन में न बांधे और ज्ञान वही है जो मुक्त करे अर्थात अन्य ज्ञान कारीगरी मात्र है। नई शिक्षानीति में शिक्षकों की अहम भूमिका है जिसका निर्वाहन प्रत्येक शिक्षक को करना होगी। पांच वर्ष की कठिन तपस्या और कई विद्वानों के विचारों के मंथन के फलस्वरूप यह नीति क्रियान्वयन में आई। यह लोकतांत्रकि ढंग से तैयार की गई प्रथम शिक्षानीति है इससे पूर्व की शिक्षानीति अंग्रेजी पद्धति पर आधारित थी । गुरूकुल में हमारी शिक्षा समाज पोषित थी जिसमें शिष्यों के द्वारा अपनी आमदनी का दसवां हिस्सा अपने गुरूकुल को भेंट करते थे जिससे गुरूकुल सुचारू रूप से संचालित होते थे। यदि यही परंपरा आज प्रचलित कर दी जाये तो हमारे संस्थाओं को कहीं से भी अनुदान लेने की आवश्यकता नही पड़ेगी।

नीति सरकार की नहीं राष्ट्र की होती है ६६ पृष्ठों की नवीन शिक्षानीति भविष्य में मील का पत्थर साबित होगी जिसका प्रत्येक पृष्ठ प्रत्येक व्यक्ति को यह आभाष कराता है कि यह उनके विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण नीति है। भारतीय शिक्षा मंडल की ओर से उन्नीस बिन्दु नीति आयोग को सौंपे गये थे जिसको इसमें शामिल किया गया है। आपने यह भी कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था में शिक्षक को चाणक्य की तरह और विद्यार्थी को एकलव्य की तरह होना चाहिए क्योंकि नीति शब्दों में नहीं आचरण में लाई जाती है जो सही दिशा में ले जाती है। इसका अनुसरण करते हुये हम भारत को विश्व गुरू बना सकते हैं। शिक्षा को ग्रहण करने के लिए विद्यार्थियों में श्रृद्धा का होना अतिआवश्यक है और श्रृद्धा हृदय में तब तक उत्पन्न नहीं होगी जब तक हम ब्रह्मचर्य का पालन न करें। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए ब्रह्मचर्य अर्थात इंद्रियों का नियंत्रण करना जिसमें वर्तमान समय में मोबाइल का उपयोग सीमित करना शामिल है। मोबाइल ने आज के समय में विद्यार्थियों को दिग्भ्रमित कर दिया है। शिक्षक, शिक्षक होता है वह प्रत्येक शिष्य के जीवन निर्माण की आधारशिला होता है इसलिए उनका सम्मान होना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि डॉ. भरत शरण सिंह ने नई शिक्षानीति एवं इसमें शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हमारे शिक्षकों को शैक्षणिक संस्थानों में इसके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए आपने स्वच्छता पर भी प्रकाश डालते हुये कहा कि भारत को स्वच्छ रखने के लिए भारत की जनसंख्या ही पर्याप्त है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने कहा कि शिक्षा समाज का दर्पण होता है शिक्षा से विद्यार्थियों में संस्कार एवं स्वलंबन की भावना जाग्रत होती है। नई शिक्षानीति आत्मनिर्भर भारत के लिए महत्वपूर्ण है।

प्रांत संगठन मंत्री दयानिधि उर्मलिया द्वारा कल्याण मंत्र लिया गया एवं राष्ट्रगीत श्री सिमरनजीत सिंह के निर्देशन में नर्सिंग, एजूकेशन, फार्मेसी एवं स्टेनों के छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसको सामूहिक रूप से गाया गया। आभार डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम कुलाधिपति ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने किया। कार्यक्रम उपरांत समस्त अतिथियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में बोधि वृक्ष श्री मुकुल मुकुंद कानिटकर जी, रूद्राक्ष वृक्ष डॉ. भरत शरण सिंह जी एवं शमी वृक्ष श्री दयानिधि जी द्वारा रोपित किया गया।

www.skuindia.ac.in

4.49 किचन गार्डन के पौधों का किया वितरण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के कृषि विज्ञान संकाय के छात्र- छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय के कृषि प्रक्षेत्र में विभिन्न हॉर्टीकल्चर पौधे जैसे- टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी, फूलगोभी एवं बैगन आदि की नर्सरी किचन गार्डन को बढावा एवं उसके लाभ को ध्यान में रखते हुये तैयार की गयी। सर्वप्रथम विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह की उपस्थिति में बी.एस.सी. कृषि के छात्र – छात्राओं ने पौध वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके तहत शहर की ग्रीन ऐवन्यु कॉलोनी में छात्र- छात्राओं ने टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी, फूलगोभी एवं बैगन आदि के पौधे प्रत्येक घर में अपने अपने परिचय एवं किचिन गार्डनिंग की उपयोगिता के साथ वितरित किये। प्रो. ए.पी. सक्सेना पूर्व विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान, जवाहर लाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय बांदा ने किचन गार्डनिंग की महत्वता को समझाया एवं छात्रों को मसरूम की खेती के बारे में बताया तथा मसरूम के बीज उपहार स्वरूप दिये। ग्रीन ऐवन्यु के प्रतिष्ठित नागरिक श्री पंकज रिछारिया सहित समस्त ग्रीन ऐवन्यु कॉलोनी के निवासियों ने छात्र छात्राओं की इस पहल को सराहा एवं प्रशंसा की।

उक्त कार्य में कृषि विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, विभागाध्यक्ष शिवराज सिंह सहित समस्त प्राध्यापक, समस्त छात्र – छात्रायें कृषि विज्ञान संकाय उपस्थित रहे। डॉ. आकाश सिंह ने समस्त छात्र छात्राओं के साथ कॉलोनी के निवासियों को पौध वितरण के दौरान किचन गार्डनिंग के महत्व को बताते हुये कहा कि किचिन गार्डनिंग के माध्यम सब्जियां आसानी से स्वच्छ एवं ताजा प्राप्त हो सकेंगी। यह स्वास्थ्य के दृष्टि कोण से उत्कृष्ट है ही परन्तु इसके साथ साथ हमें घर के आस-पास हरा भरा सौंदर्यपूर्ण वातावरण प्राप्त होता है।

4.50 एन.सी.सी. बटालियन में किया किचन गार्डन तैयार

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के कृषि विज्ञान संकाय के छात्रों द्वारा २५ एम.पी. एन.सी.सी. बटालियन में लगभग १०० विभिन्न हॉर्टीकल्चर पौधे जैसे- टमाटर, मिर्च, पत्तागोभी, फूलगोभी एवं बैगन आदि की नर्सरी किचन गार्डन के रूप में रोपित किये गये। ये पौधे बटालियन के कर्नल विनय प्रताप सिंह चौहान, लेफ्टिनेंट कर्नल आर. के. गोयत सहित समस्त अधिकारी एवं विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, सहायक प्राध्यापक शिवराज सिंह, शिवम नायक, अंशुल सिंह, विश्वविद्यालय एन सी सी अधिकारी गौरव शर्मा, विद्यार्थी रोहित सिंह यादव, शिवम मिश्रा, सूरज चौहान, सतीश सोनकिया, हिमांशु असाटी, रोहित पटेल द्वारा पौधे रोपे गये। इस कार्य के लिये बटालियन कर्नल, लेफ्टिनेंट कर्नल ने छात्रों का मनोबल बढ़ाया। छात्रों ने विश्वविद्यालय के कृषि परिक्षेत्र में लगाये गये सब्जियां जैसे मूली, चुकन्दर इत्यादि उपहार स्वरूप भेंट की, उन्होंने बताया कि अब हमें किचिन गार्डनिंग के माध्यम सब्जियां आसानी से स्वच्छ एवं ताजा प्राप्त हो सकेंगी। यह स्वास्थ्य के दृष्टि कोण से उत्कृष्ट है ही परन्तु इसके साथ साथ हमारी बटालियान के आस-पास हरा भरा सौंदर्यपूर्ण वातावरण होगा।

इस कार्य के लिये विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे कृषि विज्ञान संकाय के छात्र – छात्राओं को बधाईयां प्रेषित किया।

www.skuindia.ac.in

4.51 महिला यौन उत्पीड़न पर सेमीनार का हुआ आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में कार्यस्थल पर महिलाओं से छेड़छाड़ एवं यौन उत्पीड़न विषय पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई- दिल्ली के निर्देशानुसार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे सहित समस्त प्राध्यापक एवं छात्र – छात्रायें उपस्थित रहीं।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने इस अवसर पर कहा कि हमें सभ्य समाज के निर्माण के लिये अनुशासित एवं संवेदनशील रहने की आवश्यकता है। शैक्षणिक संस्थाऐं एवं जहाँ पर हम कार्य करते है वहाँ पर पारिवारिक व्यवहार, सकारात्मक माहौल उत्पन्न करता है। उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि जब हमारे आत्म सम्मान को ठैस पहुंचती है या कोई ठेस पहुंचाने का प्रयास करता है हमारे अंदर चिड़चिड़ापन आ जाता है तो हम असहज महसूस करने लगते है अच्छे सम्बंध अच्छे जीवन का परिचायक होता है परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत ने अपने जीवन के शैक्षणिक अनुभव को सांझा करते हुये बताया कि छात्र- छात्राओं में अनुशासन की भावना जीवन पर्यंत होना चाहिए जो एक अच्छे समाज और राष्ट्र निर्माण के लिये आवश्यक है। प्राध्यापक प्राणी शास्त्र एवं उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा समय- समय पर विश्वविद्यालय को इस तरह के आयोजन हेतु निर्देशित किया जाता है जिसको विश्वविद्यालय में प्रभावी तरीके से आयोजित किये जाते है। आपने बताया कि छात्र छात्राओं के साथ कोई किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटती है तो उसे अपने परिवार के सदस्य माता पिता या भाई- बहन को बताना चाहिए जिससे सकारात्मक कदम उठाये जा सकें। ऐसे कार्यक्रमों से एक वेहतर समाज के लिये दिशा मिलती है। श्रीमती रेनु झां सहायक प्राध्यापक ने प्रिजेंटेशन के माध्यम से महिला यौन उत्पीड़न पर विस्तार से बताया आपने कार्यस्थल तथा शैक्षणिक संस्थानों में यौन उत्पीड़न को रोकने के लिये या इससे बचने के लिये महत्वपूर्ण सुझाव दिये। यौन उत्पीड़न को रोकने के लिये विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उठाये जा रहे आवश्यक कदमों के बारे में भी छात्र – छात्राओं को अवगत कराया। आभार प्रदर्शन डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने किया।

4.52 राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

छतरपुर दिनांक 20/12/2021 को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सामान्य असंचारी रोगों के रोकथाम व नियंत्रण संबधी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत एक “स्वास्थ्य परीक्षण शिविर“ का आयोजन किया गया है। इस शिविर में डॉ. सुधांशु मिश्रा एवं उनकी टीम ने लगभग 180 स्वयंसेवकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। जैसे रक्त परीक्षण तथा रक्त चाप आदि रोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया एवं स्वस्थ्य रहने के कई उपाय बताए। इस परीक्षण में नर्सिंग विभाग से डॉ. दीपेश सिंह , डॉ. रश्मि चौरसिया डॉ. प्रांति चतुर्वेदी, एवं पूजा पटेल की अहम भूमिका रही। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह गौतम, चेयरमैन डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह गौतम, कुलसचिव विजय सिंह एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश अहिरवार एवं वर्षा यादव ने भी स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दी एवं प्रोत्सहित किया। इसके अतिरिक्त उपकुलपति गिरिश त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत तथा उपकुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार दुबे ने शुभकामनाएं दी एवं प्रश्नता व्यक्त की।

4.53 तीन दिवसीय कैम्पस प्लेसमेंट

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल द्वारा कैम्पस प्लेसमेंट का आयोजन दिनांक २० से २२ दिसंबर २०२१ तक किया जायेगा। इस आयोजन में बी.ए., एम.ए., बी.एस.सी., एम.एस.सी., बी.कॉम, एम.कॉम, बी.बी.ए., एम.बी.ए., बी.टेक, एम.टेक, बी.सी.ए., एम.सी.ए. सभी प्रकार के डिप्लोमा कोर्स के अंतिम कक्षा के छात्र छात्रायें भाग ले सकेंगे।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ ने तथा आत्म निर्भर बनाने के लिये हमेशा प्रयासरत रहती है इस आयोजन में पी.आई.ई. इन्फोकोम लखनऊ, बाई ओ बाई केपिटल इन्फ्रा नोयडा तथा पेप्टेक ग्रुप छतरपुर के प्रतिनिधि विश्वविद्यालय आकर छात्र छात्राओं के इंटरव्यू तथा परीक्षा लेकर चयन करेंगे।

विश्वविद्यालय चैयरमेन डॉ. पुष्पेद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने छात्र छात्राओं से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम में अपनी पूरी तैयारी के साथ सामिल हों।

4.54 कृषि संकाय द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया गया

श्री कृष्णा विश्वविघालय के कृषि संकाय द्वारा राष्ट्रीय किसान दिवस के उपलक्ष्य में सेमीनार, प्रोजेक्ट मॉडल, रंगोली प्रतियोगिता तथा निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया इस कार्यक्रम में कृषि संकाय के छात्र छात्राओ ने बढ़ चढ कर हिस्सा लिया।

सभागार में आयोजित सेमिनार में माननीय कुलाधिपति डॉ बृजेन्द्र सिंह गौतम ने अपने उदबोधन में कृषि महत्वता पर प्रकाश डालते हुये कहा कि जमीन से जुडा व्यक्ति संघर्षशील होता है देश की सवा सौ करोड से अधिक जनता को भोजन देने वाला किसान ही होता है जो सबके पेट की भूख को मिटाता है। भारत कृषि प्रधान देश रहा है जो हमारे लिए गौरव की बात है। डॉ अश्वनी कुमार दुबे विज्ञान संकायअध्यक्ष ने इस अवसर पर रोटी की महत्वता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेत में बीज डालने से लेकर थाली तक रोटी को पहुंचाने में किसानों को बहुत मेहनत करनी पडती है इसलिए हमें रोटी का सम्मान करना चाहिए तथा भोजन को बर्बाद होने से बचाने का प्रयास करना चाहिए डॉ आाकश सिंह कृषि विज्ञान संकायअध्यक्ष ने ग्रीन हाउस प्रभाव पर विस्तार से जानकारी दी एवं विश्वविघालय में ग्रीन हाउस बनाने का प्रस्ताव दिया इस अवसर पर कृषि संकाय की छात्रा खुशी पाठक रूचि यादव, रोशनी पटेल शुभम मिश्रा ने अपनी कविताओं के माध्यम से किसानों की स्थिति पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर आयोजित प्रतियोगताओं में प्रोजेक्ट में प्रथम इलेक्ट्रिक फार्मिग में मोहित कुशवाहा द्वितीय इंटीग्रेडिट फार्मिग सिस्टम में रितु सिंह तृतीय में किचिन गार्डन में पंकज पटेल एवं डिप इरीगेशन में शुभि पटेल ने अपना स्थान बनाया। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम निशा जोशी द्वितीय प्रिया ओझा एवं तृतीय स्थान चंचल सेंगर ने प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम संजना भास्क्र द्वितीय संस्कृति चौरसिया एंव तृतीय स्थान सनिधि खरे ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम आस्था राजे द्वितीय अनुभव असाटी एवं तृतीय स्थान संस्कृति चौरसिया ने प्राप्त किया

कृषि संकाय के द्वारा माननीय कुलाधिपति डॉ बृजेन्द्र सिंह गौतम का पौधा उपहार स्वरूप देकर सम्मानित डॉ आकाश सिंह शिवम नायक आशीष खरे संतोष पटेल अंशुल प्रताप सिंह राहुल दीक्षित शिवराज सिंह सहित सभी सदस्यों ने किया

आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ अश्वनी कुमार दुबे ने किया।

4.55 एन.सी.सी. २५ बटालियन ने जीता मैत्री क्रिकेट मैच

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में दिनांक २४ दिसंबर २०२१ को विश्वविद्यालय के विशाल खेल के मैदान में एन.सी.सी. २५ बटालियन और फैकल्टी एस.के.यू. टीम के मध्य मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन विश्वविद्यालय के सौजन्य से किया गया। एन.सी.सी. २५ बटालियन, छतरपुर टीम के कप्तान वी. के. एस. चौहान एवं श्री कृष्णा विश्ववद्यालय की फैकल्टी टीम के कप्तान डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम के सामने एम्पायर मोहित ने टॉस किया जिसमें एन.सी.सी. २५ बटालियन, छतरपुर टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। २५ एम.पी. एन.सी.सी. बटालियन से कर्नल वी.के.एस. चौहान (कप्तान), मनोज कुमार (उप-कप्तान), सतीश कुमार, पिंका सिंह, रवि कुमार, संदीप सिंह, संदीप कुमार अहिरवार, रवि सिंह, राज कुमार, हृदेश कुशवाहा, राजेंद्र कुशवाहा, चंद्र प्रकाश, दिनेश पटेल, नरेश कुशवाहा, बृजेंद्र तथा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय फैकल्टी टीम से कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम (कप्तान), गिरीश त्रिपाठी, विजय सिंह, डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, सचिन व्यास, रमेश प्रभाकर, गौरव शर्मा, विवेक प्रताप सिंह, शिवेंद्र सिंह, शशांक गर्ग, मानवेंद्र सिंह, दीपेंद्र सिंह, अश्वनी सिंह, शिवकुमार शुक्ला रहे। उप विजेता टीम के अंतिम खिलाड़ी डॉ. अश्वनी कुमार दुबे नॉट आउट रहे।

श्री कृष्णा विश्ववद्यालय की फैकल्टी टीम ने ९१ रन का स्कोर दिया जिसे एन.सी.सी. २५ बटालियन ने बेहतरीन बल्लेबाजी से मैच ०२ विकट से जीता। मैन ऑफ द मैच कैडेट रवि सिंह रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. गोविंद सिंह संस्थापक कुलपति श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि डॉ. अरविंद महलोनिया क्रीड़ा अधिकारी महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर, मानसिंह बैस बॉल विशेषज्ञ, विनय प्रताप सिंह, डॉ. बी.एस.राजपूत परीक्षा नियंत्रक, डॉ. आनंद चौरसिया प्राचार्य फार्मेसी, मेघना मिश्रा एवं सुप्रिया गौतम रहीं। इस टूर्नामेंट में राजवीर द्विवेदी एम्पायर की भूमिका में मोहित प्रजापति, प्रशान्त मिश्रा एवं आंखो देखा हाल धीरज चौबे ने बड़े ही रोचक ढंग से बताया। कुलाधिपति महोदय के अनुसार खिलाड़ियों को प्राप्त प्रोत्साहन राशि से विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया जायेगा।

4.56 विभाग द्वारा मनाया गया उपभोक्ता दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के विधि विभाग द्वारा आज दिनांक- २४ दिसंबर को उपभोक्ता दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर के तत्वाधान में विधिक सहायता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सहायता प्राधिकरण छतरपुर के सचिव श्री अनिल पाठक, कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलसचिव श्री विजय सिंह, विशिष्ट अतिथि जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, विभागाध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक चंद्रदीप सिंह द्वारा प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात विधि विभाग के तृतीय सेमेस्टर की छात्रा स्वाती बुंदेला द्वारा विधिक सहायता के कानूनी प्रावधानों की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में उपभोक्ता संबंधी प्रावधानों की प्रस्तुति सहायक प्राध्यापक माधव शरण पाठक द्वारा दी गयी। जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेश पटेल द्वारा जिला विधिक सहायता प्राधिकरण द्वारा प्रदाय की जाने वाली सेवाओं का विस्तार से विषय रखा गया। मुख्य वक्ता के रूप में जिला विधिक सहायता प्राधिकरण के सचिव अनिल पाठक द्वारा विधिक सहायता के माध्यम से सिविल, आपराधिक तथा महिलाओं संबंधी अपराधों के संबंध में विस्तार पूर्वक आलेख प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन विधि विभाग सहायक प्राध्यापक शैलेंद्र सिंह द्वारा एवं आभार विभागाध्यक्ष विधि विभाग विवेक प्रताप सिंह ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय शैक्षणिक स्टॉफ, विधि विभाग छात्र छात्राऐं एवं सामान्य जन उपस्थित रहे।

4.57 सुभाष चंद्र बोस के व्यक्तित्व पर हुआ नाट्य मंचन

सुभाष चन्द्र बोस की जयन्ती वर्ष के अंतर्गत वर्ष 2021-22 पराक्रम वर्ष के रूप में पूरे भारत में मनाया जा रहा है। आज श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में कला मानविकी कला संकाय द्वारा एक नाटक का मंचन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्विद्यालय के कुलाधिपति डॉ. ब्रजेन्द्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी. एस. राजपूत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम माननीय अतिथियों के द्वारा ज्ञान की देवी माँ शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया।

सुभाष चन्द्र बोस के द्वारा देश को स्वतंत्र कराने के लिए आज़ाद हिंद फौज का गठन किया गया। नवयुवाओं को जागरूक करते हुए 'तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा' का नारा दिया गया। नेता जी के जीवन संघर्ष की गाथा का अभिनय के द्वारा सजीव चित्रण किया गया। जिसमें अभिनय के माध्यम से पात्रों ने नेता जी के राष्ट्रप्रेम, देशहित में किये गए उनके सराहनीय योगदान, त्याग, समर्पण को बखूबी ढंग से व्यक्त किया है। सभागार में उपस्थित सभी दर्शकों ने अभिनय की प्रशंसा करतल ध्वनि से की।

इस कार्यक्रम के समन्वयक विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग डॉ. आशीष कुमार तिवारी एवं संयोजक सहायक प्राध्यापक समाजशास्त्र डॉ. नीना चौरसिया रही।

नाटक में अभिनय करने वाले छात्र-छात्राऐं अनमोल, कमलेश, नरेन्द्र, अजयराज, दिग्विजय, रवि, महेंद्र, राहुल, रामरतन, तौफिक खान, रागनि, ऋतु, मानसी, योग्यता, राधिका और तस्लीम थे।

इस कार्यक्रम में विश्विद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

4.58 भारत देश के सभी नागरिकों को सैनिक शिक्षा अनिवार्य

भारत देश के सभी नागरिकों को सैनिक शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। ऐसा संयुक्त कथन था २५ एम.पी. एन.सी.सी. बटालियन छतरपुर के कर्नल विनय प्रताप सिंह चौहान तथा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम का। अवसर था श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित भारतीय सेना में रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित व्याख्यान का।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीपप्रज्वलन कर आरंभ हुआ। इसके पश्चात विश्वविद्यालय की परंपरा के अनुसार समस्त अतिथियों का स्वागत सम्मान हुआ। इस अवसर पर कर्नल विनय प्रताप सिंह चौहान के साथ विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, सूबेदार मेजर कुलवंत सिंह, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज की। कर्नल विनय प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान पावर पाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

www.skuindia.ac.in

अपने व्याख्यान के दौरान कर्नल चौहान ने कहा कि हमारे देश की सुरक्षा के लिये घातक तत्व आंतरिक एवं वाह्य दोनों प्रकार के होते हैं। दोनों प्रकार के खतरों से देश को सुरक्षित रखने में सेना का महत्वपूर्ण योगदान होता है। सेना देश के बॉर्डर पर दुश्मनों से सामना करती है वहीं आंतरिक प्राकृतिक आपदाओं तथा अन्य संकटों से देश को बचाने का कार्य करती है। इसीलिए भारतीय सेना में जगह पाना एक व्यक्ति के लिये गर्व एवं सम्मान की बात है। उन्होंने अपने व्याख्यान में भारतीय सेना में शामिल होने के लिए आवश्यक सभी प्रकार की परीक्षाओं के बारे में अवगत कराया। अपने प्रजेंटेशन में उन्होंने सिल-सिलेवार बताया कि उपरोक्त परीक्षाओं के फॉर्म किन- किन वेबसाईटों के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते हैं तथा वर्ष भर में किन किन माह में इन परीक्षाओं का संचालन होता है। उन्होंने इन परीक्षाओं की तैयारी कैसे करें इस पर भी बड़े विस्तार से समझाया। कर्नल चौहान के अनुसार एन.सी.सी. के सी.प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात इन परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना और भी अधिक आसान हो जाता है। कई सेना परीक्षाओं में तो एन.सी.सी. उपरांत स्पेशल एंट्री का प्रावधान भी है। उन्होंने भारतीय सेना में उपलब्ध रोजगार के विभिन्न सेक्टरों की विस्तृत चर्चा भी की।

विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है कि भारत कारगिल युद्ध के साक्ष्य कर्नल विनय प्रताप सिंह चौहान ने विश्वविद्यालय के सभागार में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रबंधन शीघ्र ही भारतीय सेना प्रमुख को आधिकारिक निवेदन प्रेषित करेगा कि भारतीय सेना के वे सदस्य जो किसी भी कार्यवश शहीद हुये हों उनके बच्चों को विश्वविद्यालय नि:शुल्क उच्च शिक्षा प्रदान करेगा। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा कि विश्वविद्यालय का कोई भी शैक्षणिक, अशैक्षणिक कर्मचारी यदि टैरिटोरियल आर्मी ऑफीसर के रूप में देश सेवा करना चाहेगा तो विश्वविद्यालय उस अंतराल तक विश्वविद्यालय की तरफ से देर सम्पूर्ण वेतन प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को भी सैनिक शिक्षा अनिवार्य कर देनी चाहिए इसके दो फायदे हैं पहला नागरिकों में अनुशासन एवं देश भक्ति की भावना जागृत होगी, दूसरा आकस्मिक युद्धों में विकल्प के तौर पर दूसरी पंक्ति के सैनिकों की उपलब्धता भी बढ़ेगी। अपने उद्बोधन के अंत में उन्होंने कर्नल चौहान से निवेदन किया कि उनकी तीन पीढ़ियों से सेवारत परिवार के उनके समकालीन राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित नियुक्ति पत्र की प्रतियां विश्वविद्यालय को प्रदान कर दी जाऐं जिससे यह स्मृति पत्र सभी विद्यार्थियों में देश प्रेम तथा भारतीय सेना में भर्ती होने की प्रेरणा भर सकें।

कार्यक्रम कें अंत में कर्नल चौहान को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ऐशान्या खरे के द्वारा किया गया। इस व्याख्यान के अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक, अशैक्षणिक स्टॉफ सहित सभी छात्र छात्राऐं उपस्थित रहे।

4.59 कृषि संकाय द्वारा किया गया फ्रेशर पार्टी का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में आज कृषि संकाय द्वारा फ्रेशर पार्टी २०२१-२२ का आयोजन किया गया कार्यक्रम मुख्य अतिथि कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह, विभागाध्यक्ष श्री शिवराज सिंह, सहायक प्राध्यापक श्री शिवम नायक, श्री अंशुल सिंह, श्री आकाश खरे, श्री राहुल दीक्षित, संतोष पटेल सहित समस्त प्राध्यापक एवं कृषि संकाय के समस्त छात्र- छात्रायें उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीपप्रज्ज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम आयोजन मण्डल में सतीश सोनाकिया, शशांक सिंह, शुभम मिश्रा, आरती अहिरवार, अंशिका चतुर्वेदी , अनन्या राजा, सीमा राजपूत की भूमिका रही। साथ ही साथ कार्यक्रम का संचालन आंशिक चतुर्वेदी, आरती अहिरवार, अभय गिरी एवं शुभम मिश्रा ने वाखुवी किया। इसी क्रम में स्पीच सनिधि खरे ने एकल नृत्य- पिंकी मंडल, सीमा राजपूत ने, सांस्कृतिक नृत्य शशि अहिरवार ने समूह नृत्य - निशा ,सोनम , सुभायना ने नृत्य - शिवेश वर्मा - सेजल निगम, सीमा राजपूत, शशि अहिरवार, निशा जोशी, संजना भास्कर, सनिधि खरे, आशीष तिवारी, नीरज नायक ने कॉमेडी- आशुतोष दीक्षितने एवं गायन- आस्था, अभय गिरि ने प्रस्तुत किया।

साथ ही साथ बोलिडियर्स के रूप में - प्रशांत तिवारी, गौरभ सोनकिया, कृष्णा पाठक, गौरव परमार, अशोक कुशवाहा, जतिन यादव, यश, मोनू राठौर उपस्थित रहे। गिफ्ट वितरण अनन्या राजा, सतीश सोनकिया, शुभम मिश्रा के द्वारा समस्त स्टॉफ को किये गये। लंच पैकिंग में भाग्यश्री वर्मा, महिमा पटेल, तुलसा, राज परमार, प्रशांत तिवारी, सपना पाठक की भूमिका रही। एवं फूड मैनेजमेंट सतीश सोनकिया ,प्रशांत तिवारी,अमन, सिंह घोष,शशांक सिंह,गौरव सोनकिया, शिवेश वर्मा के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में मिस्टर फ्रेशर आशीष तिवारी और मिस फ्रेशर सनिधि खरे को बनाया गया।

www.skuindia.ac.in

4.60 मैडल फॉर पैडल का आयोजन

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों के सर्वगींण विकास हेतु श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के प्रांगण में आज साइकिल रेस मैडल फॉर पैडल का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कर्मठ, लगनशील एवं घुमंतु जाति के प्रांत प्रमुख श्रीमान भालचंद्र नातू जी एवं विशिष्ट अतिथि थाना यातायात प्रभारी श्रीमती माधवी अग्निहोत्री, सूबेदार यातायात पुलिस श्री गलेन्द्र नागेश जी, विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलन करके किया गया। स्वागत भाषण कुलसचिव, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान भालचंद्र नातू जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल सर्वागीण विकास में प्रमुख होते हैं। शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ खेलों का आयोजन समय-समय पर शिक्षण संस्थाओं में होते रहना चाहिए। विश्वविद्यालय के विशाल प्रांगण को देखते हुये कहा इस विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के पाठ्यक्रम के साथ खेल के भी विशेष अवसर हैं जिनमें छात्र-छात्राओं को यहां के प्राध्यापकों द्वारा अवसर प्रदान किया जाता है। विशिष्ट अतिथि श्रीमती माधवी अग्निहोत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल पाठ्यक्रम का एक विशेष हिस्सा होता है जिससे छात्रों का शारीरिक विकास होता है। अतिथि श्री गलेन्द्र नागेश ने कहा कि महान दार्शनिक अरस्तु ने कहा है कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क रहता है। खेल को खेल की भावना से खेला जाना चाहिए।

साइकिल रेस प्रतियोगिता का प्रारंभ मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने हरी झंडी दिखाकर किया। साइकिल रेस के लिए छात्रों के ६ समूह बनाये गये जिसमें ६-६ छात्र रहे। प्रत्येक समूह से प्रथम स्थान प्राप्त करके क्रमश: जयंत सेन, मनोज अहिरवार, राजिक खान, उमेश, दीपक सिंह एवं रामजी सिंह फाइनल रेस में पहुंचे। साइकिल रेस में छात्राओं के चार समूह बनाये गये जिसमें प्रत्येक समूह में ५-५ छात्राऐं रहीं इसमें क्रमश: प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्राऐं प्रिंसी व्यास, सपना विश्वकर्मा, कीर्तिराज बुंदेला, रश्मी मिश्रा एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राऐं सोफिया बानो, ऋतु अनुरागी, दीक्षा यादव और सपना भास्कर रहीं। फाइनल रेस में छात्रों में प्रथम स्थान राजक खान द्वितीय स्थान जयंत सेन तथा तृतीय स्थान मनोज अहिरवार ने प्राप्त किया एवं छात्राओं के फाइनल रेस में प्रथम स्थान रश्मी मिश्रा द्वितीय स्थान सपना कुशवाहा और तृतीय स्थान दीक्षा यादव ने प्राप्त किया। साइकिल रेस में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अतिथियों द्वारा मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया एवं कार्यक्रम के अतिथियों को विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कुंलसचिव श्री विजय सिंह ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. निहारिका तिवारी सह-संयोजक डॉ. नीना चौरसिया, समन्वयक डॉ. आशीष कुमार तिवारी एवं कार्यक्रम की आयोजन समिति में डॉ. दिनेश मिश्रा, श्री शिवेन्द्र सिंह, श्री सचिन व्यास, श्री मोहित कुमार, श्री गौरव शर्मा, श्री कुलदीप खरे एवं श्री अभिषेक पाठक रहे। इस कार्यक्रम में समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष तिवारी एवं आभार गणित विभागाध्यक्ष डॉ. निहारिका तिवारी द्वारा किया गया।

4.61 15 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों का हुआ वैक्सीनेशन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में म.प्र. शासन के निर्देशानुसार १५ से १८ वर्ष के विद्यार्थियों के लिये उपस्वास्थ्य केंद्र चौका जिला छतरपुर की वैक्सीनेशन टीम के साथ कैंप का आयोजन किया गया। वैक्सीनेशन टीम में सचिव अरविंद कुमार अहिरवार, एम.पी.डब्ल्यू अखलेश कुमार खरे, सहायक सचिव मलखान सिंह सेंगर, आशा सुपरवाईजर मंजुलता गंगेले, आशा कार्यकर्ता संगीता सिंह, ए.एन.एम. मुन्नी अहिरवार ने विश्वविद्यालय आकर भारत सरकार एवं म.प्र. सरकार के कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुये १५ से १८ वर्ष की उम्र के छात्र छात्राओं का वैक्सीनेशन किया।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने विश्वविद्यालयीन छात्र छात्राओं एवं जनमानस से अपील की है कि जिनका अभी तक वैक्सीनेशन नहीं हुआ है वो वैक्सीनेशन केंद्र में जाकर अपने उन बच्चों को जिनकी आयु १५ वर्ष से अधिक हो गयी है वैक्सीन जरूर लगवायें। जब तक कोविड का कोई सकारात्मक उपचार नहीं मिलता तब तक वैक्सीनेशन ही एक बचाव है। कैम्प प्रभारी डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव ने बताया कि इस कैम्प में 09 विद्यार्थियों का वैक्सीनेशन किया गया।

4.62 फार्मेसी विभाग द्वारा मनायी गयी फ्रेशर पार्टी

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में बी. फार्मा तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं ने प्रथम सेमेस्टर के छात्र छात्राओं के लिये फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत शिवानी तिवारी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत, प्राध्यापक राजनीति विभाग डॉ. दीपा कुशवाह, संकायाध्यक्ष डॉ. आनंद चौरसिया, विभागाध्यक्ष श्री दीपेंद्र सिंह, सह. प्राध्यापक श्री अभिषेक पाठक, सहा. प्राध्यापक श्री राममिलन विश्वकर्मा, कु. हिमांशी सोनी, श्री नीलेश अनुरागी उपस्थित रहे।

www.skuindia.ac.in

कार्यक्रम में मुख्य प्रस्तुति समूह नृत्य आकाश पाण्डेय, अमन तिवारी, मनु बबेले, हेमराज, दिव्यांश दुबे ने एकल नृत्य राधा अहिरवार, अरपिता मिश्रा, प्रिया सोनी, प्रतिक्षा सिंह, देवेश दुबे ने एवं गायन आदर्श मिश्रा नाटक आकाश पाण्डेय, प्रिया सोनी, अर्पिता, प्रतिक्षा सिंह, रिचा जैन, दिव्यांश द्विवेदी, हेमराज ने प्रस्तुत किया।

मिस्टर फ्रेशर – आदर्श मिश्रा, मिस फ्रेशन – शिवानी तिवारी बनाये गये। कार्यक्रम का संचालन नवनीत चौरसिया, आशुतोष द्विवेदी, कृति उपदेश अहिरवार के द्वारा किया गया।

4.63 नेताजी सुभाष चंद्र बोस विषय पर भाषण प्रतियोगिता

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के नवीन भवन में अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में "नेताजी सुभाष चंद्र बोस" विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें तौफिक खान, महेंद्र कुशवाहा, रविन्द्र पटेल, हेमंत नामदेव, प्रसून विदुआ, उत्कर्ष बिलथरे, कीर्ति राजा बुंदेला, कपिल नरेश द्विवेदी ने भाग लिया। प्रतिभागियों में कड़ी प्रतियोगिता के पश्चात तौफीक खान ने प्रथम स्थान, उत्कर्ष विलथरे ने द्वितीय स्थान एवं कीर्ति राजा बुंदेला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. महेश अहिरवार, श्री राजकुमार चौरसिया तथा श्री विकास गुप्ता, आयोजक मण्डल में डॉ. जयंत कुमार, रामप्रसाद रजक तथा डॉ. आशीष कुमार तिवारी रहे जबकि आदर्श भाषण – डॉ. विजय कुमार चतुर्वेदी तथा डॉ. जयंत कुमार ने दिया इसके अतिरिक्त श्री बलराम गुप्ता, श्रीमती भुमानी देवी, श्रीमती गुंजन निगम, श्रीमती वंदना शुक्ला, श्रीमती सत्यवती चौरसिया एवं समस्त छात्र – छात्रायें उपस्थित रहे।

4.64 विश्वहिन्दी दिवस पर हुआ व्याख्यानमाला का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के नवीन भवन में स्थापित हिन्दी विभाग में विश्व हिन्दी दिवस पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसमें कला संकाय एवं विज्ञान संकाय के समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र छात्राऐं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ छात्राओं द्वारा माँ सरस्वती की वंदना से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने हिन्दी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप पर प्रकाश डालते हुये कहा कि हिन्दी हमारे लिये राष्ट्रीयता का प्रतीक है उसमें राष्ट्र की आकांक्षाओं को वाणी प्रदान करने की अद्भुत सामर्थ है विशाल शब्द सम्प्रदा हिन्दी के पास है वह संस्कृत से उत्पन्न है इसलिये नये-नये शब्दों के निर्माण का कौशल उसके पास है। विश्वस्तर पर हिन्दी स्वयं को सिद्ध कर चुकी है। विश्व के लगभग १५० विश्वविद्यालयों में हिन्दी का अध्ययन अध्यापन किया जा रहा है। हमें अपना व्यक्तित्व हिन्दीमय बनाना होगा जिससे हम हिन्दी की अस्मिता और उसकी अंत: शक्ति की पहचान विश्व स्तर पर करा सकें।

हिन्दी विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती वंदना शुक्ला ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिन्दी भाषा का साहित्य अत्यंत समृद्ध है उसके प्रति हमारी श्रद्धा की अभिव्यक्ति हमारे प्रत्येक क्रिया कलाप से होनी चाहिए। निष्पक्ष भाव से हिन्दी की सेवा करने का संकल्प ही हमारा मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

राजनीति विज्ञान की सहायक प्राध्यापक श्रीमती भुमानी बाई ने अपने वक्तव्य में कहा कि विश्व भाषा के रूप में पहचान बनाने के लिये हिन्दी अब पारस्परिक रीति रिवाज से हटकर विज्ञान, प्रौद्योगिकी, व्यापार प्रबंधन आदि हर क्षेत्र में अपनी दस्तक दे रही है।

संस्कृत विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती सत्यवती चौरसिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हिन्दी एक भाषा मात्र नहीं अपितु एक संस्कृति है, संस्कार है जिसका फलक विश्वस्तरीय व्यापकता से परिव्याप्त है। इस कार्यक्रम में सहायक प्राध्यापक डॉ. जयंत कुमार, डॉ. महेश कुमार, डॉ. विजय चतुर्वेदी, राजकुमार चौरसिया, राम कुमार रजक, विकास गुप्ता, सुनील चौरसिया, गुंजन निगम एवं समस्त छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

www.skuindia.ac.in

4.65 सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर अवस्थी ने विधि की पुस्तकें दान की

एडवोकेट स्व. आर.डी. अबस्थी की स्मृति में सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर अवस्थी ने विधि की पुस्तकें केंद्रीय पुस्तकालय श्री कृष्णा विश्वविद्यालय को दान की। अच्छे मित्र, अच्छी किताबें और साफ अंत:करण यही आदर्श जीवन है पुस्तकों का वाचनालय को दान एक श्रेष्ठ धर्म की तरह है और किताबे एक ऐसा उपहार है जिसे आप बार – बार खोलते हैं एवं यह उपहार छात्र छात्राओं को एक नई दिशा प्रदान करता है।

एडवोकेट स्व. आर.डी. अबस्थी की स्मृति में सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर अवस्थी के द्वारा विधि की ५४७ पुस्तकें जिनमें ए.आई.आर., क्रिमनल लॉ जनरल, प्रिवीकॉउंसिल के निर्णय, मध्यभारत, विंध्य प्रदेश एवं महाकौशल प्रांत के निर्णय संग्रह एवं अन्य कानून की पाठ्य पुस्तकें एवं शोध पत्रिकाऐं उपहार स्वरूप केंद्रीय वाचनालय, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय को दान की। इन पुस्तकों के अध्ययन से विधि संकाय के छात्र छात्रायें लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय द्वारा सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुधीर अवस्थी को धन्यवाद पत्र भेंटकर उनको सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत, मुख्य ग्रन्थपाल डॉ. तोरण साहू, विधि विभाग सहायक प्राध्यापक श्री विवेक प्रताप सिंह, श्री शैलेंद्र सिंह, श्री माधवशरण पाठक, श्रीमती पूनम चौरसिया, श्री चंद्रदीप सिंह, सहायक ग्रंथपाल कु. स्वाति अरजरिया एवं समस्त विश्वविद्यालय परिवार ने आभार व्यक्त किया।

4.66 स्वामी विवेकानंद मनायी गयी जयंती

बुंदेलखण्ड के प्रतिष्ठित श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में सूर्य नमस्कार, योगाभ्यास तथा स्वामी विवेकानंद की जीवनी पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन कोविड नियमों का पालन करते हुये सभागार में किया गया। विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने स्वामी विवेकानंद जी की जीवनी एवं उनके आदर्शो की व्याख्या की, प्रो. बी.एस.राजपूत ने योग के महत्व एवं योग की विभिन्न क्रियाओं जैसे अंग संचालन, अनुलोम विलोम, प्रणायाम पर प्रकाश डाला। डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने सूर्य नमस्कार की मुद्राओं के महत्व को बताया और कहा कि हमें स्वस्थ रहने के लिये सूर्य नमस्कार को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए इस अवसर पर श्रीमती रेनू झां के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम जिसमें युवा नाटक प्रस्तुत आदित्य प्रताप सिंह भदौरिया, देवेश दुबे, अर्जुन यादव, युवराज सिंह चौहान, शुभम मिश्रा, सतीश सोनकिया, आशीष तिवारी, अनिकेत, हरिओम मिश्रा, अमन सिंह घोष, रीमा वर्मा, संजना साहू, आशीष मिश्रा, अंकित सेंगर नृत्य मेघा तिवारी, रोशनी अनुरागी, द्रष्टि द्विवेदी, तौफीक खान रहे, बेटी बचाओं पर नाटक राधिका, रागिनी, आशीष, ऋतु यादव, वविता, विनिता, ऋतु अनुरागी, सोफिया, संध्या, प्रीति, मानसी, योगिता, अनिल ने प्रस्तुत किये।

डिपार्टमेंट ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स में कोलाज कंपटीशन का भव्य आयोजन कराया गया इस कोलाज कंपटीशन में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभाग फार्मेसी, इंजीनियरिंग, विधि, कला संकाय, मैनेजमेंट, कॉमर्स, साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन से छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कला का प्रदर्शन किया यह कोलाज कंपटीशन का थीम एक भारत श्रेष्ठ भारत था जिसमें छात्र-छात्राओं ने अपने कल्पना के अनुसार विभिन्न कलाकृति को कोलाज के द्वारा प्रदर्शित किया युवा दिवस के उपलक्ष में छात्रों में जोश भरपूर था एवं स्वामी विवेकानंद के जीवन को अपने जीवन में आत्मसात करना चाहते थे कंपटीशन का संचालन विभाग के डॉ. सुप्रिया गौतम, मयूरी सिंह, अनुप्रिया नामदेव, सचिन चौरसिया, कमलेश अहिरवार, पंकज गुप्ता के द्वारा कराया गया और निर्णायक मंडली में डॉ. आकाश सिंह, डॉ. आशीष तिवारी, श्री दीपेंद्र सिंह बुंदेला एवं अदिति बुंदेला शामिल रहे विजेता के नाम कुछ इस प्रकार है प्रथम विजेता फार्मेसी विभाग प्रथम सेमेस्टर के छात्रों के द्वारा जीता गया जिनकी टीम में आकाश पांडे, हेमराज पाल, दिव्यांश बुंदेला, देवांक दुबे, रिचा जैन, अर्पिता मिश्रा रही, द्वितीय पुरस्कार बी फार्मा फर्स्ट सेमेस्टर सोबिक हाशमी, साक्षी यादव, राधा अहिरवार, अमन तिवारी, मनु बबेले के द्वारा जीता गया, तृतीय पुरस्कार विधि विभाग के छात्रों के द्वारा जीता गया जिनकी नाम राम गौर, दीपक तिवारी, आकाश गौतम, गजराज प्रजापति एवं संदीप रहे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, डॉ. आनंद चौरसिया प्राचार्य फार्मेसी विभाग, डॉ. नीना चौरसिया, कु. अनामिका चौरसिया, श्री गौरव शर्मा, कु. मेघा सोनी सहित अन्य प्राध्यापक एवं छात्र – छात्राऐं उपस्थित रहे।

4.67 नेताजी सुभाषचंद्र बोस पराक्रम दिवस पर काव्य गोष्ठी

नेताजी सुभाष चंद्र बोस "पराक्रम दिवस" के उपलक्ष्य में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न संकाय के छात्रों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माँ वीणा वादिनी के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई तत्पश्चात छात्र छात्राओं ने गीत, ग़ज़ल, कविताएं प्रस्तुत की निर्णायक समिति में डॉ० आशीष कुमार तिवारी, श्री सचिन व्यास एवं श्री विवेक सिंह जी रहे। प्रतिभागी छात्रों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान क्रमशः कमलेश प्रजापति बी.ए. बी.एड. पंचम सेमेस्टर, अनमोल चतुर्वेदी बी.ए.एल.एल.बी. तृतीय सेमेस्टर, अदिति चौरसिया बी्.ए. द्वितीय सेमेस्टर ने प्राप्त किया कार्यक्रम का संचालन डॉ० अश्विनी कुमार दुबे उप कुलसचिव जी ने किया।

4.68 रोको-टोको जागरूकता अभियान

श्री कृष्णा विश्विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं एवं विश्विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी सहित शैक्षणिक स्टॉफ ने महाराजा छत्रसाल चौराहे पर रोको टोको जागरुकता रैली के अन्तर्गत बिना मास्क के घूमते हुए व्यक्तियों को मास्क वितरित करते हुए उन्हें कोरोना संक्रमण के बारे में भी अववत कराया। इस अभियान में रा.से.यो. कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश चंद्र अहिरवार, कु. वर्षा यादव, सहा. प्राध्यापक श्रीमती रेनू झा सहित अन्य स्टॉफ मौजूद रहा।

4.69 मशरूम उत्पादन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला के संयोजक श्री विजय सिंह कुलसचिव एवं आयोजक सचिव डॉ. आकाश सिंह संकायाध्यक्ष कृषि विज्ञान संकाय, सह-आयोजक सचिव श्री शिवराज सिंह, कृषि संकाय, समन्वयक डॉ. सुप्रिया गौतम प्रबंधन विभाग एवं समन्वयक श्री शिवेन्द्र सिंह परमार रसायन विज्ञान विभाग एवं मुख्य वक्ता श्री देवेन्द्र सिंह (पी.एचडी. स्कालर बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झाँसी) रहे।

विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम जी ने मशरुम उत्पादन को बुंदेलखंड के लिए एक अवसर के रूप में बताया एवं माननीय कुलपति डॉ. अनिल धगट जी ने मशरूम के विभिन्न प्रकारों के बारे में छात्र / छात्राओं को बताया इसके बाद माननीय उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी जी मशरुम की पोषकता के बारे में विस्तृत चर्चा की। एवं माननीय उपकुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार दुबे जी नें छात्र /छात्राओं को मशरूम की खेती के बारे में जानकारी दी।

मुख्य वक्ता श्री देवेन्द्र सिंह जी नें मशरूम कें उत्पादन के तरीके एवं समस्याओं जैसे मार्केटिंग, स्टोरेज तथा इसमें लगने वाले रोगों पर विस्तृत चर्चा की। एवं मशरुम की खाई जानें वाली प्रजातियों जैसे बटन मशरूम, ऑस्टर मशरूम आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला में कृषि विज्ञान संकाय से श्री शिवम नायक (शस्य विज्ञान विभाग), श्री अंशुल प्रताप सिंह (पादप रोग विज्ञान विभाग), श्री आकाश खरे (शस्य विज्ञान विभाग), श्री संतोष पटेल (अनुवांशिकी पादप प्रजनन विभाग), श्री राहुल दीक्षित (कीट विज्ञान विभाग), श्री रविकांत विश्वकर्मा एवं समस्त छात्र/ छात्रा उपस्थित रहे।

कार्यशाला का समापन आयोजक सचिव डॉ. आकाश सिंह (संकायाध्यक्ष कृषि विज्ञान संकाय) के द्वारा समस्त माननीय गणमान्यों का धन्यवाद देकर किया गया।

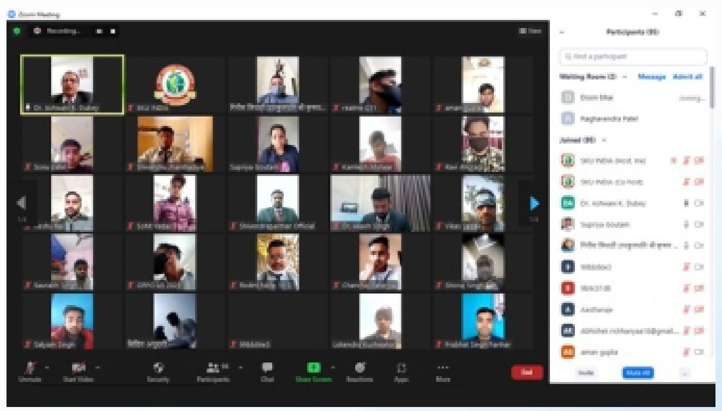

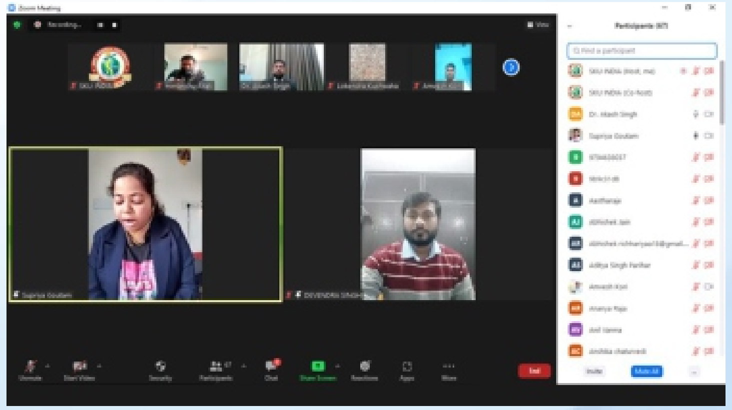

www.skuindia.ac.in

4.70 बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया 73 वां गणतंत्र दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में ७३ वां गणतंत्र दिवस कोविड नियमों के तहत बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। विश्वविद्यालय की संरक्षक श्रीमती कुंती सिंह गौतम के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस दौरान कुलपपति डॉ. अनिल कुमार धगट, विशिष्ट अतिथि श्री मानवेंद्र सिंह, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, समस्त प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सस्वर गायन किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति ने अपने संदेश में कहा कि हमारे गणतंत्र में युवाओं का योगदान हमेशा से था है और रहेगा। अनेक चुनौतियों के बीच हमारा राष्ट्र उत्तरोत्तर विश्व पटल पर आ रहा है। हमारे देश में अनेक समस्यायें है समस्याओं के निदान के लिये हमारे देश की कार्य प्रणाली में नीति आयोग के माध्यम से हम अपनी प्राथमिकता तय करते है और उनका निदान करने का प्रयास करते है हमें विश्वास है कि हमारा देश विश्व के देशों में खरा होगा। एन.सी.सी. सीनियर डिवीजन प्रभारी श्री गौरव शर्मा एवं सीनियर विंग प्रभारी कु. निशा राजा बुंदेला के संयोजन में एन.सी.सी. कैडिट अण्डर ऑफिसर पंकज विश्वकर्मा के नेतृत्व में परेड एवं ध्वज को सलामी दी गयी।

विश्वविद्यालय के सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि सम्मानीय श्रीमती कुंती सिंह गौतम संरक्षक, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, कुलसचिव श्री विजय सिंह उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विश्वविद्यालय के सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन करके किया। मध्यप्रदेश गान, विश्वविद्यालय गान एवं स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का आगाज किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गयी जिसमें देश भक्ति गीत और कुलगीत यौगिता राजा परमार, दीक्षा यादव, वविता अहिरवार, सौफिया वानो भाषण तौफीक खान, बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं पर आधारित नाटक अनुष्का जैन, एकता सचन, निकिता सचन, रीमा वर्मा, रश्मि मिश्रा, तौफीक खान, तश्लीम मोहम्मद, प्रशांत जोशी एवं महेंद्र साहू ने एकल नृत्य मेघा तिवारी, विकास यादव ने बुंदेली गायन अनुष्का जैन, काजल शर्मा, अंकित चतुर्वेदी, अमर चंद्र श्रीवास्तव ने कविता अदिति चौरसिया, सामूहिक नृत्य रीमा अहिरवार, मेघा तिवारी, सुनील अहिरवार, एकता सचन एवं निकिता सचन की प्रस्तुति दी गयी। जिसका संयोजन अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. नीना चौरसिया एवं श्रीमती रेनू झां के द्वारा किया गया। छात्र छात्राओं के कार्यक्रमों की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया और करतल ध्वनि से सभागार गूंज उठा।

मुख्य अतिथि श्रीमती कुंती सिंह गौतम एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों डॉ. अनिल कुमार धगट कुलपति एवं श्री विजय सिंह कुलसचिव के द्वारा शैक्षणिक, अशैक्षणिक एवं छात्र – छात्राओं को उनकी विशेष उपलब्धियों पर प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक श्रीमती ऐशान्या खरे एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया।

www.skuindia.ac.in

4.71 आजादी के अमृत महोत्सव पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में युवा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान में प्रात: काल से सुंदरकाण्ड का आयोजन विश्वविद्यालय प्रागंण में सामाजिक दूरी एवं कोविड नियमों का पालन करते हुये किया गया। डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम शैक्षणिक प्रतिभा कि धनी एवं उत्कृष्ट सामाजिक व्यवस्था की सोच रखने वाले के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालयीन छात्र छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम चैयरमेन, श्रीमती ललिता यादव पूर्व मंत्री, श्री मोनू यादव, श्री उपेंद्र प्रताप सिंह, श्री राहुल परमार, श्री बी.के. सिंह जिला खाद्य अधिकारी, श्री पंकज रिछारिया, श्री विनय प्रताप सिंह, श्री मान सिंह, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव, डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव, फिल्म अभिनेता श्री पदम प्रताप सिंह, समाजसेवी मानवेंद्र सिंह, बृजेश पाटीदार, बॉबी राजा गठेवरा, विक्की भैया सहित शहर गणमान्य नागरिक एवं डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम के अभिन्न मित्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पूजन कर विश्वविद्यालय सरंक्षक श्रीमती कुंती सिंह गौतम के द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना प्रांशी व्यास, योगिता परमार, अंजना पटेल ने गणेश वंदना रोशनी अनुरागी ने स्वागत गीत अंजली उपाध्याय, अनुष्का उपाध्याय ने एकल नृत्य घूमर मेघा तिवारी, विकाश यादव, रश्मि मिश्रा ने बधाई नृत्य तौफीक खान, अमरचंद श्रीवास्तव, दिग्विजय ठाकुर, खुशबू साहू, अनुष्का जैन और हेमलता प्रजापति ने विश्वविद्यालय कविता अदिति चौरसिया, युगल गान अंजलि उपाध्याय, अनुष्का उपाध्याय ने कहानी शिवम शिवहरे ने राजस्थानी युगल नृत्य अदिति पाठक, सौफिया हाशमी, कॉलेज स्क्प्टि एकता सचन, निकिता सचन, रीमा वर्मा, आयुष सचन, प्रशांत जोशी, सुनील अहिरवार, अंकित सेन, तस्लीम मोहम्मद, सीमा अहिरवार, जयंत सेन ने हास्य कविता ओमप्रकाश अहिरवार रिट्रो नृत्य प्राची यादव, आकाश पाण्डेय, स्नेहा शुक्ला, आदित्य ठाकुर, संजना , निखिल, सानिधि खरे, देवेश, आस्था, अर्जुन एवं लेजी नृत्य अमन तिवारी, मनु बवेले, देवांक द्विवेदी एवं हेमराज पाल ने प्रस्तुति दी।

डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम की जीवनी पर आधारित लघु फिल्म को दिखाया जिसमें उनके आदर्शो एवं बाल्यकाल से लेकर अब तक के जीवन पर प्रकाश डाला गया। इसके संकलन में डॉ. दीपा कुशवाह, डॉ. विजय चतुर्वेदी, डॉ. निहारिका तिवारी, श्रीमती मेघना मिश्रा, श्रीमती रेनू झां एवं श्रीमती प्रणिता चतुर्वेदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय ओपन कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन डॉ. सुप्रिया गौतम पलेसमेंट सेल प्रभारी के द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें पाई इन्फोकॉम प्राइवेट लिमिटेड लखनऊ से एच.आर. श्री पीयूष तिवारी एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा प्रियंका द्विवेदी, वाई. ओ. वाई. कैपिटल इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड नोएडा से राहुल गौतम एवं निशि सिंह यादव, पेप्टेक ग्रुप छतरपुर से दुर्गेश गुप्ता एवं शालिनी ने साक्षात्कार लिया था जिसमें कैंपस प्लेसमेंट में १२ छात्र छात्राओं का जिनमें पाई. इन्फोकॉम लखनऊ, बाई.ओ.बाई. कैपिटल इनफ्रा प्राइवेट लिमिटेड नोएडा में शिवानी चौरसिया, दीपिका चौरसिया, प्रदुम्न अग्रवाल का बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर, दीपक गुप्ता का बिजनेस डेवलपमेंट एक्जयुकेटिव, श्रष्टि त्रिपाठी, निशू त्रिपाठी, रौनक सक्सेना, प्रज्ञा अरजरिया, दीपेंद्र सिंह परिहार, संस्कार पाठक का जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर एवं कुलदीप सिंह राय, नीरज कुमार अहिरवार का ऑटो कैड डिजाइनर के पद पर चयन हुआ था जिनकों माननीय कुलाधिपति जी द्वारा उनके जन्मदिवस के उपलक्ष्य में नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये।

विश्वविद्यालय के ग्रीन कॉरीडोर प्रभारी डॉ. आकाश सिंह के नेतृत्व में कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चेयरमेन डॉ. पुष्पेद्र सिंह गौतम एवं अन्य समस्त अतिथियों ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वृक्षारोपण किया जो हरित वातावरण में पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देता है।

www.skuindia.ac.in

4.72 विश्वविद्यालय ने मनाया माँ सरस्वती प्राकट्योत्सव दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में बसंत पंचमी के पावन पर्व पर माँ सरस्वती का प्राकट्योत्सव दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे सहित विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहीं। माननीय अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती का विधि विधान से पूजन अर्चन किया गया एवं उनकी आरती उतारी गयी। श्रीमती प्रणती चतुर्वेदी, श्रीमती वंदना शुक्ला, कु. अदिति सिंह बुंदेला के द्वारा सरस्वती वंदना का गायन किया गया। उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने विद्या की देवी माँ सरस्वती के बारे में जानकारी देते हुये कहा कि सरस्वती पूजन बसंत पंचमी के दिन ज्ञान, संगीत, कला और विज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है। बसंत पंचमी को श्री पंचमी और सरस्वती पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक बार जलधारा में कोलाहल व्याप्त हो गया था, पवन चलने से सरसराहट होने लगी तभी सभी देवताओं ने शब्द और रस का संचार कर देने वाली उन देवी को बृह्म ज्ञान, विद्यावाणी संगीत कला की देवी सरस्वती कहा गया। उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने माँ सरस्वती की उत्पत्ति के बारे में बताते हुये कहा कि ब्रह्मा जी ने अपने कमण्डल से जल छिड़का जिससे चार हांथ वाली एक सुंदर स्त्री प्रकट हुयी जिनके एक हांथ में वीणा, दूसरे में पुस्तक, तीसरे में माला और चौथा बर मुद्रा में था। जैसे ही वीणा झंकरित हुयी श्रृष्ठि ने निर्माता बृह्मा जी के बनायी गयी हर चीज में स्वर आ गया। तब बृह्मा जी ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती नाम दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्र छात्राओं ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने समस्त स्टॉफ एवं छात्र छात्राओं को शुभकामनाऐं प्रेषित कीं।

कार्यक्रम में डॉ. दीपा कुशवाह, डॉ. आशीष कुमार तिवारी, डॉ. आनंद चौरसिया, डॉ. विजय चतुर्वेदी, श्रीमती मेघना मिश्रा, श्रीमती पूनम चौरसिया, कु. स्वाती अरजरिया, श्री शिवराज सिंह, मैनेजर श्री सुखदेव सिंह, श्री ओंकार तिवारी, श्री शिव कुमार शुक्ला, श्री दिलीप चौरसिया, श्री प्रशांत खरे सहित समस्त विश्वविद्यालयीन स्टॉफ उपस्थित रहा।

4.73 मनाई गई छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मनाई गई जिसमें कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी कुलसचिव श्री विजय सिंह उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत शोध निदेशक डॉ. दीपा सिंह कुशवाह सहित प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम ने शिवाजी महाराज की शौर्य गाथा पर प्रकाश डालते हुये बताया कि आप भारत के एक महान राजा एवं रणनीतिकार थे। जिन्होंने १६७४ में पश्चिम भारत में मराठा साम्राज्य की नींव रखी इसके लिए उन्होंने मुगल साम्राज्य के शासक औरंगजेब से संघर्ष किया और रायगढ़ में उनका राज्याभिषेक हुआ और वे छत्रपति कहलाये। उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिवाजी महाराज ने अपनी अनुशासित सेना एवं सुसंगठित प्रशासनिक इकाईयों की सहायता से एक योग्य एवं प्रगतिशील प्रशासन प्रदान किया। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने बताया कि छत्रपति महाराज भारतीय स्वाधीनता संग्राम में नायक के रूप में याद किये जाने लगे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत ने बताया कि बालगंगाधर तिलक ने राष्ट्रीय की भावना के विकास के लिए शिवाजी जयंती की शुरूआत की। उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने कार्यक्रम संचालन करते हुये बताया कि शिवाजी महाराज ने समर विद्या में अनेक नवाचार किये तथा छापामार युद्ध की नई शैली शिवसूत्र विकसित की। आपने प्राचीन हिन्दू राजनीतिक प्रथाओं तथा दरबारी शिष्टाचारों को पुर्नजीवित किया और मराठी एवं संस्कृत को राज काज की भाषा बनाया।

इस अवसर पर फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आनंद चौरसिया, विधि विभाग के सहायक प्राध्यापक शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य प्राध्यापकों ने अपने विचार व्यक्त किये। आभार डॉ. सुप्रिया गौतम ने व्यक्त किया।

www.skuindia.ac.in

4.74 गुंजे हरे रामा हरे कृष्णा की धून

अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस के उपलक्ष्य में श्री कृष्णा विष्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णा भावनामृत संघ इस्कॉन के संयुक्त तत्वाधान में सभागर में कार्यक्रम आयोजित किया गाया जिसमें कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति गिरीष त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ अष्वनी कुमार दुबे इस्कॉन के सदस्य जगत जीवन दास उज्जैन आनंद गोपाल दास प्रहलाद प्रियदास वरूणी प्रियदास ब्लादिमेर यूक्रेन रामा प्रभु स्पेन सुतदेव प्रभु हरीदेव प्रभु रसिया से तथा छतरपुर से विकास खरे शषी असाटी मिश्री लाल असाटी सहित विष्विद्यालय के प्रध्यापक एवं छात्र छत्रांए उपस्थित रहे।

जगत जीवन दास ने संस्था का परिचय देते हुए कहा कि इस्कॉन का पूरा नाम इंटर्नेषनल् सोसाईटी फॉर क्रिष्ना कॉनषियस्नेस् है जिसे हिंदी में अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ या इस्कॉन कहा जाता है. इस मंदिर का पावन भजन हरे रामा हरे रामा कृष्णा है. आपने अक्सर विदेषियों को ये गुनगुनाते सुना होगा. दुनिया के पहले इस्कॉन मंदिर की स्थापना भारम में नहीं बल्कि न्यूयार्क में हुई थी. कृष्ण भक्ति में लीन इस अंतरराष्ट्रीय सोसायटी की स्थापना श्री कृष्ण कृपा श्री मूर्ति श्री अभयचरणारविन्द भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपादजी ने सन् 1966 में न्यू यार्क सिटी में की थी। गुरू भक्ति सिद्धांत सरस्वती गोस्वामी ने प्रभुपाद महाराज से कहा तुम युवा हो, तेजस्वी हो, कृष्ण भक्ति का विदेष में प्रचार-प्रसार करों। आदेष का पालन करने के लिए उन्होंने 51 वर्ष की आयु में संन्यास ले लिया और गुरू आज्ञा पूर्ण करने का प्रयास करने लगे। अथक प्रयासों के बाद सत्तर वर्ष की आयु में न्यूयॉर्क में कृष्ण भवनामृत संघ की स्थापना की। न्यूयॉर्क से प्रारंभ हुई कृष्ण भक्ति की निर्मल धारा शीघ्र ही विष्व के कोने-कोने में बहने लगी। काई देष हरे रामा-हरे कृष्णा के पावन भजन से गुंजायमान होने लगे।

सभी अतिथियों द्वारा हरे रामा हरे रामा कृष्णा भजन संगीत के साथ हिन्दी में प्रस्तुत किया जिसको श्रोताओं ने जमकर सराहा। यूक्रेन के प्रहलाद प्रिय ने श्रीमद् भागवत गीता को आध्यात्मिक ज्ञान का मणि बताते हुए कहा कि सनातन धर्म में गीता का बहुत बड़ा महत्व है जिसे अमेरिका, रसिया, यूक्रेन सहित 192 देषों में इसका अनुकरण किया जाता है। इस अवसर पर प्रहलाद प्रिय ने श्री. बृजेन्द्र सिंह गोतम हो गीता भेंट की।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अष्वनी कुमार दूबे तथा आभार कुलाधिपति डॉ. बृजेन्द्र सिंह कुलाधिपति ने व्यक्त किया।

4.75 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया

आजादी के अमृत महोत्सव के पर्व पर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस श्री कृष्णा विश्वविद्यालय एवं महाकौशल विज्ञान परिषद् के संयुक्त तत्वाधान में विश्वविद्यालय सभागार में मनाया गया। जिसमें सतत भविष्य के लिये विज्ञान और प्रोद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण विषय पर विज्ञान संकाय के प्राध्यापकों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। प्रत्येक वर्ष भारत सरकार २८ फरवरी को विज्ञान दिवस के रूप में मनाती है। इस दिन प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक नोबल पुरस्कार से सम्मानित सी.वी.रमन ने रमन इफेक्ट की खोज की थी। कार्यक्रम में कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव प्रो. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम वैज्ञानिक सी.वी.रमन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुये आरंभ हुआ। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने बताया कि विज्ञान के बिना समाज अधूरा है वर्तमान में विज्ञान की उपयोगिता गांव गांव तक जानी जा रही है। कार्यक्रम का संचालन करते हुये डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने बताया कि सतत भविष्य के लिये विज्ञान और तकनीकि में एकीकृत दृष्टिकोण आवश्यक है। चंद्रशेखर वेंकट रमन के द्वारा रमन इफेक्ट की खोज ने विज्ञान के विद्यार्थियों ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा किया है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम पर प्रकाश डालते हुये कहा कि विज्ञान एवं तकनीकि के माध्यम से सस्टनेबिल विकास संभव है। इस दौरान विज्ञान के छात्र छात्राओं द्वारा प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया एवं प्राध्यापकों ने अपने अपने मत प्रस्तुत किये। गणित विभाग से डॉ. निहारिका तिवारी ने बताया कि मानव कल्याण के लिये विज्ञान के क्षेत्र में सभी गतिविधियों, प्रयासों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करना शामिल है। श्रीमती नेहा यादव, सहायक प्राध्यापक, भौतिक शास्त्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि विज्ञान दिवस, विज्ञान के क्षेत्र में सभी उभरते मुद्दों पर चर्चा करने और विज्ञान के क्षेत्र में विकाश के लिये नयी तकनीकियों को लागू करने के लिये मनाया जाता है। वनस्पति विज्ञान की सहायक प्राध्यापक श्रीमती भाग्यवती चौरसिया, सहायक प्राध्यापक, वनस्पति ने कहा कि यह दिवस भारत में वैज्ञानिक सोच वाले नागरिकों के लिये अधिक अवसरों को प्रेरित करने और विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी को अपनाने के लिये मनाया जाता है। वनस्पति विज्ञान तथा वायोटैक्नोलॉजी विषय में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है जिनमें खाद्य प्रसंस्करण एवं स्वरोजगार की अपार संभावनाऐं है। डॉ. आकाश सिंह, संकायाध्यक्ष, कृषि विज्ञान ने कृषि वैज्ञानिकों का समाज में योगदान विषय पर प्रकाश डाला। डॉ. आनंद चौरसिया, प्राध्यापक, फार्मेसी ने दवाओं में वैज्ञानिकों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया।

आभार वनस्पति विज्ञान की सहायक प्राध्यापक श्रीमती भाग्यवती चौरसिया ने व्यक्त किया।

www.skuindia.ac.in

4.76 विश्वविद्यालय एवं खजुराहो एग्रो एन्ड फाइन आर्टस् इन्फोटेनमेंट प्रा. लि. से हुआ एम.ओ.यू.

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में छात्र छात्राओं के उज्जवल भविष्य एवं आत्मनिर्भर बनाने के उददेश्य से खजुराहो एग्रो एन्ड इन आर्टस् इन्फोटेनमेंट प्रा. लि. से एम.ओ.यू. किया गया। इस एम.ओ.यू. का प्रमुख उद्देश्य छात्र छात्राओं को शिक्षा एवं टैक्नोलॉजी के साथ जोड़ना है इसमें साइबर सिक्यूरिटी, वेब होस्टिंग, ड्रोन सर्विसेस, इन्फ्रामेनेजमेंट, आई. टी. लीगल ग्लोबल कान्ट्रेक्ट मैनेजमेंट, एप्लीकेशन डेवल्पमेंट जैसे बहुयामी स्किल्स डेबलपमेंट कोर्सेस शामिल है।

छात्र छात्राओं को सूचना क्रांति से जोड़ने के लिये एवं उन्हें एडवांस टैक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम सदैव अग्रसर होकर छात्र-छात्राओं की बेहतरी के लिये शिक्षा में शोध को बढ़ावा देते रहते हैं। कुलाधिपति द्वारा जॉब ओरिऐंटेड कोर्स के बढ़ावा देने की चर्चा की।

विश्वविद्यालय चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने छात्र – छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत छात्र – छात्राओं को ट्रेनिंग, इण्टरनशिप, कम्यूनिटी इंगेजमेंट प्रोग्राम में बढ़- चढ़ कर हिस्सा लेने की बात कही एवं छात्र – छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि छात्र – छात्राओं को अपने स्किल डेवलपमेंट करना चाहिए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इण्टरनशिप के महत्व पर चर्चा की।

इस एम.ओ.यू. से विज्ञान संकाय, कला संकाय, कृषि संकाय, अभियांत्रिकी विभाग, प्रबंधन विभाग, विधि विभाग, कम्प्यूटर एण्ड ऐप्लीकेशन के छात्र-छात्राओं को मौका मिलेगा साथ ही साथ उनके पर्सनाल्टी डेवलपमेंट कोन्फिडेंस लेवल, कम्यूनिकेशन स्किल में भी निखार आयेगा। विश्वविद्यालय सदैव प्रयासरत है शिक्षा की गुणवत्ता को आगे बढ़ाने में। विश्वविद्यालय में शिक्षा, रिसर्च एवं इनोवेशन का बहुत योगदान है और इस तरह के एम.ओ.यू. से शोध एवं अकादमिक जैसी गतिविधियां पारस्परिक सहयोग से आगे बढ़ेगी।

इस तरह के एम.ओ.यू. से छात्र – छात्राओं को रोजगार की संभावना बढ़ेगी। इस एम.ओ.यू. के तहत ऑनलाइन, ऑफलाइन ट्रेनिंग छात्र – छात्राओं को प्रदान की जायेगी जिससे उनका भविष्य उज्जवल हो सकेगा। एम.ओ.यू. के लिये कम्पनी की डायरेक्टर श्रीमती वंदना बुंदेला, नागवेंद्र सिंह परमार लीगल कंसल्टेंट, अखण्ड प्रताप सिंह आई.टी. कंसल्टेंट एण्ड पी.एम.ओ., राहुल शुक्ला डेवलपर एवं विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह जी की अध्यक्षता में एम.ओ.यू. हुआ।

कार्यक्रम में प्रबंधन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुप्रिया गौतम, विज्ञान संकाय से गणित विभागाध्यक्ष डॉ. निहारिका तिवारी, कृषि संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह सेंगर, हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार तिवारी, विधि विभागाध्यक्ष श्री विवेक प्रताप सिंह, एच.आर. श्री मनीष सिंघल मौजूद रहे।

4.77 राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण का एकीकृत दृष्टिकोण पर किया गया वेबीनार

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग द्वारा राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण का एकीकृत दृष्टिकोण विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। वेबीनार में मुख्य अतिथि डॉ. अवनी के राय निर्देशक प्रणवीर सिंह इंस्टीव्यूट कानपुर उ. प्र., मुख्य वक्ता डॉ. किरन डम्बालकर राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर भारत सरकार नई दिल्ली, विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, समन्वयक डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, आयोजन सचिव डॉ. आनंद चौरसिया, म.प्र. के विभिन्न फार्मेसी संस्थानों से प्राध्यापकगण, विश्वविद्यालय के सह. प्राध्यापक श्री दीपेंद्र सिंह, श्री अभिषेक पाठक, सहायक प्राध्यापक श्री राममिलन विश्वकर्मा, श्री नीलेश तिवारी, श्री सौरभ खरे, कु. हिमांशी सोनी, कु. मानसी गुप्ता एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आनंद चौरसिया ने किया।

विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने इस आयोजन पर फार्मेसी विभाग के आयोजकों को शुभकामनाऐं प्रेषित की एवं बताया कि इस वेबीनार से समाज में अंग प्रत्यारोपण से संबंधित जानकारी छात्र – छात्राओं के माध्यम से मिलेगी जिससे मानव जीवन को बचाया जा सकता है।

मुख्य अतिथि डॉ. अवनी के राय ने अपने वक्तव्य में अंग प्रत्यारोपण से संबंधित नियम एवं विनिमय के संबंध में चर्चा की एवं राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के प्रकुख उद्देश्य जिनमें प्रत्यारोपण के लिए अंग और ऊतक के प्रबंधन और वितरण की प्रणाली का आयोजन करना। मृतक अंग और ऊतक दान को बढ़ावा देना। आवश्यकता के आधार पर जनशक्ति को प्रशिक्षित करना। कमजोर तबके को अंग तस्करी से बचाना। अंग और ऊतक प्रत्यारोपण सेवाओं की निगरानी करना और जब भी आवश्यकता हो, नीति और कार्यक्रम में सुधार लाना प्रमुख है। भारत में अंग एवं ऊतक दान व प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अंतर्गत स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन की स्थापना की गयी है।

मुख्य वक्ता डॉ. किरन डम्बालकर वैज्ञानिक ने अंग प्रत्यारोपण के विभिन्न मापदंड एवं अंग प्रत्यारोपण की नियमावली के ऊपर चर्चा की। अंग प्रत्यारोपण अंग विफलता के अंतिम चरण में अंग प्रत्यारोपण जीवन बचाने वाली चिकित्सा है। सबसे अधिक अंग प्रत्यारोपण गुर्दे, यकृत, हृदय, फेफड़े, अग्न्याशय और आंत का किया जाता हैं। प्रत्यारोपण एक व्यक्ति से एक अंग को सर्जरी द्वारा निकालकर दूसरे व्यक्ति के शरीर में लगाना है। प्रत्यारोपण की आवश्यकता तब पड़ती है जब इसे ग्रहण करने वाले व्यक्ति का वह अंग काम नहीं करता है या किसी चोट अथवा रोग के कारण क्षतिग्रस्त हो जाता है।

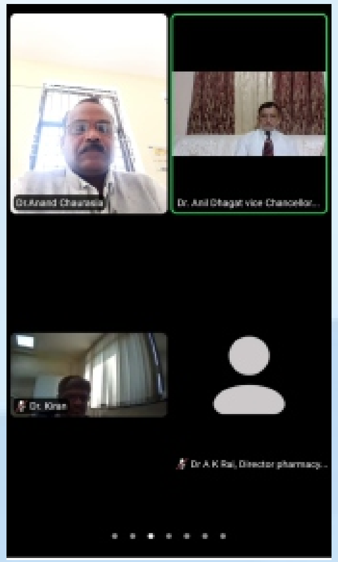

www.skuindia.ac.in

4.78 अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर निकाली जागरूकता रैली एवं किया महिलाओं का सम्मान

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा ग्राम गोद छिरावल में महिला स्टाफ ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रैली निकाली एवं नारे लगाते हुये ग्राम पंचायत तक रैली निकाली और वहां जाकर समस्त महिला स्टॉफ ने गांव में उपस्थित महिलाओं को नर्सिंग विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती पूजा पटेल ने मासिक धर्म के समय होने वाली स्वच्छता को लेकर के सैनिटरी पैड्स वितरित किए। डॉ. नीना चौरसिया ने गांव की महिलाओं और लड़कियों को समझाया शिक्षित होकर भी जरूरी नहीं कि नौकरी करें बल्कि शिक्षित महिला अपने परिवार समाज और संस्कृति को सुरक्षित रखने के लिए सहयोगी होती है। श्रीमती पूनम चौरसिया ने बताया कि कैसे गृह कार्यों में और बाहर नौकरी की कार्यों को कुशलता से कर सकती हैं। नर्सिंग विभाग की छात्रा रीना अहिरवार ने लड़के लड़कियों की समानता के बारे में बताया अनुष्का जैन ने बेटियों के ऊपर हो रहे अत्याचारों से कैसे निपटा जाए यह समझाया। श्रीमती भाग्यवती चौरसिया ने महिलाओं को अविष्कार के बारे में बताया वर्षा यादव ने महिला दिवस पर लैंगिक समानता को लेकर समझाया। अदिति चौरसिया ने कविता के माध्यम से नारी की जिंदगी में प्रकाश डाला। डॉ. सुप्रिया गौतम ने महिलाओं को खानपान से संबंधित जानकारी दी और हर महिला अपने आप में अपनी आदर्श है। बाद में पंचायत भवन के बाहर नर्सिंग विभाग की छात्राओं द्वारा भ्रूण हत्या को लेकर नुक्कड़ नाटक कराया गया। जिसमें छिरावल गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

इसके पश्चात श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में समस्त महिला शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ का सम्मान हुआ। जिसमें विश्वविद्यालय संरक्षक आदरणीय श्रीमती कुंती सिंह गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, उपकुलसचिव परीक्षा विभाग श्रीमती मेघना मिश्रा अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती पूजन से किया गया।

संरक्षक श्रीमती कुंती सिंह गौतम ने महिला दिवस के अवसर पर सभी महिलाओं के कार्य दक्षता की सराहना की एवं उन्हें प्रशस्तिपत्र प्रदान किये एवं महिलाओं को आत्मशक्ति के बारे में बताया जिसमें उन्होंने महिलाओं को हर परिस्थिति में दृढ़ संकल्प के साथ शक्ति का परिचय देने की बात कही।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुप्रिया गौतम द्वारा किया एवं आभार डॉ. निहारिका तिवारी ने व्यक्त किया।

4.79 फार्मेसी विभाग में नवसुस्जित केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला की स्थापना

फार्मेसी विभाग, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में नवसुस्जित केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला की स्थापना के साथ कार्यशाला का आयोजन दिनांक ०९/०४/२०२२ से १०/०४/२०२२ तक किया गया। माननीय उपकुलपति महोदय श्री गिरीश त्रिपाठी, फार्मेसी विभाग में आयोजित इस कार्यशाला के संयोजक रहे। इस कार्यशाला में फार्मेसी विभाग के सह. प्राध्यापक दीपेंद्र सिंह बुंदेला, अभिषेक पाठक सहायक प्राध्यापक राममिलन विश्वकर्मा, नीलेश अनुरागी, हिमांशी सोनी, अनुप्रिया नामदेव, मानसी गुप्ता सौरभ खरे इत्यादि उपस्थित रहे।

कार्यशाला डॉ. आनंद चौरसिया स्थापना के संबंध में फार्मेसी संस्था के प्राचार्य ने अवगत कराया कि इस प्रयोगशाला का उद्देश्य विभिन्न दवाओं का परीक्षण एवं उनकी गुणवत्ता एवं रखरखाव का होना बताया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आनंद चौरसिया ने प्रबंधन समिति के महानुभाव का आभार व्यक्त किया।

4.80 कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में ओपन कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन किया गया जिसमें हायर नैक्स्ट कंसल्टिंग छतरपुर के फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर शुभम बरसैंया ने विश्वविद्यालय आकर साक्षात्कार लिया। इस प्लेसमेंट में बी.ए., एम.ए, बी.कॉम, एम.कॉम, बी.एस.सी., एम.एस.सी., बी.बी.ए., एम.बी.ए, बी.टेक, एम.टेक, बी.सी.ए., एम.सी.ए एवं ऑल डिप्लोमा कॉर्सेस के अंतिम कक्षा में अध्ययनरत छात्र छात्राओं की लिखित परीक्षा एवं साक्षात्कार लिया गया। यह कंपनी पैन इंडिया के लिए विभिन्न क्षेत्र जैसे बैंकिंग फाइनेंस, टेलीकॉम, होम लोन, आई.टी., ई-कॉमर्स फार्मास्यूटिकल एग्रीकल्चर लॉजिस्टिक ह्यूमन रिसोर्स में जॉब प्रदान करेंगी। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में छात्र छात्राओं के ट्रेनिंग प्लेसमेंट के लिए विश्वविद्यालय सदैव अग्रसर रहता है एवं छात्र छात्राओं के हित के लिए उन्हें रोजगार परक कोर्स के माध्यम से जॉब दिलाने की सुविधा प्रदान करता है श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के माननीय कुलाधिपति डॉ बृजेंद्र सिंह गौतम द्वारा छात्र छात्राओं को हमेशा से प्रोत्साहन मिलता रहता है। विश्वविद्यालय में संचालित अधिकांश कोर्स में ट्रेनिंग प्लेसमेंट कराकर जॉब प्रदान करने का अवसर प्रदान किया जाता है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय से अरविंद पटेल एम.बी.ए, नीशू त्रिपाठी एम.सी.ए, साक्षी गोस्वामी पी.जी.डी.एम., सुगंधा सोनी पी.जी.डी.एम., प्रज्ञा अरजरिया एम.सी.ए., शिखा चौरसिया एम.सी.ए. एवं महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड विश्वविद्यालय, छतरपुर की एम.ए. की छात्रा रश्मि गंगेले, राजीव गांधी प्राद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल से हर्ष चौबे डिप्लोमा इन सिविल की सॉर्ट लिस्टिंग की गयी है। जिनका सलाना पैकेज दो लाख रूपये है।

www.skuindia.ac.in

इस अवसर पर हायर नेक्स्ट इंडिया कंपनी एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा एम.ओ.यू. हस्ताक्षर किया गया जिसमें रिसर्च इनोवेशन एकेडमिक एक्सीलेंस ट्रेनिंग डेवलपमेंट जैसी सुविधा छात्रों को प्रदान की जाएगी जिससे उन्हें जॉब प्रदान करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, रिसर्च डायरेक्टर डॉ. दीपा सिंह कुशवाह, डॉ. आकाश सिंह सेंगर, डॉ. निहारिका तिवारी, एच.आर. प्रभारी मनीष सिंघल उपस्थित रहे।

कंपनी मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष बरसैंया का विश्वविद्यालय परिवार की ओर से शॉल, श्रीफल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉ. सुप्रिया गौतम, श्रीमति अल्का निगम एवं श्री विवेक सिंह ने किया।

4.81 शहीदी दिवस पर वेबीनार का हुआ आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में वेबीनार तथा शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन ऑनलाइन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम कुलाधिपति, डॉ. अनिल कुमार धगट कुलपति, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव, डॉ. अरूणेंद्र त्यागी वक्ता विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग शासकीय नवीन महाविद्यालय चंदला, डॉ. आलोक चौरसिया प्राचार्य राजा बलवंत सिंह महाविद्यालय राजनगर, डॉ. महेश चंद्र अहिरवार कार्यक्रम अधिकारी पुरूष राष्ट्रीय सेवा योजना, कु. वर्षा यादव कार्यक्रम अधिकारी महिला इकाई राष्ट्रीय सेवा योजना, प्राध्यापक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे। वेबीनार की विषय वस्तु पर प्रकाश डॉ. महेश चंद्र अहिरवार ने डालते हुये कहा कि सैकड़ों साल की गुलामी के पश्चात भारत ने १९४७ में अंग्रेजों से अपनी स्वतंत्रता प्राप्त की।

कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने शहीद दिवस पर भारत के तीन महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, शिवराम राजगुरू और सुखदेव को याद करते हुये ऊधम सिंह के बलिदान को याद किया और बताया कि इन क्रांतिकारियों ने उस समय युवाओं के दिल में जो क्रांति की ज्वाला जगाई इससे हमें आजादी मिलना आसान हुयी। विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने बताया कि हमें आजादी की बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ी जिसमें लाखों कुर्बानियों के साथ भगत सिंह जैसे युवा क्रांतिकारी को खोना पड़ा। उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने इंकलाब जिंदाबाद का नारा लगाते लगाते भगत सिंह, राजगुरू और सुखदेव को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर हत्या का आरोप लगाया गया। हत्या के आरोप में १९३१ में उन्हें २३ मार्च को लाहौर जेल में फांसी दे दी गयी। वक्ता डॉ. अरूणेंद्र कुमार त्यागी विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग शासकीय नवीन महाविद्यालय चंदला ने कहा कि भारत के जिन सपूतों ने आजादी के लिये अपना बलिदान दिया है उनको हम अपनी यादों में रख रहे हैं यह महत्वपूर्ण विषय है। डॉ. आलोक चौरसिया प्राचार्य डॉ. बलवंत सिंह महाविद्यालय राजनगर ने इतिहास पर प्रकाश डालते हुये बताया कि अलग – अलग विचारधारा के नौजवानों ने एक साथ आजादी की लड़ाई लड़ कर देश को आजाद कराया जिनमें भगत सिंह के विचारों से एक बड़ा जन आंदोलन खड़ा हुआ और आजादी की लड़ाई लड़ी गयी। इसके अलावा विश्वविद्यालय के डॉ. विजय चतुर्वेदी, श्रीमती भुमानी बाई अहिरवार, डॉ. आनंद चौरसिया एवं छात्र तौफीक खान ने अपने विचार व्यक्त किये। कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट ने सभी को विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव एवं आभार कु. वर्षा यादव ने व्यक्त किया।

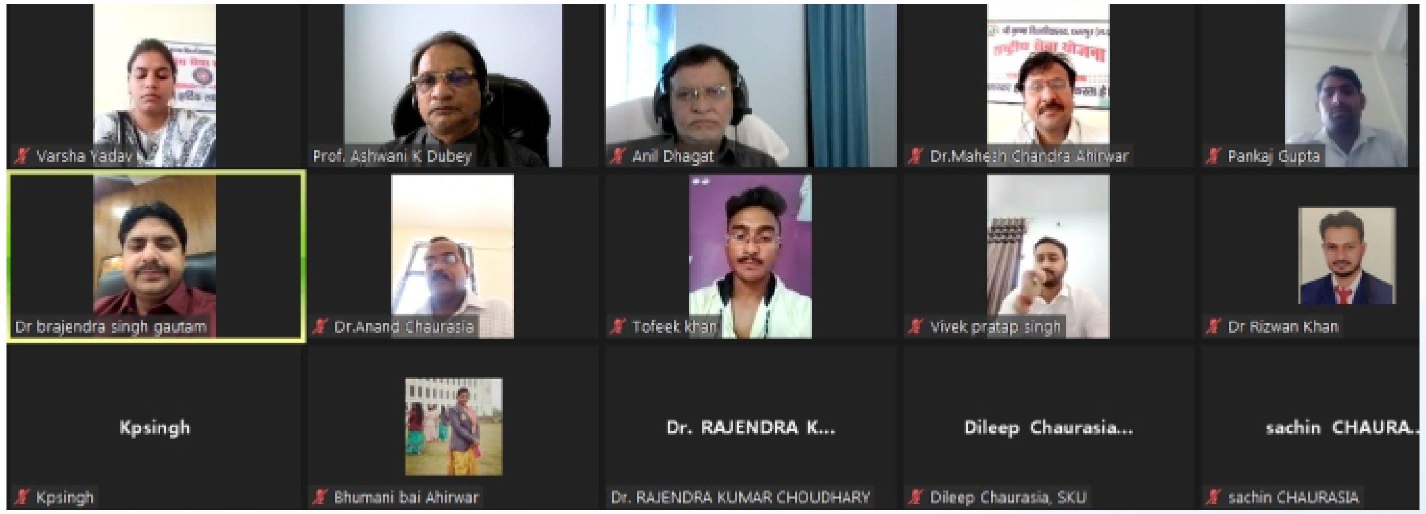

4.82 परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन

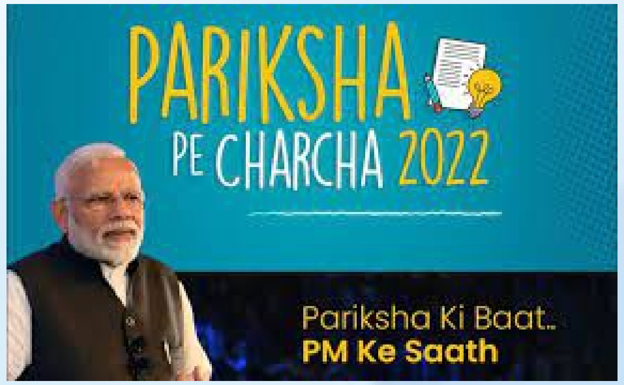

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का कक्षा नवमीं से ऊपर के छात्र छात्राओं से ०१ अप्रैल २०२२ को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का आयोजन श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के ९२५ छात्र-छात्रायें शिक्षक एवं स्टॉफ उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के तालकोटरा स्टेडियम दिल्ली से प्रातः ११:०० बजे से कार्यक्रम का लाइव प्रसारण डी.डी. न्यूज एच.डी. के माध्यम से दिखाया गया।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया संवाद अत्यंत सराहनीय ज्ञान वर्धक एवं छात्र छात्राओं के अंदर शहनशीलता एवं सकारात्मकता पैदा करने वाला रहा। इस दौरान श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के पदाधिकारी श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति महोदय, श्री विजय सिंह कुलसचिव महोदय, डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव उपस्थित रहे।

4.83 युवा संवाद का सीधा प्रसारण

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसारमाननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आतिथ्य में युवा संवाद का कार्यक्रम कुशाभाऊ ठाकरे सभागार से लाइव प्रसारण श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में दूरदर्शन चैनल के माध्यम से दिखाया गया। इसमें विश्वविद्यालय के पदाधिकारी डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम माननीय कुलाधिपति, श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव, डॉ. बी.एस. राजपूत परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अश्वनी कुमार दुबे उपकुलसचिव, समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी एवं विभिन्न संकायों के छात्र छात्रायें उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कैंपस में निर्देशानुसार फ्लैक्स तैयार कर लगाया गया। इस कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं व्यवसाय पाठ्यक्रम के लिये शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ऑनलाइन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० की पुस्तिका नई शिक्षा नई उड़ान, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना की पत्रिका उत्कर्ष तथा सफलता की कहानी वृत्त चित्र का प्रदर्शन एवं डिजी लॉकर का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव के कर कमलों से किया गया। इस अवसर पर संभाग वार १० प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान एवं स्टार्ट अप्स को प्रोत्साहित करने के लिये विद्यार्थियों को शीघ्र मनी का वितरण किया गया।

युवा संवाद में छतरपुर की खुशी कुमारी ने पूछा कि एमबीए करना है घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। कैसे पढ़ाई करें। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री मेधावी योजना और गांव की बेटी योजना का लाभ लें। उमरिया से कीर्ति सिंह ने कहा कि हम पढ़ाई के साथ-साथ स्वरोजगार के लिए भी पढना चाहते हैं क्या करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्वरोजगार के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रम को जोड़ा गया है। अब पुलिस में 33 फीसद बेटियों की भर्ती की जाएगी और शिक्षा में 50 फीसद पदों पर भर्ती की जाएगी। अगर बेटियों पर कोई गलत नजर डालेगा तो सीधे बुलडोजर चलेगा। मुख्यमंत्री ने कालेज के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि इस कार्यक्रम में 24 लाख युवा जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने वाला पहला प्रदेश है। मंत्री ने कहा कि इस सत्र में सरकारी कालेजों को भवन बनाया जाएगा। साथ ही 528 सरकारी कालेजों में सुदृढ़ व्यवस्था को जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप पढ़ाई की चिंता करें, फीस की जिम्मेदारी मेरी है। श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में कार्यक्रम के लाइव प्रसारण हेतु तकनीकि सहयोग श्री कुशल मिश्रा, श्री प्रशांत खरे एवं श्री आनंद सूर्यवंशी का रहा।

4.84 विश्व स्वास्थ्य दिवस पर कैंप का हुआ आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के फार्मेसी, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग तथा प्राणिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं एवं विश्वविद्यालय के प्राध्यापक तथा पदाधिकारियों ने अपनी-अपनी जांच कराई। इस कैंप में रक्त समूह की जांच, शुगर, रक्तचाप, वजन, ऊंचाई, ईसीजी, रक्त के बायोकैमिकल पैरामीटर तथा यूरिन की जांच की गई। जांच के उपरांत सभी को स्वस्थ पाया गया। इस कार्यक्रम में पैरामेडिकल से श्री सौरभ खरे, श्री अजय शर्मा, श्रीमती पूजा पटेल, श्रीमती समा खातून एवं श्रीमती प्रणनति चतुर्वेदी फार्मेसी से श्री राममिलन विश्वकर्मा, श्री दीपेन्द्र सिंह बुंदेला तथा प्राणिशास्त्र विभाग से डॉ. अश्वनी कुमार दुबे एवं श्री विकास गुप्ता का सक्रिय सहयोग रहा इसके साथ विश्वविद्यालयीन छात्र-छात्राओं में आस्था साहू, शिवानी राय, अनु राजपूत, स्वदेश तिवारी एवं अमर सिंह का तकनीकि सहयोग सराहनीय रहा।

4.85 दो दिवसीय रोजगार मेला संपन्न

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर व एमएससी एग्रीकल्चर के अंतिम वर्ष के छात्र छात्राओं के लिए हुआ। जिसमें मुंबई की श्री शुभम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड कंपनी ने छात्र-छात्राओं का रिक्रूटमेंट किया। कार्यक्रम की शुरुआत श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में मां सरस्वती के पूजन अर्चना से हुई। रिक्रूटर्स का शॉल, श्रीफल एवं फूल माला से स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे एवं डॉ. दीपा कुशवाह शोध निदेशक मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्री मोहित खन्ना द्वारा कंपनी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई करियर अपॉर्चुनिटी एवं ग्रोथ अपॉर्चुनिटी के बारे में बताया गया इसके बाद छात्र छात्राओं से ह्यूमन रिक्रूटर ने वार्तालाप किया जिसमें उनको जॉब सिक्योरिटी गवर्नमेंट टाइअप एवं B2B बिजनेस के बारे में भी बताया गया। छात्र छात्राओं को कंपनी की जॉब डिस्क्रिप्शन का पूरा उल्लेख किया गया एवं उनके कर्तव्यों के बारे में बताया गया विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है एवं उन्होंने कहा कि आने वाले समय में छात्र-छात्राएं अपने भविष्य के प्रति सजग रहें तथा जॉब ओरिएंटेड कोर्स का सही तरीके से चयन करें। उन्होंने छात्रों को यह भी आश्वासन दिया है कि विश्वविद्यालय शत प्रतिशत प्लेसमेंट की तरफ अग्रसर है और आने वाले समय में अन्य पाठ्यक्रमों में भी इसी तरह से जॉब अपॉर्चुनिटी दी जाएगी।

इस रोजगार मेला में बी.एस.सी. एग्रीकल्चर से पुष्पेंद्र तिवारी, हरगोविंद पटेल, रितिक चौरसिया, ऋतुराज सिंह भदौरिया, पंकज उपाध्याय, संभव प्रताप सिंह एवं एम.एस.सी. एग्रीकल्चर से राजेंद्र सिंह चंदेल का चयन हुआ। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल के सदस्यों डॉ. सुप्रिया गौतम, श्रीमती अलका निगम, श्री विवेक प्रताप सिंह, निवेदिता एलेग्जेंडर के नेतृत्व में संपन्न हुहा। इस कार्यक्रम में डॉ. आकाश सिंह सहित कृषि विज्ञान संकाय के विभागाध्यक्ष श्री शिवराज सिंह, सहायक प्राध्यापक श्री शिवम नायक, सहायक प्राध्यापक श्री अंशुल प्रताप सिंह, सहायक प्राध्यापक श्री संतोष पटेल, राहुल दीक्षित का सराहनीय योगदान रहा।

प्रथम चरण में उनके बायोडाटा की शॉर्ट लिस्टिंग की गई। तत्पश्चात छात्र छात्राओं को ग्रुप डिस्कशन के लिये अलग अलग ग्रुप बनाये जिसमें उन्होंने टॉपिक दिया और उस पर छात्र छात्राओं को पक्ष एवं विपक्ष में अपनी बात रखने को कहा छात्र- छात्राओं का चयन पर्सनल इंटरव्यू में हुआ जिसमें श्री शुभम लॉजिस्टिक लिमिटेड के एच.आर. ने छात्र – छात्राओं से काफी देर तक गहन बातचीत की एवं उनसे जॉब ऑफर के बारे में बात की एवं छात्र छात्राओं से विभिन्न सबाल पूछें यह पूरी चयन प्रक्रिया में श्री शुभम लॉजिस्टिक्स लिमिटेड मुंबई के श्री मोहित खन्ना ह्युमन रिक्यूटर एवं दीपेंद्र सुमरा स्टेट हेड मध्य प्रदेश ने आकर छात्र छात्राओं के साक्षात्कार लिए। उन्होंने छात्र छात्राओं को एग्री वेयर हाउसिंग के बारे में बताया गया एवं आने वाले समय में जॉब अपॉर्चुनिटी भी बताई गई। एग्रीकल्चर के क्षेत्र में वेयर हाउसिंग का महत्व है एवं भविष्य इससे बहुत सी जॉब की संभावना है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के अध्यक्ष आकाश सिंह ने बताया कि एग्रीकल्चर के छात्र छात्राओं के लिये ट्रेनिंग, इण्टरनिश जैसी सुविधा छात्र छात्राओं के लिये दी जाती है एवं आने वाले समय में नई नई चुनौतियों पर काम करना जैसे हाईटेक खेती, किचन गार्डन पर भी ट्रेनिंग दी जा रही है। विश्वविद्यालय द्वारा छात्र छात्राओं के लिये प्लेसमेंट की व्यवस्था की जाती है एवं उनके भविष्य को जॉब देकर सुरक्षित भी किया जाता है।

4.86 प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग द्वारा कराया गया ऐड मेनिया

आज दिनांक ११ अप्रैल २०२२ को विश्वविद्यालय के सभागार में ऐड मेनिया प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभांरभ माँ सरस्वती की पूजा एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ जिसमें विश्वविद्यालय उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, उप कुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, शोध निदेशक डॉ. दीपा कुशवाह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत मौजूद रहे। जज की भूमिका में इंजीनियरिंग विभाग की श्रीमती मेघना मिश्रा, फार्मेसी विभाग के प्राचार्य डॉ. आनंद चौरसिया एवं एग्रीकल्चर के संकायाध्यक्ष डॉ. आकाश सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन कु. अनुप्रिया नामदेव ने किया। प्रतियोगिता की शुरुआत में अलग-अलग विभाग के छात्र छात्राओं के अनूठे संकल्पना के साथ हुई जिसमें उनको उनके उत्पाद का प्रदर्शनएवं विज्ञापन को दिखाना था।

छात्र-छात्राओं ने इसमें माउथवॉश, पिंपल से लड़ने वाले क्रीम, हाथ से बने हुए पंखे, ऑर्गेनिक एलोवेरा जेल की एसपीएफ की क्रीम, वेस्ट मैनेजमेंट से तैयार की गई कलाकृति, एग्रीकल्चर से ऑर्गेनिक फार्मिंग द्वारा उगाए गई सब्जियां एवं विंड एनर्जी जैसे अलग-अलग अनूठे संकल्पनाओं को उत्पाद के तहत दर्शाया गया। इस कंपटीशन में बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया एवं एग्रीकल्चर विभाग के छात्र आशीष, अंकित, बृजेंद्र, बसंत,मनीष जिनके प्रोडक्ट ऑर्गेनिक सब्जी टोकरी को प्रथम पुरस्कार मिला। द्वितीय पुरस्कार सामूहिक रूप से अदिति, पुष्पांजली, अमरचंद, अंजली, प्रशांत जिनके प्रोडक्ट वेस्ट मैनेजमेंट ऐप्लीकेशन मैनेजमेंट एण्ड कॉमर्स विभाग के छात्रों को मिला एवं शुभम, प्रशांत, शिवेश, देवेश जिनके प्रोडक्ट बूम ब्लास्टर एग्रीकल्चर विभाग के छात्रों को मिला एवं तृतीय पुरस्कार फार्मेसी विभाग के छात्रों सोविया, साक्षी, आदर्श, मनु जिनका प्रोडक्ट माउथ बॉस को दिया गया। सांत्वना पुरस्कार में विधि विभाग के छात्र ओमप्रकाश, काजल, प्रदीप, रितु जिनका प्रोडक्ट हाथ से बना हुआ पंखा को दिया गया। विश्वविद्यालय में ऐसे अनूठे कार्यक्रम आगे भी कराए जाएंगे एवं छात्र छात्राओं को आगे बढने का मौका दिया जायेगा।

विश्वविद्यालय का यह प्रयास है की छात्र-छात्राएं पढ़ाई लिखाई के साथ अपने स्किल को भी आगे लाएं एवं शिक्षा के साथ आधुनिकता को अपनाएं इस तरह के कार्यक्रम रोजगार परख होते हैं और छात्र छात्राओं के बीच में उत्साहवर्धन देते हैं कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. राजेंद्र चौधरी, कु. अनुप्रिया नामदेव, श्री सचिन चौरसिया की प्रमुख भूमिका रही प्रबंधन एवं कॉमर्स विभाग की डॉ. सुप्रिया गौतम, श्रीमती मयूरी चंदेल, श्री पंकज गुप्ता, श्री कमलेश कुमार एवं श्रीमती अल्का निगम की अहम भूमिका रही।

4.87 पृथ्वी ग्रह में निवेश करें विषय पर हुआ सेमिनार

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में सेमीनार का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय कुलसचिव श्री विजय सिंह, उपकुलसचिव डॉ. अश्वनी कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत एवं सभी प्राध्यापक, पर्यावरण प्रेमी एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मानव जीवनदायिनी कही जाने वाली माँ पृथ्वी की आराधना कर किया गया। विश्वविद्यालय कुलसचिव श्री विजय सिंह ने विश्वपृथ्वी दिवस के बारे में बताते हुये कहा कि हम हर वर्ष २२ अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाते है। आज के समय में पृथ्वी कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है जिनमें ग्लोबल वार्मिंग एवं प्रदूषण आदि प्रमुख हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत ने पृथ्वी दिवस की थीम हमारे ग्रह में निवेश करें पर प्रकाश डालते हुये बताया कि जीवन जीने के लिए जिन प्राकृतिक संसाधनों की जरूरत इंसान को होती है पृथ्वी वह सब हमें प्रदान करती है। हालांकि वक्त के साथ सभी जरूरी प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इस कदर हो रहा है कि समय से पहले की सभी संसाधन खत्म हो सकते हैं। ऐसे में मनुष्य के लिए पृथ्वी पर जीवित रहना मुश्किल हो जाएगा। इसी मुश्किल को हल करने के लिए प्रकृति प्रदत्त चीजों का संरक्षण करने की आवश्यकता है। डॉ. आकाश सिंह कृषि संकायाध्यक्ष ने सभी से कम से कम एक वृक्ष लगाने की अपील की जिससे पर्यावरण में ऑक्सीजन का संतुलन एवं खाद्य संकट को बचाया जा सके। डॉ. आनंद चौरसिया प्राचार्य फार्मेसी विभाग ने बताया कि पृथ्वी पर पौधे हमें औषधी प्रदान करते हैं जिससे हम अपने जीवन को स्वस्थ रखते हैं।

इस अवसर पर प्राध्यापक डॉ. अश्वनी कुमार दुबे ने पावर पाइण्ट प्रजेंटेशन के माध्यम से पर्यावरण के मुद्दे एवं वैश्विक स्वास्थ्य पर अपना विशेष व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने जैव विविधता, वैश्विक ऊष्मीकरण एवं जलवायु परिवर्तन पर प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि प्रकृति के संबंध में हमें और भी संवेदनशील एवं कर्तव्यनिष्ठ होने की आवश्यकता है जिससे हम आगामी पीढ़ी को एक बेहतर पर्यावरणीय माहौल प्रदान कर सकें। इस अवसर पर सभागार में उपस्थित सभी ने पृथ्वी को बचाने के लिये प्रतिज्ञा ली कि हम प्रदूषण को रोकने और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में मदद करने के लिए अगला कदम उठाकर हर दिन पृथ्वी दिवस मनाने की शपथ लेता हूं। हम जो कर सकता हूं उसे करने की शपथ लेता हूं, रीसायकल करना, ऊर्जा बचाना, पानी बचाना, हमारे प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, पेड़ लगाना और अगली पीढ़ी के लिए एक स्वच्छ और हरित कल के लिए मिलकर काम करेंगे।

4.88 भारतीय शिक्षण मण्डल महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष बने डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम

इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में भारतीयता लाने के प्रयासों पर परिचर्चा था। इस अवसर पर मध्य क्षेत्र के पदाधिकारियों की बैठक आहूत की गई जिसने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय इकाई प्रमुख म.प्र. निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. भरत शरण सिंह जी, महाकौशल प्रांत के संगठन मंत्री माननीय दयानिधि जी, मध्य क्षेत्र की पालक अधिकारी सुश्री अरूंधति ताई जी, महेश दावक जी मध्य क्षेत्र पालक अधिकारी, छत्तीसगढ के प्रांत अध्यक्ष प्रो. पी.के. बाजपेयी जी, महाकौशल के प्रांत अध्यक्ष डॉ संजीव जैन कुलपति जम्मू केंद्रीय विश्वविध्यालय प्रांत मंत्री डॉ. कमलेश गौतम जी एवं अन्य कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में महकौशल प्रांत के कोष प्रभारी डॉ. ज्ञानेंद्र त्रिपाठी जी द्वारा प्रस्ताव रखा गया जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के चेयरमैन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम को महकौशल प्रांत के प्रांत उपाध्यक्ष बनाने की अनुशंसा प्रस्तुत की गई जिसका अनुमोदन महाकौशल प्रांत मंत्री डॉ. कमलेश गौतम जी के साथ-साथ अन्य प्रान्त पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

प्रस्ताव पारित उपरान्त मध्य क्षेत्र पालक अधिकारी अरूंधति ताई जी द्वारा अनुमोदन पश्चात डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम के महाकौशल प्रांत के उपाध्यक्ष बनने की विधिवत घोषणा की गई।

इसके पश्चात भारतीय शिक्षण मण्डल मध्य क्षेत्र के डॉ. अम्बर व्यास प्रान्त मंत्री छत्तीसगढ, डॉ. शिवकुमार शर्मा ग्वालियर के साथ-साथ अन्य समस्त सहभागियों ने उन्हें बधाईयाँ एवं शुभकामनायें प्रेषित की।

4.89 गोद ग्राम चौका में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के नर्सिंग और पैरामेडिकल विभाग में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं द्वारा गुरुवार को गोदग्राम चौका में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं द्वारा ग्रामीणों का विधिवत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा वर्तमान में कोरोना संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये समस्त ग्रामवासियों को कोरोना संक्रमण से बचाव हेतु जागरुक किया गया।

गोदग्राम चौका के पंचायत भवन में संचालित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में आए ग्रामीणों को पहले सैनिटाइज किया फिर उनको मास्क वितरित किये गए तत्पश्चात उनका स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण किया गया जिसमें वजन, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ब्लड ग्रुप, टेंपरेचर एवं हीमोग्लोबिन की जांच की गई। बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु डॉ. अनिल धगट कुलपति, श्री विजय सिंह कुलसचिव, श्रीमती मेघना मिश्रा उपकुलसचिव परीक्षा, नर्सिंग विभाग से श्रीमती पूजा पटेल, शमा नाज़, डॉ. प्रणति चतुर्वेदी, पैरामेडिकल विभाग से श्री अजय कुमार शर्मा, श्री सौरभ खरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में दिलीप चौरसिया, छोटू यादव एवं राहुल सिंह सेंगर के अलावा ग्राम चौका के सरपंच श्री सुरेंद्र सिंह परिहार और पंचायत सचिव श्री मलखान सिंह सेंगर ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

4.90 मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में विज्ञान संकाय द्वारा मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन १० मई २०२२ को किया गया। विश्वविद्यालय के समस्त विभागों की छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय में स्थापित फाइन आर्ट गैलरी में किया गया। इस गैलरी को छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की रंगोली बनाकर आकर्षण का केन्द्र बना दिया। कार्यक्रम का प्रारंभ विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, रिसर्च डायरेक्टर डॉ. दीपा कुशवाह, उपकुलसचिव परीक्षा श्रीमती मेघना मिश्रा ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया।

अपने आशीष वचन मे माननीय कुलसचिव ने कहा कि इस तरह के सृजनात्मक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने से छात्र-छात्राओं का आत्मविश्वास बढता है और उन्हें स्वयं की प्रतिभा को पहचानने का अवसर भी प्राप्त होता है। डॉ. दीपा कुशवाह रिसर्च डायरेक्टर ने कहा कि छात्रायें एक परिवार की नहीं बल्कि दो परिवार की नींव होती है। उनमें घर को मन्दिर बनाने की अद्भुत शक्ति होती है। अवसर मिलने पर उन्हें अपनी प्रतिभा को उभारते रहना चाहिए। उपकुलसचिव परीक्षा श्रीमती मेघना मिश्रा ने छात्राओं का उत्साहवर्धन निम्न पंक्तियों के माध्यम से किया- "मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है। पंख से कुछ नहीं होता है, होंसलों से उड़ान होती है।"

कार्यक्रम का आयोजन विज्ञान संकाय की डॉ. निहारिका तिवारी विभागाध्यक्ष गणित विभाग, सहायक प्राध्यापक श्रीमती भाग्यवती चौरसिया, श्रीमती नेहा यादव, कु. रूचि रावत द्वारा कराया गया। कार्यक्रम के अंत में निर्णायक मण्डल के द्वारा प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया जिसमें प्रथम स्थान बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष की छात्रा आलीशा ठाकुर एवं एम.एस.सी. द्वितीय वर्ष की छात्रा आंचल सिंह ने संयुक्त रूप से प्राप्त किया। द्वितीय स्थान बी.ए. योगा की छात्रा रूपा ताम्रकार ने प्राप्त किया और तृतीय स्थान एम.बी.ए द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा मालती अहिरवार ने प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समस्त महिला प्राध्यापक उपस्थित रहीं।

www.skuindia.ac.in

4.91 पर्यावरण एवं पक्षी संरक्षण पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के सभागार में पर्यावरण एवं पक्षी संरक्षण पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस राजपूत, एडवोकेट श्री राजेंद्र नामदेव एवं विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा स्वस्थ पर्यावरण एक स्वस्थ जीवन की कुंजी है भावी पीढ़ियों को प्रदूषण मुक्त एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करने के लिये पर्यावरण संरक्षण करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रकृति और पर्यावरण का संरक्षण करके हम न केवल सृष्टि की रक्षा कर पायेंगे अपितु समस्त प्राणियों को सुखद एवं आनंददायक जीवन देने में सफल भी होंगे। वर्तमान में पर्यावरण के असंतुलन से कई प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं उन्होंने आंगे बताया कि गौरैया की संख्या में निरंतर कमी का प्रमुख कारण हम मनुष्यों की आधुनिक जीवन शैली और पर्यावरण के प्रति उदासीनता है। आधुनिक बनावट वाले मकानों में गौरैया को अब घोंसले बनाने की जगह ही नहीं मिलती, जहां मिलती है, वहा हम उसे घोंसला बनाने नहीं देते, अपने घर में थोड़ी-सी गंदगी फैलने के डर से हम उसका इतनी मेहनत से तिनका-तिनका जुटाकर बनाया गया घर उजाड़ देते हैं। इससे उसके जन्मे-अजन्मे बच्चे बाहर बिल्ली, कौए, चील, बाज जैसे परभक्षियों का शिकार बनते हैं। गौरैया छोटे पेड़ों या झाड़ियों में भी घोंसला बनाती है. लेकिन मनुष्य उन्हें भी काटता-छांटता जा रहा है। वह बबूल, कनेर, नींबू, अमरूद, अनार, मेहंदी, बांस, चांदनी आदि पेड़ों को पसंद करती है। पर अब या तो इन्हें लगाने के लिए अब जगह नहीं बची है या इतना सब सोचने की हमारे पास फुर्सत नहीं है। शहरों और गांवों में बड़ी तादाद में लगे मोबाइल फ़ोन के टावर भी गौरैया समेत दूसरे पक्षियों के लिए बड़ा ख़तरा बने हुए हैं। इनसे निकलने वाली इलेक्ट्रोमैग्नेटिक किरणें उनकी प्रजनन क्षमता पर बुरा प्रभाव डालती हैं। इसके अलावा उनके दाना-पानी की भी समस्या है। गौरैया मुख्यतः काकून, बाजरा, धान, पके चावल के दाने और कीड़े खाती है। आधुनिकता उनसे प्राकृतिक भोजन के ये स्रोत भी छीन रही है।

विश्वविद्यालय के उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने अपने उद्बोधन में गिद्धों की घटती संख्या के कारण पर प्रकाश डालते हुये बताया कि 1950 और 60 के दशक में धारणा थी कि पशुओं के मृत शरीर में डीडीटी का अंश बढ़ने के कारण डीडीटी गिद्धों के शरीर में भी पहुंच रहा है तथा इसके कारण उनके अधिकांश अंडे परिपक्व होने से पूर्व ही टूट जा रहे हैं। यह धारणा कालांतर में त्याग दी गई क्योंकि अन्य पक्षियों में इस तरह का कोई असर नहीं देखा गया। कुछ विशेषज्ञों का मत था कि गिद्धों पर किसी विषाणु का आक्रमण हो गया है जिस कारण वे सुस्त हो जाते हैं। गिद्ध अपने शरीर का तापमान कम करने के लिए ऊंची उड़ान भरते हैं, ऊंचाई में वायुमंडल में ऊपर तापमान कम होता है तथा वहां जाकर गिद्ध ठंडक प्राप्त करते हैं। विषाणु से उत्पन्न सुस्ती के कारण ये उड़ान नहीं भर पाते हैं तथा बढ़ते तापमान के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है इससे यूरिक एसिड के सफेद कण इनके हृदय, लीवर, किडनी में जम जाते हैं और अंतत: इनकी मृत्यु हो जाती है।

विश्वविद्यालय कुलसचिव श्री विजय सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय परंपराओं में यह विश्वास पाया जाता है कि वेदों में प्रकृति के समस्त रहस्यों पर आधारित मानव के हित में जीवन शैली का पूर्ण उद्देश्य मिलता है अत: हमें पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रदूषण मुक्त वातावरण निर्मित करने के लिये वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए, वृक्षारोपण ही हमारे जीवन का प्रमुख उद्देश्य होना चाहिए जिससे हमारा वातावरण स्वच्छ और सुंदर रहेगा आज हम एक संकल्प लेते हैं कि "लगाये एक पौधा अपने नाम का"

एडवोकेट श्री राजेंद्र नामदेव ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारा उद्देश्य यह है कि हम जैव विविधता के प्रति सजग हों अगर हम सजग नहीं हुये जो पर्यावरण असंतुलन के परिणाम आगे आने वाले समय में बड़े ही भयावह होंगे। इंसान के बहुत करीब रहने वाली कई प्रजातियों के पक्षी और चिड़िया आज हमारे बीच से गायब है और कुछ विलुप्त होने की कगार पर हैं। जलवायु परिवर्तन और अत्याधिक मानवीय हस्तक्षेप के चलते हमारे और पक्षियों के अस्तित्व पर खतरा मड़रा रहा है जिससे निपटना हमारे लिये आसान नहीं है। इस दिशा में यही महत्वपूर्ण कदम होगा कि हम पर्यावरण के संरक्षण के प्रति जागरूक हों वृक्षारोपण करें और जीवन को खुशनुमा बनायें।

दिनो दिन बढ़ रही गर्मी एवं सूर्य की तेज किरणों के साथ अब लोगों को गर्मी का तेज अहसास होने लगा है साथ ही साथ पक्षियों को गर्मी में राहत पाने के लिए पानी समय समय पर मिल सके प्यास के कारण उन्हें मौत को गले न लगाना पड़े। पक्षियों के प्रति दया भाव रखना, उनकी सुरक्षा के प्रति सेवा भाव रखना भी मानव धर्म है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा पक्षियों के लिये पीने के पानी उपलब्ध करने का अभियान प्रारंभ किया गया है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत पक्षियों की प्यास बुझाने के लिये दाना-पानी पात्र (सकोरा) रखा गया। मिट्टी से बना बर्तन (सकोरा) जिसमें पानी भरा जाता है विश्वविद्यालय प्रांगण में लगे लगभग १५० वृक्षों में लगभग २०० सकोरा डाली पर बांधे गए जिससे पक्षियों को पीने के लिए पानी मिल सके। विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने सकोरा में प्रतिदिन नियमित समय पर पानी भरने की जिम्मेदारी स्वयं से ली।

संगोष्ठी का संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार तिवारी ने एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया।

4.92 विश्वविद्यालय में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में १२ मई को अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस धूमधाम से मनाया गया जिसमें नर्सिंग और पैरामेडिकल विभाग के छात्र-छात्राओं ने बढ़ – चढकर हिस्सा लिया। छात्र-छात्राओं द्वारा बनाई गई रंगोली सभी के आकर्षण का केंद्र रही।

कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सभागार में अतिथियों द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन करके प्रारंभ किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस.राजपूत एवं समस्त विश्वविद्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहा।

सभी छात्र-छात्राओं ने लैम्प लाइटिंग के पश्चात शपथ ली कि "वे अपने कार्य को कर्तव्यनिष्ठता एवं नर्स के रूप में अपने उत्तरदायित्व बखूबी ढंग से निर्वहन करेंगे। बिना नि:स्वार्थ भाव से एक मां एक बहन के रूप में करेंगे जिससे मरीज को परिवार की कमी महसूस न हो। अपने घरों से दूर परिवार से दूर रहकर दिन और रात अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करेंगे और इस पेशे से जुड़ी हुई खुशियों के साथ कई चुनौतियों का सामना भी डटकर करेंगे।"

इसके बाद विश्वविद्यालय के सभागार कक्ष में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत स्वागत गीत, सरस्वती वंदना, सामूहिक नृत्य, गायन एवं भाषण प्रतियोगिता संपन्न हुई।

www.skuindia.ac.in

4.93 पक्षियों के लिये रखे जगह जगह सकोरा

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश कुमार एवं कु. वर्षा यादव के निर्देशन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवी छात्र- छात्राओं ने वृक्षारोपण किया एवं पक्षियों की पानी पीने की व्यवस्था सकोरा रख कर की।

विश्वविद्यालय कुलसचिव श्री विजय सिंह जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र की युवा शक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु समाज के हित के कार्य राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राएं करते है जैसे स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन जन को जागरूक करना मै इनके उत्साह की प्रशंसा करते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश कुमार ने कहा कि परोपकार परहित सेवा भाव ही राष्ट्रीय सेवा योजना का मूल मंत्र है। कार्यक्रम अधिकारी कु. वर्षा यादव ने कहा कि आपातकालीन प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ित लोगों की सहायता करने के लिए सदैव तत्पर रहते है।

कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टॉफ उपस्थित रहा।

4.94 एस.के.यू टाइम्स ई-न्यूज़ बुलेटिन मासिक पत्रिका का विमोचन

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय बुन्देलखण्ड अंचल का गुणवत्ता पूर्ण श्रेष्ठ शिक्षा देने में अग्रणी निजी विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में होने वाली माह की समस्त गतिविधियों जैसे खेल कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्याख्यान, संगोष्ठी, छात्र-छात्राओं द्वारा किए गए कार्यों का विवरण एवम् प्राध्यापको द्वारा शैक्षिणक तथा शोध के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्य का विवरण एस.के.यू टाइम्स में हर माह प्रकाशित किया जाएगा।

पत्रिका का विमोचन विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह एवं वरिष्ट पत्रकार राजेंद्र द्विवेदी एवं घनश्याम पटेल तथा मार्केटिंग टीम से अजीत दुबे के साथ विश्वविद्यालय के ऊर्जावान प्राध्यापकों द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने इस कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह मासिक पत्रिका हमारे विश्वविद्यालय परिवार का एवं विश्वविद्यालय का दर्पण है। यह पत्रिका हमारे विश्वविद्यालय को एक नई पहचान देगा एवं प्रगति पथ की ओर ले जाएगा।

उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन मैं कहा कि इस पत्रिका के प्रकाशन से विश्वविद्यालय में होने वाली समस्त गतिविधियों के बारे में छात्र छात्राएं अवगत होंगे एवं माह भर की कार्य प्रणाली से हमें अपने प्राध्यापको की शैक्षिक उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्राप्त होगी साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा अध्ययन के अतिरिक्त और किए गए उल्लेखनीय कार्यों से भी हम रुबरू होंगे।

उपस्थित पदाधिकारियों ने श्री कृष्णा विश्विद्यालय द्वारा किया जा रहे इस तरह के नवीन प्रयोगों की भरपूर प्रशंसा की। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने इस कार्य की सराहना करते हुए पत्रिका के सम्पादक मंडल के सभी सदस्यों को बधाई दी एवं इसी क्रम मैं एक वार्षिक प्रतिवेदन को भी जल्दी ही प्रकाशित करने की बात कही।

एस.के.यू टाइम्स ई-न्यूज़ बुलेटिन पत्रिका के विमोचन पर पत्रिका के प्रधान सम्पादक एवं मानव संसाधन प्रबंधक श्री मनीष कुमार सिंघल ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर एस.के.यू टाइम्स ई-न्यूज़ बुलेटिन सलाहकार समिति से डॉ. बी.एस.राजपूत, डॉ. दीपा कुशवाह, श्रीमती मेघना मिश्रा, मुख्य सम्पादक श्रीमती मयूरी सिंह, निवेदिता अलेकजेंडर, सम्पादक मंडल से डॉ. आशीष तिवारी, डॉ. सुप्रिया गौतम, श्रीमती रेनू झा, श्री ओंकार तिवारी, श्रीमती वन्दना शुक्ला, प्रिन्ट मीडिया सदस्य श्रीमती अंजली चौरसिया, श्री दिलीप चौरसिया, और श्री संतोष रैकवार के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

4.95 संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में किया विश्वविद्यालय का नाम रोशन

भारतीय युवा मोर्चा छतरपुर के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन १९ मई को विश्वविद्यालय के सभागार में किया गया जिसमें विभिन्न संकायों एवं विभागों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। भाषण प्रतियोगिता के शीर्षकों में नवभारत में युवाओं की भूमिका, राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२०, विश्व पर्यावरण, आत्मनिर्भर भारत, आजादी का अमृत महोत्सव एवं महिला सशक्तिकरण थे। उपरोक्त शीर्षकों पर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने अपने अपने विचार रखे।

सभी प्रतिभागियों के विचारों को सुनने के पश्चात निर्णायक मंडल ने बी.ए.एल.एल.बी के छात्र आकाश गौतम, एम.बी.ए. के छात्र तौफीक खान का चयन संभाग स्तर पर सम्पन्न होने वाली भाषण प्रतियोगिता के लिए किया गया।

संभाग स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन २९ मई को किया गया। जिसमें सागर संभाग के विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के छात्र- छात्राओं ने प्रतिभाग किया श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के छात्र आकाश गौतम एवं तौफीक खान ने क्रमशः नवभारत में युवाओं की भूमिका एवं आजादी का अमृत महोत्सव पर अपने मौलिक विचारों के साथ - साथ संबंधित दार्शनिकों, विचारकों, स्वतंत्रता सेनानियों के विचारों को भी व्यक्त किया प्रतिभागियों ने संभाग स्तर पर चौथा स्थान प्राप्त कर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और शील्ड प्रदान की गई है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह और सभी प्राध्यापकों ने छात्रों की प्रशंसा की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

4.96 दो दिवसीय राष्ट्रीय मूट कोर्ट का आयोजन

शासकीय नवीन विधि महाविद्यालय इंदौर में दिनांक १४/०५/२०२२ से १५/०५/२०२२ तक द्वितीय राष्ट्रीय मूटकोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत से १६ टीमों का चयन किया गया था जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के विधि विभाग के छात्रों ने अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की।

प्रतियोगिता का शुभारंभ पूर्व लोकसभा स्पीकर श्रीमती सुमित्रा महाजन जी ने किया उन्होने अपने उद्बोधन में मूट कोर्ट को शुभकामनाऐ प्रेषित की। प्रतियोगिता का प्रारंभ श्री कृष्णा यूनिवर्सिटी, छतरपुर एवं नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी, भोपाल के बीच प्रतिस्पर्धा हुयी। जिसमें श्री कृष्णा विश्वविद्यालय की टीम के प्रथम स्पीकर स्वाती बुंदेला ने अभियोजन पक्ष की दलील प्रस्तुत की तत्पश्चात द्वितीय स्पीकर दृष्टि द्विवेदी ने सहयोगी अधिवक्ता के रूप में कडी को आगे बढाते हुये माननीय उच्चतम न्यायालय के द्वारा निर्धारित न्यायिक दृष्टान्तों को प्रस्तुत करते हुये अभियोजन पक्ष को संदेह से परे साबित करने का प्रयास किया तथा विधि की संवैधानिकता के आधार पर प्रतिवादी पक्ष को दोष सिद्धि करने का अनुरोध किया। अनुसंधानकर्ता अनमोल चतुर्वेदी ने विधि के प्रश्नों को तुलनात्मक अध्ययन कर अपने अधिवक्ताओं की सहायता की और अपने मुकदमे में सम्पूर्ण व्यवहारिक ज्ञान प्रस्तुत किया।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के तीनों प्रतिभागियों के प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान करके पुरस्कृत किया गया तथा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय विधि विभाग सहायक प्राध्यापक शैलेंद्र सिंह ने छात्र-छात्राओं का निर्देशन किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह और सभी प्राध्यापकों ने छात्रों की प्रशंसा की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

4.97 दो दिवसीय जूडो कराटे प्रशिक्षण

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में दिनांक ३० और ३१ मई २०२१ को जूडो कराटे प्रशिक्षण कराया गया जिसमें सभी विभाग की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढकर भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती की पूजन से की गयी । जिसमें विश्वविद्यायल के कुलसचिव श्री विजय सिंह, शोध निदेशक डॉ. दीपा कुशवाह, उपकुलसचिव परीक्षा विभाग श्रीमती मेघना मिश्रा, परीक्षा अधीक्षक डॉ. आशीष कुमार तिवारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के पहले दिन श्रीमती मेघना मिश्रा ने महिलाओं के आत्म सम्मान को बारे में कहा "आत्मबल है सबसे बड़ा बल। आत्मरक्षा ही है सशक्त सुरक्षा॥" इन पंक्तियों से छात्राओं में उत्साह का संचार हुआ।

डॉ. दीपा कुशवाह ने बताया कि जुडो कराटे सभी महिलाओं के लिये शारीरिक रूप से ही न सही मानसिक रूप से भी मजबूत करता है। इससे आपमें न केवल आत्मरक्षा का भाव पैदा होता है, बल्कि आत्म सम्मान भी बढता है। इसके बाद प्रशिक्षणकर्ता श्री एहसान जी ने कार्यक्रम को प्रारम्भ करते हुये छात्राओं को जूडो की तकनीकी सिखायीं जिसमें मुक्केबाजी, कोहनी प्रहार, ठोड़ी प्रहार, आत्मरक्षा, आंगे, पीछे एवं साइड किक साथ ही में छात्राओं को आत्मरक्षा के लिये कलाई घुमाना, हांथ घुमाना, गर्दन की रक्षा करना, उंगली मोड़ना के प्रयोग बताये।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रशिक्षणकर्ता ने बताया कि आप कैसे अपने बचाव के लिये किसी पर अटैक कर सकते है। जिसके लिये उन्होंने ऊपरी, निचली, मध्य किक, आंगे, पीछे, साइड हमला, ठोड़ी, घुटने बचाना, हांथ, पैर को कैसे मारना के द्वारा आत्म सुरक्षा की जानकारी प्रदान की। साथ ही में बताया कि महिलाओं को कैसे सशक्त होना चाहिए। कैसे अपनी आत्मरक्षा करनी चाहिए और जूडो कराटे महिलाओं के लिये जरूरी है।

कार्यक्रम के समापन में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह ने छात्राओं को आंगे बढाने के लिये प्रेरणा दी और साथ ही में कहा कि महिलाए न केवल पढाई में या घर में आंगे हैं, बल्कि हर एक क्षेत्र में उन्होंने मुकाम हासिल किया है। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षणकर्ता एहसान का शॉल, श्रीफल से सम्मान किया और आयोजक समिति को शुभकामनाए प्रदान की। कार्यक्रम आयोजन समिति मे डॉ. निहारिका तिवारी, डॉ. नीना चौरसिया, श्रीमती रेनू झां, श्रीमती प्रणति चतुर्वेदी, कु. अनुप्रिया नामदेव,श्री दिलीप चौरसिया का विशेष योगदान रहा।

4.98 साइकिल रैली एवं वृक्षारोपण कर मनाया गया विश्व पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश कुमार के निर्देशन मे ५ जून को साइकिल रैली का आयोजन बाबूराम स्टेडियम छतरपुर मे किया गया है।इस प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह जी भी उपस्थित रहे उन्होने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम में सम्मिलित सभी अतिथिगण एवं प्रतिभागियों का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय द्वारा गोद ग्राम छिरावल में राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवी छात्र छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया साथ ही साथ जागरूकता रैली निकालकर ग्राम जनों को स्वच्छ वातावरण, शुद्ध पर्यावरण के बारे में जानकारी देते हुए जल संरक्षण के लिए कई अहम उपाय भी बताए जिससे हम जल का संरक्षण कर सकते है और जल की कमी से निजात पा सकते है एवं पक्षियों को पीने के लिए पानी की भी व्यवस्था भी छात्र-छात्राओं द्वारा की गई।

इस जागरूकता रैली में विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री विजय सिंह, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. महेश कुमार सह-प्राध्यापक, श्री शिवराज सिंह, श्रीमती रेनू झा, श्रीमती वन्दना शुक्ला आदि प्राध्यापकगण सहित छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

www.skuindia.ac.in

4.99 सॉफ्टवेयर ऐप्लीकेशन एण्ड रिसर्च फार्माकोलॉजी के बर्चुअल वर्कशॉप

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में डिपार्टमेन्ट ऑफ फार्मेसी के आज सॉफ्टवेयर ऐप्लीकेशन एण्ड रिसर्च फार्माकोलॉजी के आभासी वर्कशॉप का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. एस. कविमनी प्रोफेसर एण्ड हेड ऑफ डिपार्टमेंट, मदर टेरेसा पोस्ट ग्रेजुरेट एण्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस पुडुचेरी रहे। मुख्य वक्ता के द्वारा अपने उद्बोधन में विभिन्न प्रकार की दवाओं के उत्पादन, शोध एवं उपयोग पर विस्तार करते हुये कहा कि सॉफ्टवेयर अध्ययन द्वारा हम नवीन खोजों को प्राप्त कर सकते हैं एवं इस क्षेत्र में शोध कर रहे फार्मेसी को नित नवीन ऊचाईयों पर ले जा सकते हैं। इस कार्यक्रम का आयोजन श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग द्वारा किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम कुलाधिपति श्री कृष्णा विश्वविद्यालय, डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम चेयरमैन श्री कृष्णा विश्वविद्यालय तथा डिपार्टमेंट ऑफ फार्मेसी के समस्त प्राध्यापकगण एवं अन्य विभिन्न फार्मेसी संस्थानों के प्राध्यापकगण, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का शैक्षणिक स्टॉफ एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे। आभासी वर्कशॉप के संयोजक श्री गिरीश त्रिपाठी उपकुलपति श्री कृष्णा विश्वविद्यालय एवं संचालन डॉ. आनंद चौरसिया संकायाध्यक्ष फार्मेसी विभाग ने किया।

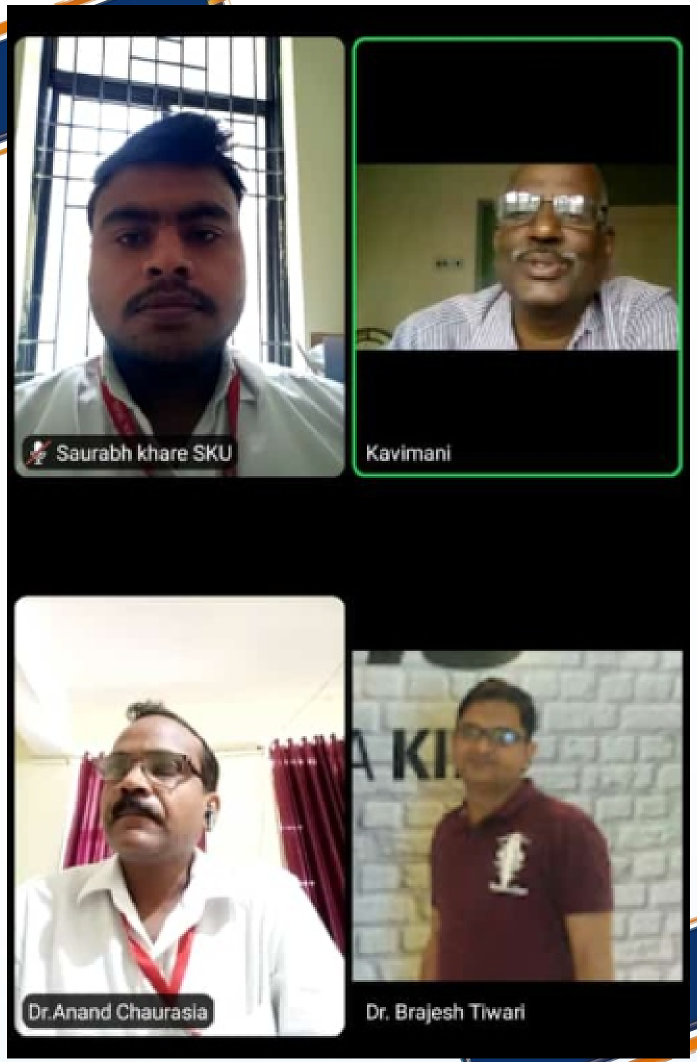

4.100 एन.सी.सी. कैडेट्सों का हुआ इंटर डायरेक्ट्रेड स्पोर्ट्स शूटिंग प्रतियोगिता जबलपुर के लिये चयन

दिनांक ०१ जून २०२२ से १० जून २०२२ तक कम्बाइंड ऐनुअल ट्रेनिंग कैम्प, जवाहर नवोदय विद्यालय, नौगांव में २५ म.प्र. बटालियन एन.सी.सी. की ओर से आयोजित किया गया था। जिसमें फायरिंग के लिये एक फायरिंग टीम का चयन किया जाना था। इस कैम्प के अंदर लगभग ५०० एन.सी.सी. कैडेट्स ने हिस्सा लिया एवं सभी कैडेट्स ने फायरिंग प्रतियोगिता में अपने हांथ आजमाये। अंततः श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के ०२ एन.सी.सी. कैडेट्स क्रमशः अण्डर ऑफिसर पंकज विश्वकर्मा, सीनियर डिवीजन एवं अण्डर ऑफिसर लवली राजा बुंदेला सीनियर विंग का चयन इंटर डायरेक्ट्रेड स्पोर्ट्स शूटिंग प्रतियोगिता जबलपुर के लिये किया गया। ये दोनों कैडेट्स जबलपुर में लग रहे कैम्प में १३ जून २०२२ से २२ जून २०२२ तक शूटिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। दोनों कैडेट्स को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के एन.सी.सी. अधिकारी गौरव शर्मा सीनियर डिवीजन एवं कु. निशा राजा बुंदेला सीनियर विंग के नेतृत्व में कुशल प्रशिक्षण दिया गया है।

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम, चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, कुलपति डॉ. अनिल कुमार धगट, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह ने उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाऐं प्रेषित कीं।

4.101 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के नर्सिंग, पैरामेडीकल एवं फार्मेसी विभाग तथा मध्यप्रदेश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वाधान में सम्पन्न हुआ। इस रक्तदान शिविर में विश्वविद्यालय के श्री मनीष सिंघल, श्री हिमांशु खरे, श्री अतुल त्रिवेदी, श्री धीरज शुक्ला, श्री गौरव शर्मा, श्री विशाल सिंह, निवेदिता एलेकजेंडर, रूचि रावत, अंजलि मिश्रा के साथ साथ अन्य शैक्षणिक, अशैक्षणिक कर्मचारियों ने अपना बहुमूल्य रक्तदान किया। रक्त दाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने कहा कि रक्तदान न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व है, अपितु अनेक हृदयों में विविध धमनियों द्वारा स्वयं की रक्त ऊर्जा संचरित कर अन्यों को स्वास्थ्य व जीवन दान देने का बेहतर अवसर है। रक्तदान स्वास्थ्यवर्धक व जीवन ऊर्जा प्रदाता है। 'विश्व रक्तदाता दिवस' पर रक्तदान का संकल्प लें। रक्तदान वह प्रक्रिया है जिससे हम दूसरे के प्राण बचाने में स्वयं का योगदान देते है। रक्तदान करने से जीवन में शुभ कर्म करने का लाभ प्राप्त होता है। इसके अलावा रक्तदान करने से कई प्रकार के लाभ हैं जैसे - हृदय स्वास्थ्य में सुधार करता है। साल में कम से कम दो बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए।

उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि आपात स्थिति हर मिनट होती है, और रक्त सबसे महत्वपूर्ण घटक है जो उपचार के समय आवश्यक होता है। आधुनिक युग में, रक्तदान सभी दानों में सर्वश्रेष्ठ है। मानवता को जीवित रखने के लिए ऐसे कार्य में सक्रिय भाग लेना हमारा कर्तव्य है। कुलसचिव श्री विजय सिंह ने कहा विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार भारत में प्रति वर्ष लगभग एक करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है, हर जरुरतमंदो को रक्त सही समय पर पहुँचाना और उनकी जान बचाना ही रक्तदान का उद्देश्य है। निस्वार्थ भाव जो व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति की सहायता करने के लिए अपना रक्त दान करते है उन्हें प्रोत्साहित करना रक्तदान का उद्देश्य है।

नर्सिंग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ.प्रणति चर्तुवेदी ने कहा कि 'विश्व रक्तदाता दिवस' उन रक्तदाताओं को धन्यवाद देने के लिए मनाया जाता हैं जो रक्तदान करके किसी का जीवन बचाने जैसा पुण्य कार्य करते है।

4.102 संयुक्त तत्वाधान में मेधावी छात्र सम्मान समारोह

श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर में दिनांक २२/०६/२०२२ को दैनिक भास्कर सागर एवं श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह विश्वविद्यालय के सभागार में सम्पन्न हुआ। आयोजन का मुख्य उद्देश्य कक्षा १२वीं की परीक्षा में ७५ प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों का सम्मानित करना था।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सतीश पटेल स्टेट हेड ऐड सेल दैनिक भास्कर, भोपाल थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम कुलाधिपति, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर थे तथा श्री राजेंद्र दुबे संपादक दैनिक भास्कर, श्री महेश कांत शर्मा यूनिट हेड, श्री अजीत दुबे यूनिट सेटेलाइड हेड दैनिक भास्कर सागर संभाग, श्री घनश्याम पटेल ब्यूरो चीफ दैनिक भास्कर छतरपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। आयोजन में विश्वविद्यालय के चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम, उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी, कुलसचिव श्री विजय सिंह की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्जवलन कर माँ सरस्वती की आराधना कर किया गया। अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर किया गया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि श्री सतीश पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक आधार स्तंभ है जो विद्यार्थियों को ऊंचाईयों पर पहुंचाने के लिये अग्रसर रहता है। महाभारत के अर्जुन के बारे में बताते हुये कहा कि जिस प्रकार अर्जुन लक्ष्य की ओर एकाग्र होकर एक धर्नुधर बन सकता है उसी प्रकार आप भी एकाग्र होकर अपने लक्ष्य को पा सकते है साथ ही साथ कार्यक्रम की सराहना करते हुये विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के माध्यम से बरबाद हो रहे भविष्य के लिये सचेत किया एवं मोबाईल जैसे उपकरणों के उपयोग की बात कही एवं दुरूपयोग से बचने की सलाह दी।

कार्यक्रम के अगले चरण में उपकुलपति श्री गिरीश त्रिपाठी के द्वारा श्री कृष्णा विश्वविद्यालय का परिचय प्रस्तुत किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य, सभी संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी, विश्वविद्यालय की उपलब्धियां तथा आगामी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय कुलाधिपति डॉ. बृजेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को कृषि तथा डेयरी एवं पशुपालन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विश्वविद्यालय कृषि एवं पशुपालन जैसे क्षेत्रों में कई स्थानीय महत्व के पाठ्यक्रम भी संचालित कर रहा है। विश्वविद्यालय से प्लेसमेंट में चयनित हुये विद्यार्थी आज कंपनियों में एच.आर. जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की कि मेधावी छात्र सम्मान समारोह में सम्मानित सभी विद्यार्थियों को श्री कृष्णा विश्वविद्यालय में प्रवेश प्राप्त करने पर शिक्षण शुल्क पर विशेष छूट प्रदान की जायेगी।

विशिष्ट अतिथि श्री राजेंद्र दुबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि बुंदेलखण्ड के छतरपुर जैसे पिछड़े जिले में अत्याधुनिक विश्वविद्यालय शुरू करने पर विश्वविद्यालय प्रबंधन की सराहना की साथ ही उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय इस क्षेत्र की प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिये उच्च शिक्षा पाने का एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। साथ ही उन्होंनें विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुये कहा कि हमें अच्छी संगत में रहकर पढाई करनी चाहिए।

विश्वविद्यालय चैयरमेन डॉ. पुष्पेंद्र सिंह गौतम ने अपने उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिये प्रतिबद्ध है साथ ही रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के माध्यम से उन्हें आत्म निर्भर बनाने में तत्पर है। वर्तमान परिपेक्ष्य में वही शिक्षा सर्वश्रेष्ठ है जो विद्यार्थी को एक सामान्य दैनिक कर्मचारी न बनाकर कुशल नौकरी प्रदायकर्ता बने। इस दौरान उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय वर्ष २०२१-२२ से राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० लागू करने वाला अग्रणीय विश्वविद्यालय रहा है।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. बी.एस. राजपूत ने कहा कि प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित कर श्री कृष्णा विश्वविद्यालय गौरांवित महसूस कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपनी रूचि अनुसार विद्यार्थियों से प्रवेश लेने हेतु आग्रह किया।

कार्यक्रम में श्री कृष्णा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापकों द्वारा अपने अपने विभागों द्वारा संचालित पाठ्यक्रम, उनकी आर्हता, विश्वविद्यालय में इन पाठ्यक्रमों से संबंधित विशेष सुविधायें तथा भविष्य में उपलब्ध विभिन्न रोजगार संभावना के बारे में संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया। जिसमें कला एवं मानवीकी संकाय से डॉ. दीपा कुशवाह, अभियांत्रिकी विभाग से श्रीमती मेघना मिश्रा, प्रबंधन विभाग से डॉ. राजेंद्र कुमार चौधरी, फार्मेसी विभाग से श्री अभिषेक पाठक, कृषि संकाय से डॉ. आकाश सिंह, विधि विभाग से श्री माधव शरण पाठक, कम्प्यूटर विभाग से श्री ओंकार तिवारी ने क्रमश: अपने विभागों का प्रतिनिधित्व किया।

इस अवसर पर निवेदिता अलेक्जेंडर ने विश्वविद्यालय के रोजगार एवं प्रशिक्षण के बारे में बताया कि श्री कृष्णा विश्वविद्यालय अपने विभिन्न विभागों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के शत प्रतिशत प्लेसमेंट के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने बीते सत्र में हुये प्लेसमेंट के बारे में जानकारी देते हुये बताया कि प्रबंधन, अभियांत्रिकी, कम्प्यूटर साइंस, फार्मेसी सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों का चयन अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियों में बहुत सम्मानजनक पैकेज पर हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य चरण में म.प्र. के विभिन्न विद्यालयों से पधारे मेधावी छात्रों का भास्कर समूह तथा विश्वविद्यालय के द्वारा प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों में राजनंदनी सिंह गौतम, आर्यन मिश्रा, कुशर्ग द्विवेदी, सत्यम कुशवाहा, सोमिल असाटी, सुविन्द्र लोधी, आशा शिवहरे, कृतिका तिवारी के साथ साथ कई अन्य विद्यार्थी शामिल रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों का शॉल, श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु श्री शिवेंद्र सिंह परमार, निवेदिता अलेक्जेंडर, श्रीमती मेघना मिश्रा, अनुप्रिया नामदेव, जयश्री चौहान, मयूरी चंदेल, सचिन व्यास तथा विवेक प्रताप सिंह के अलावा विश्वविद्यालय के अन्य शैक्षणिक – अशैक्षणिक स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुप्रिया गौतम, डॉ. प्रणति चतुर्वेदी ने एवं आभार कुलसचिव श्री विजय सिंह ने व्यक्त किया।

5. करार (एम ओ यू)

रिसर्च फॉर रिसर्जेंस फाउंडेशन (आर.एफ.आर.एफ.) नागपुर, अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान ग्वालियर, श्री कृष्णा विश्वविद्यालय छतरपुर सहित नौ शैक्षणिक संस्थानों के बीच हुआ महत्वपूर्ण अनुबंध

6. विश्वविद्यालय को विभिन्न संस्थानों से प्राप्त सम्मान

7. विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियाँ

8. संकाय

- विज्ञान
- शिक्षा
- वाणिज्य
- इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी
- कम्प्यूटर सांइस एवं एप्लीकेशन
- ह्यूमेनिटीज एवं सोशल साइंस
- लॉ
- मेडीकल साइंस
- वोकेशनल स्टडीज
- जर्नलिज्म एवं मास कम्यूनिकेशन
- डिजास्टर मेनेजमेन्ट
- प्रबंधन
- कृषि संकाय

9. गैलरी

www.skuindia.ac.in

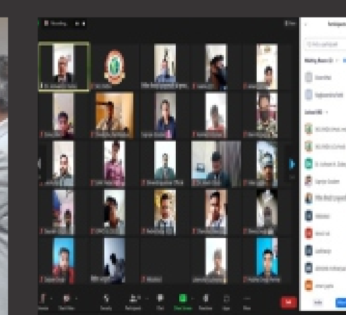

www.skuindia.ac.in

विशेष सुविधायें:

- ✶ न्यूनतम शुल्क में उत्कृष्ट एवं कौशलयुक्त शिक्षा
- ✶ नियमित कक्षायें एवं सेमिनार/प्रोजेक्ट
- ✶ IIT, Central University, State University की Faculty द्वारा अध्यापन
- ✶ अत्याधुनिक मशीनरी द्वारा सुसज्जित प्रयोगशालायें
- ✶ समय से परीक्षा एवं परिणाम
- ✶ प्रत्येक छात्र का बीमा एवं स्वास्थ परीक्षण सुविधा
- ✶ शिक्षा ऋण (Education Loan)
- ✶ बैंक द्वारा (SC/ST, OBC) छात्रों को शासन द्वारा छात्रवृत्ति सुविधा
- ✶ ई-लाईब्रेरी, वाई-फॉई कैम्पस, हिन्दी एवं अंग्रजी माध्यम में अध्यापन
- ✶ पर्सनाल्टी डेवलपमेंट एवं स्पोकन इंग्लिश की नियमित कक्षायें
- ✶ हॉस्टल फेसिलिटी उपलब्ध
- ✶ राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की इकाई का गठन
- ✶ विश्वविद्यालय आवागमन हेतु शहर के सभी स्थानों से
- ✶ बस सुविधा उपलब्ध
- ✶ रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम एवं प्लेसमेंट

SKU
CHHATARPUR, M.P.

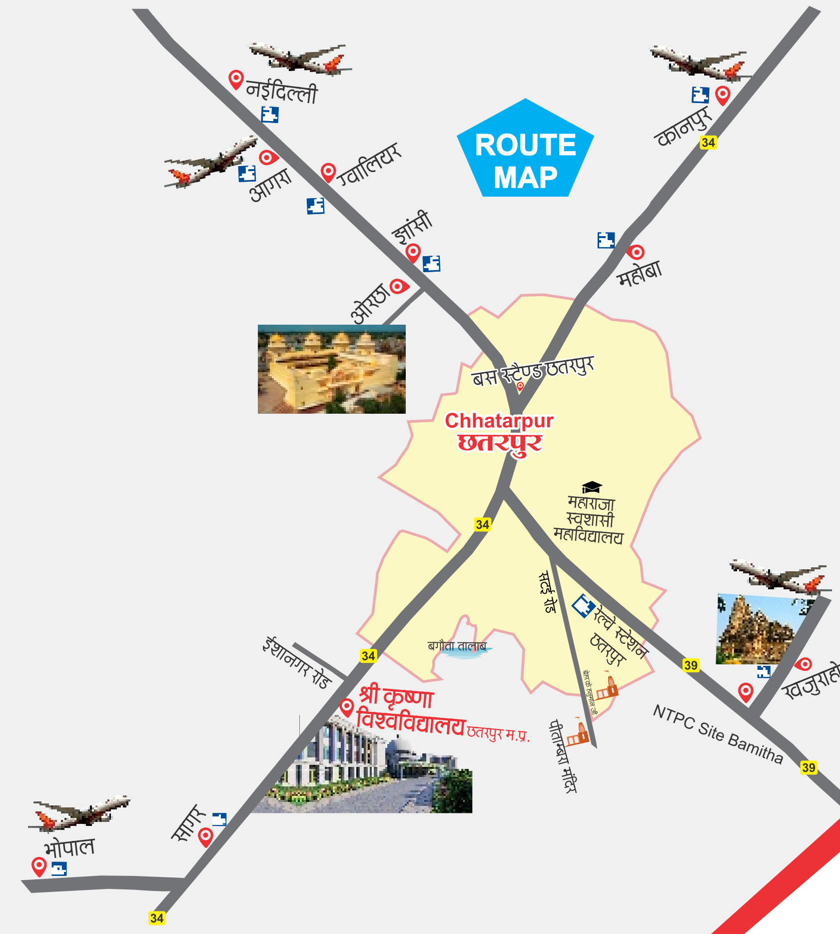

Contact Details:

UNIVERSITY CAMPUS : National Highway, Sagar Road, Chhatarpur - 471301 (Madhya Pradesh)
CITY OFFICE : Infront of Danadan Building, Chobey Colony, Chhatarpur - 471001 (Madhya Pradesh)
Website : www.skuindia.ac.in, Email : info@skuindia.com

Contact : (07682) 248735, +91- 6262180303, +91- 6262180707